राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा आयोजित

AKSHANSH PUBLICATION

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा

REET

MODULE-1

Level 1 एवं 2 (SST & SCI. MATHS)

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र

हिंदी | ENGLISH | संस्कृत

PYQ
QUESTION
(2011 से 2025)

- गत वर्षों के प्रश्नों पर आधारित विस्तृत व्याख्या सहित संकलन
- हर टॉपिक-वाइज सेलेक्टेड सेट

EXAM PATTERN के अनुसार सभी प्रश्नों का विश्लेषण

MCQ
TOPIC-WISE प्रैक्टिस बुक

- विगत वर्षों के महत्वपूर्ण प्रश्न
- अभ्यास प्रश्नों का अध्यायवार संग्रह
- RPSC/REET पैटर्न के टेस्ट पेपर पर आधारित
- NCERT & RBSE BOOKS पर आधारित

हर टॉपिक के बाद Practice Set

6666+
वस्तुनिष्ठ प्रश्न

REET ब्रह्मास्त्र

- सभी संभावित प्रश्न
- टीचिंग एप्रोच का कवच
- Previous Year + Latest Pattern
- परीक्षा स्तर पर तैयार

एक किताब संपूर्ण तैयारी!



अक्षांश पब्लिकेशन

10 - 21, Vani Garden K Pas, Jhamar Kotda Road, Udaipur, 313002 Rajasthan
Mobile - 7850960198 | www.store.akshanshpublication.com

ONLINE COURSE
डाउनलोड करने के लिए
दिए गए QR कोड को स्कैन करें।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा आयोजित

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा

REET

MODULE-1

Level 1 एवं 2 (SST & SCI. MATHS)

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र

हिंदी | ENGLISH | संस्कृत

PYQ
QUESTION
(2011 से 2025)
- गत वर्षों के प्रश्नों पर आधारित विस्तृत व्याख्या सहित संकलन
- हर टॉपिक-वाइज सेलेक्टेड सेट

EXAM PATTERN के अनुसार सभी प्रश्नों का विश्लेषण

MCQ
TOPIC-WISE प्रैक्टिस बुक
- विगत वर्षों के महत्वपूर्ण प्रश्न
- अभ्यास प्रश्नों का अध्यायवार संग्रह
- RPSC/REET पैटर्न के टेस्ट पेपर पर आधारित
- NCERT & RBSE BOOKS पर आधारित

हर टॉपिक के बाद Practice Set

6666+
वस्तुनिष्ठ प्रश्न
REET ब्रह्मास्त्र
- सभी संभावित प्रश्न
- टीचिंग एप्रोच का कवच
- Previous Year + Latest Pattern
- परीक्षा स्तर पर तैयार

एक किताब संपूर्ण तैयारी!

"अक्षांश प्रकाशन की समस्त पुस्तकें अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अक्षांश प्रकाशन की समर्पित टीम के सहयोग से तैयार की गई हैं।"

संपादक
कुणाल सर, मारवाड़ी सर, मनीष मंगल सर
सह संपादक
गंगा सिंह, अनोपचंद मंडा, सुमेर प्रजापत, प्रकाश मेघवाल, धर्मेश सांखला

प्रकाशन
अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर (राज.)

प्रकाशन
अक्षांश प्रकाशन
10 - 21, Vani Garden K Pas,
Jhamar Kotda Road, Udaipur, 313002 Rajasthan

अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करे

TELEGRAM INSTAGRAM YOUTUBE BOOK

बुक कोड - AP0154

©सर्वाधिकार - अक्षांश प्रकाशन
www.store.akshanshpublication.com

मुख्य वितरक - अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर M. 7850960198
योगिता बुक हाऊस, जयपुर M. 6350252387, 8432478146
खण्डेलवाल बुक कंपनी, जयपुर M. 8619587048, 9782611527
Chavi Stationary, जयपुर M. 8058470323, 9680946800
पायल बुक हाऊस, जयपुर M. 8824962419, 7296876820
Diligent, उदयपुर M. 9694575381

अक्षांश प्रकाशन ने इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित सभी प्रकार की सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। इस पुस्तक के किसी भी भाग और सामग्री को अक्षांश प्रकाशन की अनुमति और जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशित या प्रिन्ट करना अनुचित है, यदि ऐसा पाया जाता है तो व्यक्ति या संस्थान स्वयं जिम्मेदार है।

विषय वस्तु

01 बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	मनोविज्ञान : परिचय एवं अर्थ	1-6
2.	बाल विकास	7-28
3.	अधिगम	29-46
4.	अधिगम में आने वाली कठिनाइयाँ	47-52
5.	अभिप्रेरणा एवं इसके अधिगम के लिए निहितार्थ	53-65
6.	व्यक्तिगत विभिन्नताएँ	66-72
7.	व्यक्तित्व	73-90
8.	बुद्धि	91-106
9.	विविध अधिगमकर्त्ताओं की समझ	107-120
10.	चिंतन, कल्पना एवं तर्क (बच्चे सीखते कैसे हैं?)	121-129
11.	समायोजन	130-140
12.	NCF-2005	141-147
13.	मापन मूल्यांकन	148-160
14.	क्रियात्मक अनुसंधान	161-164
15.	RTE 2009	165-173
16.	सीखने के प्रतिफल	174-175
17.	NEP 2020	176-180

02 हिन्दी

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	वर्ण विचार	1 – 5
2.	शब्द ज्ञान- तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी	6 – 9
3.	हिंदी शब्दकोश क्रम	10 – 11
4.	संज्ञा	12 – 15
5.	सर्वनाम	16 – 19
6.	विशेषण	20 – 24
7.	क्रिया	25 – 27
8.	अविकारी शब्द	28 – 32

9.	लिंग	33 – 37
10.	वचन	38 – 42
11.	काल	43 – 46
12.	कारक	47 – 49
13.	संधि एवं संधि विच्छेद	50 – 55
14.	समास	56 – 60
15.	उपसर्ग	61 – 65
16.	प्रत्यय	66 – 69
17.	पर्यायवाची शब्द	70 – 73
18.	विलोम शब्द	74 – 77
19.	अनेकार्थक शब्द	78 – 80
20.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	81 – 84
21.	शब्द शुद्धि	85 – 88
22.	वाक्य विचार	89 – 95
23.	पदबंध	96 – 99
24.	विराम चिह्न	100 – 103
25.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	104 – 112
26.	राजस्थानी भाषा एवं बोलियों का सामान्य परिचय	113 – 116
27.	राजस्थानी शब्दों के हिंदी रूप	117 – 121
28.	राजस्थानी मुहावरे	122 – 125
29.	गद्यांश	126 – 132
30.	पद्यांश	133 – 138

03 हिन्दी शिक्षण विधियाँ

क्र. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	हिन्दी भाषा की शिक्षण विधियाँ	1-18
2.	भाषायी कौशल एवं भाषायी कौशलों का विकास	19-29
3.	मापन एवं मूल्यांकन	30-37
4.	शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री	38-44
5.	NCERT के सुझाव	45-48

04 ENGLISH

S.R.	CHAPTER	PAGE NO.
1.	UNSEEN PROSE PASSAGE	1-9
2.	LINKING DEVICES	10-12
3.	SUBJECT VERB – CONCORD	13-15
4.	INFERENCES	16-20
5.	UNSEEN POEM	21-32
6.	MODAL AUXILLIARIES	33-37
7.	COMMON IDIOMS & PHRASES	38-42
8.	LITERARY TERMS	43-50

05 ENGLISH TEACHING METHOD

S.R.	CHAPTER	PAGE NO.
1.	BASIC KNOWLEDGE OF ENGLISH SOUNDS & SYMBOLS	1-10
2.	PRINCIPLES OF TEACHING ENGLISH	11-16
3.	COMMUNICATIVE APPROACH TO ENGLISH LANGUAGE TEACHING	17-23
4.	CHALLENGES OF TEACHING ENGLISH	24-27
5.	DIFFICULTIES IN LEARNING ENGLISH(ROLE OF HOME LANGUAGE MULTILINGUALISM)	28-31
6.	METHODS OF EVALUATION	32-37
7.	REMEDIAL TEACHING	38-43

06 संस्कृत

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	माहेश्वरसूत्राणि	1–4
2.	स्वर-व्यञ्जन-उच्चारणस्थानानि	5–9
3.	संख्या-ज्ञानम्	10–12
4.	समय-ज्ञानम्	13–14

5.	वाच्य-परिवर्तनम् (लट्-लकारे)	15–19
6.	संस्कृतानुवाद:	20–25
7.	अशुद्धिसंशोधनम्	26–30
8.	संस्कृत-सूक्तय:	31–34
9.	लकारपरिवर्तन (लट्-लङ्-लृट्-लोट्-विधिलिङ्)	35–38
10.	रेखाङ्कितपदानि आदृत्य प्रश्न-निर्माणम्	39–41
11.	सन्धि	42–47
12.	समास	48–53
13.	उपसर्ग	54–55
14.	प्रत्यय	56–58
15.	सर्वनाम	59–60
16.	विशेष्य-विशेषण	61–63
17.	अव्यय	64–65
18.	शब्दरुप	66–69
19.	धातुरुप	70–73
20.	कारक-विभक्ति	74–77
21.	कर्तृ, क्रियापद, वचन, लिङ्ग	78–79
22.	छन्द	80–81
23.	अलंकार	82–84
24.	विलोम शब्द	85–86
25.	गद्यांश	87–93
26.	पद्यांश	94–97

07 संस्कृत शिक्षण विधियाँ

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	संस्कृतशिक्षण विधि परिचय, विभिन्न आयोग एवं समितियाँ	1–4
2.	संस्कृतभाषाशिक्षणस्य विधय:	5–11
3.	संस्कृतभाषाशिक्षणसिद्धान्ता:	12–15
4.	संस्कृतभाषाकौशलस्य विकासः (श्रवणम्, सम्भाषणम्, पठनम्, लेखनम्)	16–20
5.	संस्कृताध्यापनस्य अधिगमसाधनानि	21–24
6.	संस्कृतपाठ्यपुस्तकानि	25–27
7.	संस्कृतभाषाशिक्षणस्य मूल्याङ्कनसम्बद्धाः प्रश्नाः	28–32
8.	सतत् एवं व्यापक मूल्याङ्कनम्	33–35
9.	निदानात्मकशिक्षणम्	36–38

❑❑❑❑

बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ

01 मनोविज्ञान : परिचय एवं अर्थ

अभ्यास प्रश्न

1. शैक्षिक मनोविज्ञान के क्षेत्र से संबंधित नीचे दो कथन दिए गए हैं-
[2ND GRADE 13.07.2026]

(A) शिक्षक की अभिक्षमता एवं शिक्षण में किए गए किन्हीं भी नवाचारों के मापन, 'अधिनियम प्रक्रिया के मूल्यांकन' में सम्मिलित किया जाता है।

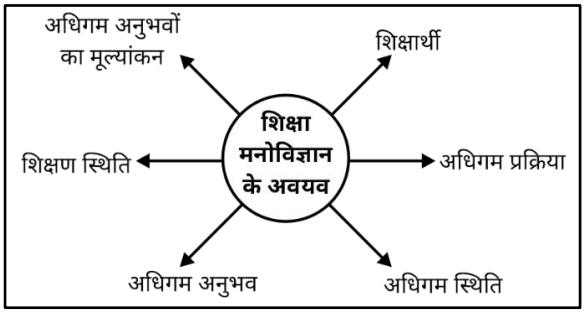
(B) 'अधिगम प्रक्रिया के मूल्यांकन' के अन्तर्गत, तत्काल प्रतिपुष्टि और परिणामों का ज्ञान शिक्षार्थी की प्रेरणा को बढ़ाता है।

सही विकल्प का चयन कीजिए –

(a) कथन (A) असत्य है, किन्तु (B) सत्य है
(b) दोनों कथन (A) एवं (B) सत्य हैं
(c) दोनों कथन (A) एवं (B) असत्य हैं
(d) कथन (A) सत्य है, किन्तु (B) असत्य है
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र



- **चार्ल्स स्किनर** – शिक्षा-मनोविज्ञान शैक्षणिक परिस्थितियों में मानव व्यवहार का अध्ययन करता है। इसका संबंध उन मानव व्यवहारों एवं व्यक्तित्व के अध्ययन से है, जिनका उत्थान, विकास और मार्गदर्शन शिक्षा की प्रक्रिया द्वारा होता है।
- **लिण्डग्रेन** के अनुसार शिक्षा-मनोविज्ञान के क्षेत्र में मुख्यतः निम्न पक्षों का अध्ययन किया जाता है—

1. शिक्षार्थी (Learner)

- शिक्षा की द्विमुखी प्रक्रिया में शिक्षार्थी केन्द्र-बिंदु है।
- शिक्षार्थी को जानने तथा उसे जानने की आवश्यक विधियों और तकनीकों पर बल दिया जाता है।

2. सीखने की प्रक्रिया का अध्ययन

- लिण्डग्रेन के अनुसार सीखना वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा शिक्षार्थी अपने व्यवहार में परिवर्तन लाकर नए-नए सम्प्रत्यय सीखता है तथा अपनी चिंतन प्रक्रिया को पुनर्गठित करता है।
- इसके अंतर्गत अध्ययन प्रत्यक्ष अवलोकनीय प्रक्रियाएँ—लिखना, पढ़ना, बोलना आदि। चिंतन, प्रत्यक्षीकरण, स्मृति एवं विस्मरण, सीखने की विधियाँ, सिद्धान्त, नियम तथा पुरस्कार-दण्ड का महत्त्व, सीखने में अभिप्रेरणा का स्थान,सीखने का स्थानान्तरण।

3. सीखने की परिस्थिति

- सीखने की परिस्थिति वह है जिसमें सीखने की प्रक्रिया सम्पन्न होती है।
- लिण्डग्रेन के अनुसार शैक्षिक परिस्थिति शिक्षा-मनोविज्ञान का प्रमुख केन्द्रीय क्षेत्र है।
- **तात्कालिक परिस्थितियाँ –** पुस्तकालय, वाचनालय, प्रयोगशाला, कक्षा आदि।
- दूरस्थ परिस्थितियाँ – समुदाय, प्रबन्धन तंत्र, प्रशासन आदि।

4. सीखने के परिणाम

- सीखने के कारण व्यक्ति जो कुछ ग्रहण करता है, उसे शैक्षिक उपलब्धि, परिणाम या उत्पाद कहा जाता है।
- परिणाम की जानकारी के लिए चिंतन, प्रत्यय-निर्माण एवं समस्या-समाधान का महत्त्व है।

5. मापन एवं मूल्यांकन संबंधी अध्ययन

- शैक्षिक उपलब्धि, विषय-योग्यता, अभिक्षमता, अभिरुचि एवं मनोवृत्ति का मापन तथा मूल्यांकन किया जाता है।

6. निर्देशन तथा मानसिक स्वास्थ्य

निर्देशन के तीन स्तर हैं—

1. वैयक्तिक निर्देशन
2. शैक्षिक निर्देशन
3. व्यावसायिक निर्देशन

- मानसिक स्वास्थ्य को उन्नत बनाने के उपायों का अध्ययन भी शिक्षा-मनोविज्ञान के क्षेत्र में सम्मिलित है।

7. शिक्षक

- शिक्षक के व्यक्तित्व, प्रशिक्षण तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया जाता है।
- **स्किनर-** मनोविज्ञान शिक्षा-मनोविज्ञान के क्षेत्र में वे सभी ज्ञान एवं विधियाँ सम्मिलित हैं, जो सीखने की प्रक्रिया को अधिक कुशलता से निर्देशित करने के लिए आवश्यक हैं।

2. नीचे दो कथन दिए गए हैं- एक अभिकथन (A) के रूप में तथा दूसरा उसके कारण (R) के रूप में है।

अभिकथन (A) : शैक्षिक मनोवैज्ञानिक व्यक्तियों को शैक्षिक एवं कार्य-दशाओं में प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग की जाने वाली निर्देशात्मक विधियों के विकास में सहायता करते हैं।

कारण (R) : शैक्षिक मनोवैज्ञानिकों का सरोकार शिक्षा, उपबोधन एवं अधिगम की समस्याओं से संबंधित अनुसंधान से भी होता है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

3RD GRADE L-1 2026

(a) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(b) A सही है लेकिन R सही नहीं है।
(c) A सही नहीं है लेकिन R सही है।
(d) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

3. शैक्षिक मनोविज्ञान शिक्षकों को विभिन्न आयु स्तरों पर शिक्षण की समस्याओं से निपटने के लिए विकसित विभिन्न विधियों और उपागमों को लागू करने में सहायता करता है। यह कथन शैक्षिक मनोविज्ञान के किस क्षेत्र को संदर्भित करता है?

2ND GRADE 14.07.2026

(a) अधिगमकर्ता (b) अधिगम प्रक्रिया
(c) अधिगम परिणाम (d) अधिगम का मूल्यांकन
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

4. 'प्रभावी शिक्षण हेतु निर्देशन' शैक्षिक मनोविज्ञान के किस क्षेत्र में सम्मिलित है?

2nd Grade GK : 11.09.2025

(a) अधिगम उपलब्धि (b) अधिगमकर्ता
(c) अधिगम मूल्यांकन (d) अधिगम प्रक्रिया
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
◈ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

5. स्मृति एवं विस्मृति, प्रत्यक्षीकरण, सम्प्रत्यय निर्माण, चिन्तन, समस्या समाधान आदि प्रकरण शिक्षा मनोविज्ञान के निम्नलिखित में से किस कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित हैं?

1st grade group D (11.06.2026)

(a) सीखने सम्बन्धी अनुभव (b) सीखने की प्रक्रिया
(c) सीखने की परिस्थिति (d) शिक्षार्थी
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
◈ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

6. नीचे मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के शिक्षा के क्षेत्र में अनुप्रयोग के बारे में दो कथन दिए गये हैं -

अभिकथन (A): एक प्रभावी विद्यालय प्रशासन और संगठन के लिए मनोविज्ञान का ज्ञान आवश्यक है।

कारण (R): मनोविज्ञान, विद्यालय में अनुशासन संबंधी समस्याओं से निपटने में सहायक है।

सही विकल्प का चयन कीजिए:

2ND GRADE GROUP (A) 12.07.2026

(a) (A) एवं (R) दोनों व्यक्तिगत रूप से सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) एवं (R) दोनों व्यक्तिगत रूप से सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(d) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
◈ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

7. शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र को विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है। वृद्धि और विकास के ज्ञान को किस श्रेणी के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है?

2nd Grade GK : 07.09.2025

(a) सीखने की परिस्थितियाँ एवं वातावरण
(b) अधिगमकर्त्ता (c) शिक्षक
(d) अधिगम प्रक्रिया (e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
◈ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

8. निम्नलिखित में से कौनसी शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति हैं?

A. अनुप्रयुक्त B. मानकात्मक
C. सकारात्मक D. वैज्ञानिक

सही विकल्प का चयन कीजिए:

2ND GRADE 16.07.2026

(a) A, B और D (b) A, C और D
(c) A, B और C (d) B, C और D
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति

◈ मनोविज्ञान की अनुप्रयुक्त शाखा है।
◈ शैक्षिक समस्याओं के समाधान में मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों एवं विधियों का प्रयोग करता है।
◈ वस्तुनिष्ठ एवं प्रयोगात्मक विज्ञान है।
◈ मानव व्यवहार का अध्ययन करता है।
◈ मनोवैज्ञानिक अवधारणाओं का शिक्षा के क्षेत्र में अनुप्रयोग करता है।
◈ यह एक सामाजिक विज्ञान है।
◈ यह नियामक विज्ञान नहीं है।
◈ निरीक्षण एवं खोज से प्राप्त तथ्यों और सूचनाओं का अध्ययन करता है।
◈ तथ्यों को सिद्धान्तों एवं नियमों के रूप में सामान्यीकृत किया जा सकता है।
◈ ज्ञान की खोज, परिकल्पना के परीक्षण एवं सिद्धान्त निर्माण में वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करता है।
◈ शैक्षिक समस्याओं के समाधान में सहायक होता है।
◈ सूचनाएँ, ज्ञान, सिद्धान्त एवं पद्धतियाँ मिलकर शिक्षा मनोविज्ञान के विषय का निर्माण करती हैं।

शिक्षा-मनोविज्ञान का महत्त्व

◈ शिक्षा-मनोविज्ञान के **व्यावहारिक एवं सैद्धान्तिक** दोनों पक्ष हैं। यह अध्यापक, विद्यार्थी एवं अभिभावक सभी के लिए महत्त्वपूर्ण है।

1. बाल-केन्द्रित शिक्षा

◈ शिक्षा का केंद्र **बालक** बन गया है तथा शिक्षण विधियाँ एवं पाठ्यक्रम उसकी रुचि, योग्यता एवं स्तर के अनुसार बनाए जाते हैं।

2. रुचि एवं मूल प्रवृत्तियों को महत्त्व

◈ बालक रुचिपूर्ण कार्य शीघ्र सीखता है। इसलिए शिक्षण को **रुचिकर एवं प्रेरणादायक** बनाया जाता है।

3. शिक्षण पद्धति में परिवर्तन

◈ रटने के स्थान पर बालक की **सक्रिय भागीदारी एवं स्वतंत्र अभिव्यक्ति** पर बल दिया गया।
◈ प्रमुख विधियाँ—खेल, प्रोजेक्ट, डाल्टन, किण्डरगार्टन एवं साहचर्य विधि।

4. पाठ्यक्रम में सुधार

◈ पाठ्यक्रम का निर्माण बालकों की **आयु, स्तर, रुचि, योग्यता एवं मानसिक क्षमता** के अनुसार किया जाता है।

5. पाठ्यसहगामी क्रियाओं पर बल

◈ खेल-कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद, नाटक, संगीत एवं शैक्षिक भ्रमण आदि से **सर्वांगीण विकास** पर बल दिया जाता है।

6. अनुशासन की नई विधियाँ

◈ दण्ड एवं भय के स्थान पर **प्रेम, सहानुभूति, प्रशंसा एवं पुनर्बलन** को महत्त्व दिया गया।

7. निर्देशन एवं परामर्श

◈ विद्यार्थियों की समस्याओं को समझने तथा उन्हें उचित **मार्गदर्शन एवं परामर्श** देने में सहायता करता है।

9. शैक्षिक मनोविज्ञान की वैज्ञानिक प्रकृति के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही <u>नहीं</u> है?

2nd Grade GK : 11.09.2025

(a) इसमें वैज्ञानिक विधियों और प्रविधियों का अनुप्रयोग होता है।
(b) यह व्यवहार के आकलन के लिए व्यक्तिनिष्ठता पर बल देता है।
(c) यह शिक्षण-अधिगम परिस्थितियों में व्यवहार को समझने, भविष्यवाणी करने और नियन्त्रित करने में सहायक है।
(d) इसके सुव्यवस्थित सिद्धांत नियमों द्वारा समर्थित हैं।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
◈ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

10. नीचे दो कथन दिए गये हैं, एक को (A) और दूसरे को (R) के रूप में चिन्हित किया गया है। दोनों कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और नीचे दिए गये विकल्पों में से सही उत्तर चुनें –

2ND GRADE GROUP (A) 12.07.2026

(A) : शिक्षा मनोविज्ञान पूर्वानुमानात्मक है।

(R) : यह व्यवहार की पूर्ण निश्चितता के साथ पूर्वानुमान कर सकता है।

विकल्प:

(a) (A) असत्य है, (R) सत्य है (b) (A) और (R) दोनों असत्य हैं

(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं (d) (A) सत्य है, (R) असत्य है

(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

◈ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

11. शैक्षिक मनोविज्ञान के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए:

S1: शैक्षिक मनोविज्ञान प्रभावी शिक्षण विधियों में योगदान देता है।

S2: यह कक्षा के वातावरण की अनदेखी करता है और केवल सिद्धान्त पर ध्यान केन्द्रित करता है।

सही विकल्प का चयन कीजिए:

2ND GRADE 16.07.2026

(a) S1 और S2 दोनों सही हैं

(b) S1 और S2 दोनों गलत हैं

(c) S1 सही है, किन्तु S2 गलत है

(d) S1 गलत है, किन्तु S2 सही है

(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

◈ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

12. निम्नलिखित में से कौनसा कथन शिक्षा मनोविज्ञान के संबंध में सही नहीं है?

2nd Grade GK : 09.09.2025

(a) यह प्रयुक्त मनोविज्ञान की एक शाखा है।

(b) यह मूल्यों एवं आदर्शों की प्राप्ति में सहायता देता है।

(c) यह एक साध्य है, साधन नहीं।

(d) यह मानवीय पक्ष को महत्त्वपूर्ण मानते हुए शिक्षण अधिगम में सहायता करता है।

(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

◈ शिक्षा मनोविज्ञान को सामान्यत: साधन माना जाता है, साध्य नहीं क्योंकि साध्य (End) वह होता है, जिसे प्राप्त करना हमारा अंतिम लक्ष्य हो जबकि साधन (Means) वह होता है, जिसकी सहायता से हम अपने लक्ष्य को प्राप्त करते है।

◈ **साध्य –** विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास एवं शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति।

◈ **साधन –** शिक्षा मनोविज्ञान का उपयोग करके विद्यार्थियों की रुचि, बुद्धि, व्यक्तिगत विभिन्नताओं और सीखने का प्रक्रिया को समझना।

13. शिक्षा मनोविज्ञान एक अध्यापक को सम्पूर्ण सामाजिक वातावरण और अधिगम पर उसके प्रभाव की संक्रियाओं के बारे में जानने में सहायता करता है। शिक्षा मनोविज्ञान का यह योगदान निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है?

2nd Grade GK : 09.09.2025

(a) विद्यार्थियों की समस्याओं की समझ से

(b) प्रभावी शिक्षण विधियों की समझ से

(c) समूह गतिशीलता की समझ से

(d) व्यक्तिगत विभिन्नताओं की समझ से

(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

◈ **समूह गतिशीलता (Group Dynamics):** शिक्षा मनोविज्ञान के अंतर्गत 'समूह गतिशीलता' का तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा कक्षा या विद्यालय का सामाजिक वातावरण, सहपाठियों का समूह और सामाजिक अंत:क्रियाएं एक छात्र के अधिगम और व्यवहार को प्रभावित करती हैं।

◈ प्रश्न में स्पष्ट रूप से "सम्पूर्ण सामाजिक वातावरण और अधिगम पर उसके प्रभाव" की बात की गई है। जब कोई शिक्षक कक्षा के सामाजिक वातावरण, बच्चों के आपसी संबंधों और उनके सामूहिक प्रभाव को समझता है, तो वह वास्तव में समूह गतिशीलता के सिद्धांत का उपयोग कर रहा होता है।

14. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में शिक्षा मनोविज्ञान का महत्त्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है?

2nd Grade: 07.09.2025

(a) विद्यार्थियों की विकासात्मक विशेषताओं को समझने में

(b) विद्यार्थियों की वैयक्तिक विभिन्नताओं को समझने में

(c) प्रभावी शिक्षण विधियों को पहचानने में

(d) पाठ्यचर्या के निर्माण में

नीचे दिये गये कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिये:

कूट:

(a) (a), (c) एवं (d) सही हैं, किन्तु (b) सही नहीं है।

(b) (b), (c) एवं (d) सही हैं, किन्तु (a) सही नहीं है।

(c) (d) सही है किन्तु (a), (b) एवं (c) सही नहीं हैं।

(d) (a), (b), (c) एवं (d) सही हैं।

(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

◈ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

15. केरोल (1965) के अनुसार, एक शिक्षक को कक्षा में शैक्षिक मनोविज्ञान को व्यावहारिक रूप से कैसे लागू करना चाहिए?

2nd Grade GK : 08.09.2025

(a) केवल शैक्षणिक सामग्री प्रदान करने पर ध्यान देकर

(b) मनोवैज्ञानिक प्रयोग करके

(c) छात्रों के विद्यालयी अधिगम के सभी पक्षों को समझकर

(d) मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों को कंठस्थ करके

(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

◈ **जॉन बी. केरोल का दृष्टिकोण:** मनोवैज्ञानिक केरोल ने विद्यालयी अधिगम का एक प्रसिद्ध मॉडल दिया था। उनके अनुसार, कक्षा में शैक्षिक मनोविज्ञान का व्यावहारिक अनुप्रयोग यह है कि एक शिक्षक को विद्यार्थी के सीखने की क्षमता, उसकी सीखने की गति, दृढ़ता और अधिगम को प्रभावित करने वाले सभी आंतरिक और बाहरी पक्षों को गहराई से समझना चाहिए।

◈ जब एक शिक्षक छात्रों के विद्यालयी अधिगम के सभी पक्षों (जैसे- मानसिक स्तर, रुचि, वातावरण, और सीखने में लगने वाला समय) को समझ लेता है, तभी वह कक्षा में मनोविज्ञान का सही और व्यावहारिक उपयोग कर पाता है।

16. प्रारम्भिक मनोविज्ञान (आत्मा, मन एवं चेतना) के विकास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मनोविज्ञान के प्रारम्भिक स्वरूप में इसे आत्मा का विज्ञान माना गया था।
2. पोम्पोनॉजी ने मनोविज्ञान को मन/मस्तिष्क का विज्ञान माना।
3. चेतना के विज्ञान के समर्थकों में विलियम जेम्स एवं टिचेनर प्रमुख थे।
4. चेतना का विज्ञान व्यवहारवाद के बाद विकसित हुआ।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4 **[b]**

व्याख्या:-

मनोविज्ञान की उत्पत्ति एवं परिचय

मनोविज्ञान (Psychology)

- मनुष्य तथा अन्य जीवों के **व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं** का वैज्ञानिक अध्ययन है।
- Psychology की उत्पत्ति ग्रीक शब्द **Psyche (आत्मा) + Logos (अध्ययन)** से हुई।
- एबिंगहास— **"मनोविज्ञान का इतिहास पुराना, परन्तु वैज्ञानिक स्वरूप नया है।"**

मनोविज्ञान के विकास के चरण-

1. आत्मा का विज्ञान

- प्रारम्भ में मनोविज्ञान को **आत्मा का विज्ञान** माना गया।
- प्लेटो, अरस्तू एवं देकार्ते इसके प्रमुख समर्थक थे।
- आत्मा को व्यवहार का आधार तथा अमर एवं अलौकिक माना गया।
- **आलोचना:** आत्मा के स्वरूप, रंग, रूप एवं आकार का वैज्ञानिक उत्तर नहीं मिला।

2. मन/मस्तिष्क का विज्ञान

- पोम्पोनॉजी ने मनोविज्ञान को **मन/मस्तिष्क का विज्ञान** माना।
- प्रमुख समर्थक— जॉन लॉक, कान्ट, स्पिनोजा, हॉब्स, रीड, ह्यूम, बर्कले।
- **आलोचना:** मन अमूर्त है, इसलिए उसका प्रत्यक्ष अवलोकन एवं मापन कठिन है।

3. चेतना का विज्ञान

- 19वीं शताब्दी में मनोविज्ञान को **चेतना का विज्ञान** माना गया।
- प्रमुख समर्थक— विलियम जेम्स, वुण्ट, सल्ली, टिचेनर आदि।
- वुण्ट ने प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला स्थापित की।
- **आलोचना:** चेतना का प्रत्यक्ष अवलोकन एवं मापन कठिन था।

4. व्यवहार का विज्ञान

- 20वीं शताब्दी में मनोविज्ञान को **व्यवहार का विज्ञान** माना गया।
- **जे. बी. वाटसन** ने 1913 में व्यवहारवाद को स्थापित किया।
- व्यवहार को देखा, मापा एवं नियंत्रित किया जा सकता है।
- प्रमुख समर्थक— वुडवर्थ, थॉर्नडाइक, हल, पावलॉव, स्किनर आदि।

17. मनोविज्ञान के विकास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. आत्मा का विज्ञान मनोविज्ञान का सर्वप्रथम स्वरूप माना जाता है।
2. मन को विज्ञान मानने की अवधारणा के प्रमुख प्रतिपादक पोम्पोनॉजी थे।
3. व्यवहारवाद के बाद मनोविज्ञान को चेतना का विज्ञान माना गया।
4. आधुनिक मनोविज्ञान में व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं दोनों का अध्ययन किया जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) केवल 1 और 4 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4 **[c]**

व्याख्या:-

- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

18. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (मनोवैज्ञानिक/विचारक)	सूची-II (संबंधित योगदान)
A. विलियम वुण्ट	I. हार्मिक (Hormic) सम्प्रदाय
B. विलियम मैक्डूगल	II. प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला
C. जॉन लॉक	III. टेबुला रासा (Tabula Rasa)
D. अब्राहम मैस्लो	IV. आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धान्त

कूट :

(a) A-II, B-I, C-IV, D-III
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-II, B-I, C-III, D-IV
(d) A-III, B-IV, C-I, D-II **[c]**

व्याख्या:-

मनोविज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय

मनोविज्ञान का सम्प्रदाय	प्रमुख प्रवर्तक / समर्थक
संरचनावाद / अस्तित्ववाद (Structuralism)	विलियम वुण्ट, टिचेनर
प्रकार्यवाद / कार्यवाद (Functionalism)	विलियम जेम्स
साहचर्यवाद (Associationism)	जॉन लॉक
व्यवहारवाद (Behaviourism)	जे. बी. वाटसन
मनोविश्लेषणवाद (Psychoanalysis)	सिगमण्ड फ्रॉयड (वियना)
गेस्टाल्टवाद (Gestalt School)	मैक्स वर्दाइमर , कोहलर, कोफ्का, कुर्त लेविन, रोजर बार
संज्ञानात्मक मनोविज्ञान (Cognitive Psychology)	जीन पियाजे , जेरोम ब्रूनर , डेविड आसुबेल, नॉम चोमस्की
प्रेरकीय मनोविज्ञान (Hormic School)	विलियम मैक्डूगल
मानवतावादी (Humanistic School)	अब्राहम मैस्लो

19. मनोविज्ञान के ऐतिहासिक विकास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अमेरिकन मनोवैज्ञानिक संघ (APA) की स्थापना स्टेनले हॉल द्वारा 1892 में की गई।
2. जॉन बी. वाटसन ने व्यवहारवाद की स्थापना 1913 में की।
3. गैस्टाल्टवाद की स्थापना 1912 में मैक्स वर्दाइमर ने की।
4. प्रथम बुद्धि परीक्षण विलियम स्टर्न एवं बिने द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 4 (d) केवल 3 और 4 **[c]**

व्याख्या:-

मनोविज्ञान का ऐतिहासिक विकास

- **1879** – विलियम वुण्ट ने जर्मनी के लिपजिंग (Leipzig) में प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला स्थापित की।
- **1890** – विलियम जेम्स की पुस्तक प्रिंसिपल ऑफ साइकोलॉजी प्रकाशित हुई।
- **1892** – स्टेनले हॉल ने अमेरिकन मनोवैज्ञानिक संघ (APA) की स्थापना की।
- **1892** – संरचनावाद (Structuralism) की स्थापना हुई।
- **1895** – प्रकार्यवाद (Functionalism) की स्थापना हुई।
- **1900** – सिगमंड फ्रायड द्वारा मनोविश्लेषणवाद (Psychoanalysis) की स्थापना हुई।
- **1904** – इवान पावलॉव को नोबेल पुरस्कार मिला।
- **1905** – अल्फ्रेड बिने एवं थियोडोर साइमन द्वारा प्रथम बुद्धि परीक्षण किया गया।
- **1905** – ब्रजेन्द्र नाथ सील द्वारा प्रयोगात्मक मनोविज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना।
- **1908** – बिने ने M.A. (Mental Age) का विचार दिया।
- **1912** – विलियम स्टर्न ने I.Q. का विचार दिया।
- **1912** – गैस्टाल्टवाद (Gestalt Psychology) की स्थापना हुई।
- **1913** – जॉन बी. वॉटसन द्वारा व्यवहारवाद (Behaviorism) की स्थापना हुई।
- **1915** – प्रो. एन. एन. सेनगुप्ता ने कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्रथम भारतीय मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला स्थापित की।
- **1916** – कलकत्ता विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान का प्रथम विभाग प्रारम्भ हुआ।
- **1920** – जर्मनी में गैस्टाल्ट मनोविज्ञान का उदय हुआ।
- **1924** – भारतीय मनोवैज्ञानिक संघ की स्थापना हुई।
- **1928** – एन. एन. सेनगुप्ता एवं राधा कमल मुखर्जी ने सामाजिक मनोविज्ञान की पुस्तक लिखी।
- **1938** – कलकत्ता विश्वविद्यालय में अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग प्रारम्भ हुआ।
- **1953** – बी. एफ. स्किनर की पुस्तक साइंस एंड ह्यूमन बिहेवियर प्रकाशित हुई।
- **1954** – इलाहाबाद में मनोविज्ञान शाला की स्थापना हुई।
- **1955** – बंगलौर में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेस (NIMHANS) की स्थापना हुई।
- **1989** – नेशनल अकादमी ऑफ साइकोलॉजी इंडिया की स्थापना हुई।
- साइकोलॉजी (मनोविज्ञान) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग सोलहवीं सदी में सन् **1590** में यूनानी दार्शनिक रूडोल्फ गोयक्ले ने अपनी पुस्तक साइकोलॉजिया (**Psychologia)** में किया।
- कॉलसनिक के अनुसार मनोविज्ञान का जनक – प्लेटो।
- आधुनिक मनोविज्ञान का जनक – विलियम जेम्स।
- प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के जनक – विलियम वुण्ट।

20. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक कथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में।

कथन (A): व्यवहारवाद के अनुसार मनोविज्ञान की विषयवस्तु केवल प्रत्यक्ष व्यवहार होना चाहिए।

कारण (R): व्यवहारवाद के अनुसार चेतना एवं अंतर्निरीक्षण का अध्ययन पूर्णत: वैज्ञानिक एवं वस्तुनिष्ठ माना जाता है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A और R दोनों सत्य हैं।
(b) A असत्य है, परन्तु R सत्य है।
(c) A सत्य है, परन्तु R असत्य है।
(d) A और R दोनों असत्य हैं। **[c]**

व्याख्या:-

- व्यवहारवाद के अनुसार मनोविज्ञान का अध्ययन-विषय केवल प्रत्यक्ष एवं प्रेक्षणीय (Observable) व्यवहार होना चाहिए, अतः कथन (A) सत्य है।
- व्यवहारवाद चेतना एवं अंतर्निरीक्षण को वैज्ञानिक एवं वस्तुनिष्ठ विधि नहीं मानता, इसलिए कारण (R) असत्य है।
- व्यवहारवाद की स्थापना जॉन बी. वाटसन ने 1913 में की थी।

21. मनोविज्ञान की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मनोविज्ञान केवल मानव व्यवहार का अध्ययन करता है।
2. मनोविज्ञान ज्ञानात्मक, संवेगात्मक एवं क्रियात्मक तीनों प्रकार की क्रियाओं का अध्ययन करता है।
3. मनोविज्ञान एक अनुप्रयुक्त एवं वस्तुपरक विज्ञान है।
4. मनोविज्ञान केवल भौतिक वातावरण का अध्ययन करता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 और 4 (d) केवल 1, 2 और 3 **[b]**

व्याख्या:-

- मनोविज्ञान ज्ञानात्मक (Cognitive), संवेगात्मक (Affective) एवं क्रियात्मक (Conative) प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है तथा यह एक वस्तुपरक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान है।
- पहला कथन गलत है क्योंकि मनोविज्ञान मानव के साथ-साथ पशुओं के व्यवहार का भी अध्ययन करता है।
- चौथा कथन गलत है क्योंकि मनोविज्ञान भौतिक एवं सामाजिक दोनों प्रकार के वातावरण का अध्ययन करता है।

22. मनोविज्ञान की परिभाषाओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वाटसन ने मनोविज्ञान को व्यवहार का निश्चित विज्ञान कहा।
2. मैक्डूगल ने मनोविज्ञान को आचरण एवं व्यवहार का यथार्थ विज्ञान कहा।
3. सैन्ट्रोक के अनुसार मनोविज्ञान केवल मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन है।
4. वुडवर्थ ने मनोविज्ञान को वातावरण के संबंध में व्यक्ति की क्रियाओं का अध्ययन कहा।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4 **[b]**

व्याख्या:-

- **मनोविज्ञान की परिभाषाएँ –**
- **वाटसन–**"मनोविज्ञान व्यवहार का सकारात्मक /धनात्मक /निश्चित विज्ञान है।"
- **मैक्डूगल –** "मनोविज्ञान आचरण एवं व्यवहार का यथार्थ विज्ञान है।"
- **स्किनर –** "मनोविज्ञान जीवन की विविध परिस्थितियों के प्रति प्राणी की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करता है।"
- **क्रो व क्रो –** "मनोविज्ञान व्यवहार और मानव-सम्बन्धों का अध्ययन है।"
- **वुडवर्थ –** "मनोविज्ञान, वातावरण के सम्बन्ध में व्यक्ति की क्रियाओं का अध्ययन है।"
- **बोरिंग, लैंगफेल्ड, वेल्ड –** "मनोविज्ञान मानव-प्रकृति का अध्ययन है।"
- **पिल्सबरी –** "मनोविज्ञान मानव व्यवहार का विज्ञान है।"
- **सैन्ट्रोक –** "मनोविज्ञान व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन है।"
- **बेरोन –** "मनोविज्ञान संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं एवं व्यवहार के विज्ञान के रूप में उत्तम ढंग से परिभाषित किया जाता है।"

23. व्यवहारवाद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. व्यवहारवाद में उद्दीपक-अनुक्रिया संबंध को महत्त्व दिया जाता है।
2. व्यवहारवाद चेतना एवं अंतर्निरीक्षण को अध्ययन की मुख्य विधि मानता है।
3. व्यवहारवाद पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव पर विशेष बल देता है।
4. पावलॉव एवं स्किनर व्यवहारवादी विचारधारा के प्रमुख समर्थकों में सम्मिलित हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4 **[c]**

व्याख्या:-

- व्यवहारवाद में उद्दीपक-अनुक्रिया (S-R) संबंध तथा पर्यावरणीय प्रभाव को विशेष महत्त्व दिया जाता है।
- पावलॉव, वाटसन तथा बी.एफ. स्किनर व्यवहारवादी विचारधारा के प्रमुख मनोवैज्ञानिक हैं।
- दूसरा कथन गलत है क्योंकि व्यवहारवाद चेतना एवं अंतर्निरीक्षण को अध्ययन की वैज्ञानिक विधि नहीं मानता।

24. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक कथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में।

कथन (A): टिचेनर ने चेतना के चार मूल तत्त्व बताए थे।
कारण (R): टिचेनर के अनुसार चेतना के मूल तत्त्व संवेदन, भाव तथा प्रतिमा हैं।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A सत्य है, परन्तु R असत्य है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं।
(c) A असत्य है, परन्तु R सत्य है।
(d) A और R दोनों असत्य हैं। **[c]**

व्याख्या:-

- टिचेनर ने चेतना के केवल तीन मूल तत्त्व संवेदन (Sensation), भाव (Feeling) एवं प्रतिमा (Image) बताए थे।
- संरचनावाद में चेतना के इन मूल तत्त्वों का अध्ययन अंतर्निरीक्षण द्वारा किया जाता था।

25. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जीन पियाजे संज्ञानात्मक मनोविज्ञान के प्रमुख समर्थक हैं।
2. अब्राहम मैस्लो मानवतावादी सम्प्रदाय के प्रतिपादक हैं।
3. विलियम मैक्डूगल ने हार्मिक (Hormic) सम्प्रदाय का प्रतिपादन किया।
4. सिगमण्ड फ्रॉयड ने व्यवहारवाद की स्थापना की।
5. कार्ल रोजर्स रोगी-केन्द्रित चिकित्सा के समर्थक थे।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 2 और 5 (b) केवल 1 और 4
(c) केवल 4 (d) केवल 3, 4 और 5 **[c]**

व्याख्या:-

- जीन पियाजे संज्ञानात्मक विकास, मैस्लो मानवतावादी सम्प्रदाय, मैक्डूगल हार्मिक सम्प्रदाय तथा कार्ल रोजर्स रोगी-केन्द्रित चिकित्सा के समर्थक थे।
- चौथा कथन गलत है क्योंकि व्यवहारवाद की स्थापना जॉन बी. वाटसन ने की थी, जबकि सिगमण्ड फ्रॉयड मनोविश्लेषणवाद के प्रतिपादक थे।

26. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए -

सूची-I (सम्प्रदाय)	सूची-II (प्रमुख विशेषता)
A. व्यवहारवाद	I. सम्पूर्ण के आधार पर प्रत्यक्षण
B. गेस्टाल्टवाद	II. उद्दीपक-अनुक्रिया (S-R) पर बल
C. मनोविश्लेषणवाद	III. अचेतन मन की भूमिका
D. प्रकार्यवाद	IV. मानसिक प्रक्रियाओं के कार्य पर बल

कूट :

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV (b) A-IV, B-I, C-II, D-III
(c) A-II, B-IV, C-I, D-III (d) A-II, B-I, C-III, D-IV **[d]**

व्याख्या:-

- व्यवहारवाद → उद्दीपक-अनुक्रिया (S-R)।
- गेस्टाल्टवाद → सम्पूर्ण (Whole)।
- मनोविश्लेषणवाद → अचेतन मन ।
- प्रकार्यवाद → मानसिक प्रक्रियाओं के कार्य एवं उपयोगिता पर बल देता है।

27. संज्ञानात्मक मनोविज्ञान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में स्मृति, चिंतन एवं समस्या-समाधान का अध्ययन किया जाता है।
2. जीन पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास की चार अवस्थाओं का प्रतिपादन किया।
3. जेरोम ब्रूनर एवं डेविड आसुबेल संज्ञानात्मक विचारधारा के प्रमुख समर्थक हैं।
4. संज्ञानात्मक मनोविज्ञान के अनुसार व्यक्ति पूर्णतः निष्क्रिय होता है तथा केवल उद्दीपकों पर प्रतिक्रिया देता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 4 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 4 (d) केवल 3 और 4 **[a]**

व्याख्या:-

- संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में स्मृति, चिंतन, अधिगम, भाषा एवं समस्या-समाधान जैसी मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।
- जीन पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास की चार अवस्थाएँ बताईं तथा जेरोम ब्रूनर एवं डेविड आसुबेल इसके प्रमुख समर्थक हैं।
- संज्ञानात्मक दृष्टिकोण व्यक्ति को सक्रिय सूचना-प्रसंस्कर्ता मानता है। अतः चौथा कथन गलत है।

28. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक कथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में।

कथन (A): मैक्डूगल के अनुसार उद्देश्यपूर्ण व्यवहार मूल प्रवृत्तियों से प्रेरित होता है।
कारण (R): हार्मिक (Hormic) शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा के Horme शब्द से हुई है, जिसका अर्थ 'वृत्ति' है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A सत्य है, परन्तु R असत्य है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(c) A असत्य है, परन्तु R सत्य है।
(d) A और R दोनों असत्य हैं। **[b]**

व्याख्या:-

- मैक्डूगल के अनुसार उद्देश्यपूर्ण व्यवहार मूल प्रवृत्तियों से प्रेरित होता है। 'Hormic' शब्द ग्रीक भाषा के Horme से बना है, जिसका अर्थ उद्देश्यपूर्ण प्रेरणा या वृत्ति है। अतः कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

♦ ♦ ♦ ♦

हिन्दी
भाषा प्रथम एवं द्वितीय

01 वर्ण विचार

विगत वर्षों के प्रश्न

1. निम्न में से संयुक्त व्यंजन है:- [REET LEVEL – I 2017]
(a) श्र (b) ब
(c) भ (d) श **[a]**

व्याख्या:-
- ‘श्र’ शब्द ‘श् + र’ के मेल से बना है।
- संयुक्त व्यंजन-दो या दो से अधिक व्यंजन वर्ण के मेल से बनते हैं।
- संयुक्त व्यंजन – क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।

2. 'ढ' का उच्चारण स्थान है- [REET LEVEL – I 2017]
(a) कण्ठ (b) तालु
(c) मूर्धा (d) दन्त **[c]**

व्याख्या:-
- 'ढ' वर्ण का उच्चारण स्थान मूर्धा है। यह वर्ण 'ट-वर्ग' (ट, ठ, ड, ढ, ण) के अंतर्गत आता है, नियम 'ऋटुरषाणां मूर्धा' के अनुसार पूरे ट-वर्ग का उच्चारण मूर्धा (मसूड़े के ऊपर का भाग) से होता है।

3. कौन-से वर्ण घोष नहीं है? [REET LEVEL–II 2011]
(a) ए (b) छ
(c) अ (d) ड **[b]**

व्याख्या:-
- 'छ' एक अघोष वर्ण है क्योंकि इसके उच्चारण में स्वर-तंत्रियों में कंपन नहीं होता है। बाकी विकल्प 'ए', 'अ' और 'ड' घोष सघोष वर्ण हैं क्योंकि सभी स्वर और वर्गों के तीसरे, चौथे, पांचवें व्यंजन घोष होते हैं।

4. किस शब्द में ‘ऋ’ स्वर नहीं है? [REET LEVEL–II 2011]
(a) कृपा
(b) कृष्ण
(c) दृष्टि
(d) रिवाज़ **[d]**

व्याख्या:-
- 'रिवाज़' शब्द में 'र' व्यंजन और 'इ' स्वर (र + इ) का प्रयोग हुआ है, न कि 'ऋ' स्वर का। अन्य सभी विकल्पों ('कृपा', 'कृष्ण', 'दृष्टि') में व्यंजनों के नीचे 'ृ' मात्रा के रूप में 'ऋ' स्वर जुड़ा हुआ है।

5. किन ध्वनियों को ‘अनुस्वार’ कहा जाता है? [REET LEVEL–II 2011]
(a) स्वर के बाद में आने वाली नासिक्य ध्वनियाँ
(b) स्वतंत्र रूप से उच्चारित ध्वनियाँ
(c) स्वर के साथ आने वाली ध्वनियाँ
(d) व्यंजन के बाद में आने वाली ध्वनियाँ **[a]**

व्याख्या:-
- अनुस्वार का उच्चारण हमेशा स्वर के ठीक बाद होता है और इसकी ध्वनि केवल नाक (नासिका) से निकलती है। जैसे: 'अं' (अ + म्/न्), कंठ (क + अ + न् + ठ), जहाँ बिंदु का प्रयोग स्वर के बाद नासिक्य ध्वनि के रूप में होता है।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन–सी ध्वनियाँ अघोष हैं?
A. छ **B. ज**
C. त **D. न**
E. प
(a) केवल B, D और E (b) केवल B, C और D
(c) केवल A, C और E (d) केवल A, D और E **[c]**

व्याख्या :-
- ज और न घोष ध्वनियाँ है।
- **अघोष** – वे वर्ण जिनके उच्चारण में गूँज/नाद / कंपन नहीं होता है, अघोष वर्ण कहलाते हैं; जैसे–प्रत्येक वर्ग का पहला, दूसरा (क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ) और श, ष, स, इन्हें 'कठोर व्यंजन' भी कहा जाता हैं।
- **सघोष/घोष**– वे वर्ण जिनके उच्चारण में गूँज/नाद / कंपन होता है, सघोष/घोष वर्ण कहलाते हैं; जैसे– प्रत्येक वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवाँ (ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द, ध, न, ब, भ, म) य, र, ल, व, ह और आंशिक रूप से सभी स्वर (31)

2. 'द्' वर्ण सम्बन्धी सही कथन है-
(a) उत्क्षिप्त, मूर्धन्य, सघोष, महाप्राण
(b) उत्क्षिप्त, मूर्धन्य, अघोष, महाप्राण
(c) उत्क्षिप्त, मूर्धन्य, अघोष, अल्पप्राण
(d) मूर्धन्य, स्पर्श, अघोष, महाप्राण **[a]**

व्याख्या :-
- उत्क्षिप्त, मूर्धन्य, सघोष, महाप्राण है।

3. उच्चारण-स्थल की दृष्टि से इ, उ, ऋ वर्ण का सही क्रम है-
(a) मूर्द्धन्य, ओष्ठ्य, तालव्य (b) तालव्य, मूर्द्धन्य, ओष्ठ्य
(c) तालव्य, ओष्ठ्य, मूर्द्धन्य (d) ओष्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य **[c]**

व्याख्या :-
- **इ = तालव्य** (उच्चारण तालु से)
- **उ = ओष्ठ्य** (उच्चारण होठों से)
- **ऋ = मूर्द्धन्य** (उच्चारण मूर्धा से)

4. किस क्रम में तालव्य व्यंजन है?
(a) ट, ठ, ड, ढ, ण (b) क, ख, ग, घ, ड
(c) च, छ, ज, झ, ञ (d) त, ध, द, थ, न **[c]**

व्याख्या :-
- सही विकल्प (c) च, छ, ज, झ, ञ है।
- तालव्य व्यंजन वे होते हैं जो तालू से उच्चरित होते हैं। च, छ, ज, झ और ञ सभी तालव्य व्यंजन हैं क्योंकि इनका उच्चारण तालू से होता है।
- (a) मूर्धन्य व्यंजन हैं, (b) कंठ्य व्यंजन हैं और (d) दंत्य व्यंजन हैं।

5. किस क्रमांक में सघोष व्यंजन नहीं है?
(a) क, ख (b) ध, न
(c) ज, झ (d) ब, भ **[a]**

व्याख्या :-
- **सघोष व्यंजन:** जिन वर्णों के उच्चारण में स्वर-तंत्री में कंपन होता है। इसमें हर वर्ग का तीसरा, चौथा और पांचवां वर्ण आता है।
- **अघोष व्यंजन:** जिन वर्णों के उच्चारण में कंपन नहीं होता है। इसमें हर वर्ग का पहला और दूसरा वर्ण आता है।

6. किस क्रमांक में सघोष व्यंजन है?
(a) क, ख (b) य, र
(c) त, थ (d) प, फ **[b]**

व्याख्या :-
- **सघोष व्यंजन**: जिन वर्णों के उच्चारण में स्वर-तंत्री में कंपन होता है। इसमें हर वर्ग का तीसरा, चौथा, पांचवां वर्ण और सभी अंत:स्थ व्यंजन (य, र, ल, व) आते हैं।
- **अघोष व्यंजन**: इसमें हर वर्ग का पहला, दूसरा वर्ण और श, ष, स आते हैं।

7. किस क्रमांक में अघोष व्यंजन है?
(a) त, थ (b) न, ब
(c) द, ध (d) व, ह **[a]**

व्याख्या :-
- विकल्प (a) त, थ में अघोष व्यंजन है।

8. निम्नलिखित में से कौन–सी बात गलत है?
(a) 'ध' सघोष, महाप्राण, दन्त्य है।
(b) 'ब' सघोष, ओष्ठ्य, महाप्राण है।
(c) 'च' अघोष, तालव्य, अल्पप्राण है।
(d) 'ख' कंठ्य, महाप्राण, अघोष है। **[b]**

व्याख्या :-
- 'ब' सघोष, ओष्ठ्य, अल्पप्राण है।
- 'ब' ओष्ठ्य (ओठों से उच्चारण), सघोष (स्वर तन्तु में कंपन) और अल्पप्राण (श्वास कम मात्रा में) होता है।

9. अल्पप्राण ध्वनियों का समूह कौन-सा है?
(a) क, ख, ग (b) च, ज, ञ
(c) त, थ, न (d) ट, ठ, ण। **[b]**

व्याख्या :-
- **अल्पप्राण -** जिन व्यंजनों के उच्चारण में मुख से कम वायु निकलती है और बोलते समय कम प्रयास करना पड़ता है, उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहते हैं।
- **पहचान -** प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा और पाँचवाँ वर्ण अल्पप्राण होता है। अत: विकल्प (2) च, ज, ञ अल्पप्राण ध्वनियों का समूह हैं।

10. निम्नलिखित में गलत विवरण है :
(a) वर्गीय पंचम व्यंजन (ङ्, ञ, ण्, न्, म्) अनुनासिक अल्पप्राण हैं।
(b) सभी वर्गों के द्वितीय – चतुर्थ वर्ण महाप्राण हैं।
(c) उच्चारण के अनुसार स्वरों के दो भेद हैं – सानुनासिक और निरनुनासिक।
(d) कुछ स्वर अल्पप्राण और कुछ महाप्राण हैं। **[d]**

व्याख्या :-
- सभी स्वर अल्प प्राण होते है।

11. निम्नलिखित में से संयुक्त व्यंजन कौन–से है?
(a) य, र, ल, व (b) श, स, ष, ह
(c) क्ष, त्र, ज्ञ (d) प, फ, ब, भ **[c]**

व्याख्या :-
- **संयुक्त व्यंजन** – मानक हिन्दी वर्णमाला में कुल 4 संयुक्त व्यंजन हैं–
- क्ष (क् + ष)
- त्र (त् + र)
- ज्ञ (ज् + ञ)
- श्र (श् + र)

12. अनुनासिक ध्वनियों का सही क्रम है–
(a) ङ ण न ञ म (b) ङ ञ ण न म
(c) ञ म ण न ङ (d) ञ म ङ ण न **[b]**

व्याख्या :-
- अनुनासिक ध्वनियों का सही क्रम– ङ,ञ,ण,न,म।
- अनुनासिक ध्वनियाँ वो ध्वनियाँ होती हैं जो मुख और नाक दोनों से उच्चारित होती हैं।
- ये ध्वनियाँ वर्णमाला के प्रत्येक वर्ग (क, च, ट, त, प) के अंतिम वर्ण (ङ, ञ, ण, न, म) में पाई जाती हैं।
- इसलिए, सही क्रम ङ, ञ, ण, न, म होना चाहिए।

13. किन ध्वनियों को 'अनुस्वार' कहा जाता है?
(a) स्वर के बाद में आने वाली नासिक्य ध्वनियाँ
(b) स्वतंत्र रूप से उच्चारित ध्वनियाँ
(c) स्वर के साथ आने वाली ध्वनियाँ
(d) व्यंजन के बाद में आने वाली ध्वनियाँ **[a]**

व्याख्या :-
- **अनुस्वार-** स्वर के बाद में आने वाली नासिक्य ध्वनियाँ को अनुस्वार कहा जाता है। यह ध्वनि अपने आप में स्वतंत्र रूप से उच्चारित नहीं होती, बल्कि स्वर के साथ जुड़कर उसके उच्चारण को नासिक्य बना देती है;जैसे– अंश, अंक, संकल्प इत्यादि। इसमें स्वर की शुद्ध ध्वनि के साथ हल्की नासिक्य ध्वनि भी जुड़ जाती है। इसलिए अनुस्वार को स्वर के बाद आने वाली नासिक्य ध्वनि कहा जाता है।

14. किस क्रमांक में स्पर्श व्यंजन नहीं है?
(a) ष, ह (b) ख, ग
(c) त, थ (d) द, ध **[a]**

व्याख्या :-
- **स्पर्श व्यंजन** क, ख, ग, घ, ङ
  च, छ, ज, झ, ञ ट, ठ, ड, ढ, ण
  त, थ, द, ध, न प, फ, ब, भ, म।

15. किस क्रम में अघोष व्यंजन है?
(a) य, र (b) व, ह
(c) ड, ण (d) श, स **[d]**

व्याख्या :-
- विकल्प (d) श, स अघोष व्यंजन है।
- **अघोष** – वे वर्ण जिनके उच्चारण में गूँज/नाद/ कंपन नहीं होता है, अघोष वर्ण कहलाते हैं; जैसे–प्रत्येक वर्ग का पहला, दूसरा (क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ) और श, ष, स।

16. इनमें से किस विकल्प में सभी ध्वनियाँ दंत्य हैं?
(a) त, थ, श (b) त, द, ष
(c) द, ध, ह (d) त, थ, स **[d]**

व्याख्या :-
- त, थ, द, ध, न, ल, स ये सभी दंत्य ध्वनियाँ हैं।

17. मूर्धन्य ध्वनियाँ कौन–सी है?
(a) प, फ, ब, भ (b) च, छ, ज, झ
(c) ट, ठ, ड, ढ (d) त, थ, द, ध, न **[c]**

व्याख्या :-
- ट, ठ, ड, ढ में मूर्धन्य ध्वनियाँ है।
- मूर्धन्य ध्वनियाँ वे ध्वनियाँ हैं जिनका उच्चारण स्थान मूर्धा होता है, जो कि तालु के ऊपरी भाग का एक क्षेत्र है।
- ये ध्वनियाँ ट, ठ,ड, ढ, ण और ष हैं।

18. तालव्य व्यंजन हैं–
(a) ट, ठ, ड, ढ (b) च, छ, ज, झ
(c) त, थ, द, ध (d) प, फ, ब, भ **[b]**

व्याख्या :-

व्यंजन	उच्चारण स्थान
ट, ठ, ड, ढ	मूर्धन्य
च, छ, ज, झ	तालव्य
त, थ, द, ध	दन्त्य
प, फ, ब, भ	ओष्ठ्य

19. व्यंजनों के वर्गीकरण और उनके विशिष्ट नामों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों का विश्लेषण कीजिए:

कथन I: हिंदी वर्णमाला के सभी पाँचों वर्गों (क-वर्ग से प-वर्ग तक) के सभी 25 व्यंजनों को पूर्णतः 'स्पर्शी व्यंजन' माना जाता है।

कथन II: 'च, छ, ज, झ' को उनके विशेष उच्चारण के कारण 'स्पर्श संघर्षी' व्यंजन की संज्ञा दी जाती है।

कथन III: 'ङ, ञ, ण, न, म' को उनके उच्चारण स्थान की विशेषता के कारण नासिक्य व्यंजन कहा जाता है।

कथन IV: मूल रूप से केवल 16 व्यंजनों को ही शुद्ध रूप से 'स्पर्शी व्यंजन' स्वीकार किया जाता है।

(a) केवल कथन I और II सत्य हैं।
(b) केवल कथन II, III और IV सत्य हैं।
(c) केवल कथन I, III और IV सत्य हैं।
(d) सभी कथन I, II, III और IV सत्य हैं। **[b]**

व्याख्या :-

- **कथन I असत्य है:** 25 स्पर्श व्यंजनों में से 'च-वर्ग' (4 वर्ण) स्पर्श-संघर्षी हैं और पंचमाक्षर (5 वर्ण) नासिक्य हैं। इसलिए सभी 25 को शुद्ध स्पर्शी नहीं माना जा सकता।
- **कथन II, III और IV पूर्णतः सत्य हैं:** 25 कुल स्पर्श व्यंजनों में से 4 स्पर्श संघर्षी (च, छ, ज, झ) और 5 नासिक्य (ङ, ञ, ण, न, म) को घटाने पर (25 - 4 - 5 = 16) मूल रूप से 16 शुद्ध स्पर्शी व्यंजन बचते हैं।

20. निम्नलिखित में से कौन-सी ध्वनियाँ अल्पप्राण हैं?

A. क B. ख
C. ज D. ध
E. म

(a) केवल A, B और C (b) केवल B, C और D
(c) केवल A, C और E (d) केवल B, D और E **[c]**

व्याख्या :-

- **ख** और **ध** महाप्राण ध्वनियाँ हैं।
- **अल्पप्राण –** जिन व्यंजनों के उच्चारण में मुख से कम
- वायु (सांस) बाहर निकलती है और हकार जैसी ध्वनि नहीं होती, उन्हें अल्पप्राण वर्ण कहते हैं; जैसे–
- प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा और पाँचवाँ वर्ण (क, ग, ङ; च, ज, ञ; ट, ड, ण; त, द, न; प, ब, म)।
- अंतःस्थ व्यंजन (य, र, ल, व)।
- सभी स्वर भी अल्पप्राण के अंतर्गत आते हैं।
- **महाप्राण –** इसके विपरीत, जिन व्यंजनों के उच्चारण में अधिक वायु निकलती है (जैसे प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण तथा श, ष, स, ह), उन्हें महाप्राण कहते हैं।

21. हिंदी व्याकरण के मूल तत्वों के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

A. भाषा की सबसे छोटी और लघुत्तम इकाई को ध्वनि कहा जाता है।
B. लिपि ध्वनि चिह्नों की एक लिखित प्रतीक व्यवस्था होती है।
C. वर्णमाला केवल स्वरों के समूह को कहा जाता है।
D. एक या अधिक अक्षरों से बनी स्वतंत्र सार्थक ध्वनि को शब्द कहते हैं।
E. वर्ण के टुकड़े किए जा सकते हैं, जैसे 'अ' को दो भागों में तोड़ा जा सकता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही कथनों वाले विकल्प का चयन कीजिए–

(a) केवल A, B और C (b) केवल B, C और E
(c) केवल A, B और D (d) केवल C, D और E **[c]**

व्याख्या :-

- कथन A, B और D पूरी तरह सही हैं।
- **कथन C गलत है:** वर्णों के पूरे समुदाय (स्वर और व्यंजन दोनों) को वर्णमाला कहते हैं, केवल स्वरों को नहीं।
- **कथन E गलत है:** वर्ण उस मूल ध्वनि को कहते हैं जिसके खंड या टुकड़े नहीं किए जा सकते।

22. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I (व्याकरणिक पद)	सूची-II (परिभाषा/विशेषता)
A. व्याकरण	I. एक पूर्ण विचार व्यक्त करने वाला शब्द समूह
B. वर्ण विचार	II. वह शास्त्र जो शब्दों के शुद्ध रूप और प्रयोग के नियम बताता है
C. वाक्य	III. विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम
D. भाषा	IV. जिसमें वर्णों के आकार, भेद और उच्चारण का निरूपण होता है

(a) A-II, B-IV, C-I, D-III
(b) A-IV, B-II, C-III, D-I
(c) A-II, B-I, C-IV, D-III
(d) A-III, B-IV, C-I, D-II **[a]**

व्याख्या :-

- **व्याकरण :** शब्दों के शुद्ध रूप और प्रयोग के नियमों का निरूपण करने वाला शास्त्र।
- **वर्ण विचार :** व्याकरण का वह भाग जिसमें वर्णों के आकार, भेद और उच्चारण के नियम होते हैं।
- **वाक्य :** एक पूर्ण विचार प्रकट करने वाला सार्थक शब्द समूह।
- **भाषा :** वह माध्यम जिससे हम अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:

कथन (A): हिंदी वर्णमाला में स्वरों की संख्या ग्यारह (11) है, जबकि उनकी मात्राओं की संख्या दस (10) होती है।

कारण (R): 'अ' स्वर की अपनी कोई विशिष्ट दृश्य मात्रा नहीं होती; यह व्यंजनों के अंतर्निहित उच्चारण में सहायक होता है।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है। **[a]**

व्याख्या :-

- स्वरों की संख्या 11 और मात्राओं की संख्या 10 होती है। इसका कारण यह है कि 'अ' की कोई अलग मात्रा चिन्ह नहीं होता, बल्कि इसके मिलने पर व्यंजन के नीचे का हलंत (,) हट जाता है।

24. 'स्वर' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

A. स्वरों का उच्चारण बिना किसी अवरोध के (निर्बाध रूप से) होता है।
B. व्यंजनों के समान स्वरों के उच्चारण में भी अन्य वर्णों की सहायता ली जाती है।
C. सभी स्वर महाप्राण ध्वनियों के अंतर्गत आते हैं।
D. मात्रा केवल स्वरों की होती है, व्यंजनों की नहीं।
E. स्वरों का उच्चारण देर तक (दीर्घ काल तक) किया जा सकता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही कथनों वाले विकल्प का चयन कीजिए–

(a) केवल A, B और C (b) केवल B, D और E
(c) केवल A, D और E (d) केवल C, D और E **[c]**

व्याख्या :-
- सही विकल्प (c) है, क्योंकि कथन A, D और E बिल्कुल सत्य हैं।
- **कथन B गलत है:** स्वरों का उच्चारण स्वतंत्र होता है, इनमें किसी दूसरे वर्ण की सहायता नहीं ली जाती।
- **कथन C गलत है:** सभी स्वर 'अल्पप्राण' होते हैं, महाप्राण नहीं।

25. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I (स्वर/विशेषता)	सूची-II (सही अर्थ/चिह्न)
A. स्वर ध्वनि का प्राणत्व (सांस की मात्रा)	I. हलंत (्) का लोप हो जाना
B. 'अ' स्वर का व्यंजन में मिलना	II. स्वतंत्र और निर्बाध उच्चारण
C. 'ऋ' की मात्रा का चिह्न	III. सभी स्वर अल्पप्राण होते हैं
D. स्वर की मूल परिभाषा	IV. ृ (जैसे- क + ऋ = कृ)

(a) A-III, B-I, C-IV, D-II
(b) A-I, B-III, C-IV, D-II
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-II, B-I, C-IV, D-III **[a]**

व्याख्या :-
- **A-III:** सभी स्वर अल्पप्राण होते हैं।
- **B-I:** जब 'अ' व्यंजन में मिलता है तो नीचे का चिन्ह (्) हट जाता है (जैसे: क् + अ = क)।
- **C-IV:** तालिका के अनुसार 'ऋ' की मात्रा का चिह्न ' ृ ' होता है।
- **D-II:** स्वरों का उच्चारण स्वतंत्र और बिना अवरोध के होता है।

26. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:
कथन (A): व्यंजनों का उच्चारण बिना किसी स्वर की सहायता के स्वतंत्र रूप से देर तक करना संभव नहीं है।
कारण (R): व्यंजनों के उच्चारण में मुख से निकलने वाली हवा निर्बाध रूप से बाहर नहीं आती, बल्कि उसमें अवरोध होता है।
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है। **[b]**

व्याख्या :-
- दोनों कथन व्यक्तिगत रूप से पूरी तरह सही हैं।
- व्यंजन स्वर की सहायता से बोले जाते हैं और उनका उच्चारण देर तक संभव नहीं है (कथन A सत्य)।
- साथ ही, इनके उच्चारण में हवा निर्बाध रूप से नहीं निकलती (कारण R भी सत्य)। हालांकि, उच्चारण देर तक संभव न होने का मुख्य कारण स्वर पर निर्भरता है, न कि केवल हवा का अवरोध। इसलिए कारण, कथन की सटीक व्याख्या नहीं करता है।

27. 'व्यंजन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
A. व्यंजनों की अपनी कोई विशिष्ट मात्राएँ नहीं होती हैं।
B. हिंदी वर्णमाला में मूल व्यंजनों की कुल संख्या 33 है।
C. सभी व्यंजन अनिवार्य रूप से केवल अघोष और अल्पप्राण ही होते हैं।
D. व्यंजनों के उच्चारण के समय फेफड़ों से आने वाली हवा निर्बाध रूप से बाहर निकलती है।
E. व्यंजन उन ध्वनियों को कहते हैं जो स्वर की सहायता से बोली जाती हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही कथनों वाले विकल्प का चयन कीजिए–
(a) केवल A, B और D (b) केवल A, B और E
(c) केवल B, C और E (d) केवल C, D और E **[b]**

व्याख्या :-
- **कथन C गलत है:** छवि स्पष्ट कहती है कि व्यंजन घोष व अघोष दोनों तथा अल्पप्राण व महाप्राण दोनों तरह के होते हैं।
- **कथन D गलत है:** व्यंजनों के उच्चारण में हवा निर्बाध रूप से (बिना रुकावट के) नहीं निकलती है।

28. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I (व्यंजन की विशेषता)	सूची-II (सही विवरण)
A. व्यंजनों की कुल मूल संख्या	I. स्वर की सहायता से बोले जाना
B. उच्चारण की समय-सीमा	II. मात्राएँ नहीं होतीं
C. व्यंजनों की बनावट/लेखन रूप	III. 33
D. व्यंजनों की मूल परिभाषा	IV. देर तक उच्चारण संभव नहीं

(a) A-III, B-II, C-IV, D-I
(b) A-III, B-IV, C-I, D-II
(c) A-III, B-IV, C-II, D-I
(d) A-I, B-IV, C-II, D-III **[c]**

व्याख्या :-
- **A-III:** हिंदी में मूल व्यंजनों की संख्या 33 है।
- **B-IV:** व्यंजनों का उच्चारण देर तक संभव नहीं है।
- **C-II:** व्यंजनों की अपनी मात्राएँ नहीं होती हैं (मात्रा केवल स्वरों की होती है)।
- **D-I:** व्यंजन उन ध्वनियों को कहते हैं जो स्वर की सहायता से बोली जाती हैं।

29. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:
कथन (A): अनुस्वार (ं) और विसर्ग (:) दोनों की मात्राएँ 'दीर्घ' होती हैं।
कारण (R): अनुस्वार का उच्चारण नाक से तीव्र ध्वनि में होता है, जबकि विसर्ग का उच्चारण स्वर के बाद कंठ से हकार की अपेक्षा धीमा होता है।
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है। **[b]**

व्याख्या :-
- सही विकल्प (b) है क्योंकि दोनों कथन अपने आप में पूर्णतः सत्य हैं।
- अनुस्वार और विसर्ग दोनों की ही मात्रा दीर्घ होती है (कथन A सत्य)।
- कारण (R) में दी गई दोनों की उच्चारण विशेषताएं (अनुस्वार की तीव्र व विसर्ग की धीमी ध्वनि) भी बिल्कुल सही हैं।
- चूँकि अलग-अलग उच्चारण विशेषताओं के कारण मात्रा दीर्घ नहीं होती (मात्रा छंद शास्त्र के नियम पर निर्भर करती है), इसलिए कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

30. अयोगवाह और अनुनासिक के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

A. अयोगवाह वे वर्ण हैं जो न तो स्वर और न ही व्यंजन के योग को वहन करते हैं, फिर भी भाषा में प्रयुक्त होते हैं।

B. अनुस्वार (ं) एक महाप्राण, अघोष और तद्भव ध्वनि है।

C. अनुनासिक (ँ) का उच्चारण केवल नाक से होता है और यह एक तीव्र तत्सम ध्वनि है।

D. विसर्ग (:) का उच्चारण स्वर के बाद आता है और यह एक महाप्राण व तत्सम ध्वनि है।

E. हिंदी में मुख्य रूप से दो अयोगवाह ध्वनियाँ हैं - अनुस्वार और विसर्ग।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही कथनों वाले विकल्प का चयन कीजिए–

(a) केवल A, B और C (b) केवल B, C और D
(c) केवल A, D और E (d) केवल C, D और E **[c]**

व्याख्या :-

- **कथन B गलत है:** अनुस्वार अल्पप्राण, घोष और तत्सम ध्वनि है, महाप्राण या तद्भव नहीं।
- **कथन C गलत है:** अनुनासिक का उच्चारण नाक और मुँह दोनों से होता है और यह धीमी व तद्भव ध्वनि है।

31. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I (ध्वनि/वर्ण)	सूची-II (विशेषता/गुणधर्म)
A. अनुस्वार (ं)	I. तद्भव, धीमी ध्वनि और नाक-मुँह से उच्चारण
B. विसर्ग (:)	III. अल्पप्राण, घोष, तत्सम और तीव्र ध्वनि
C. अनुनासिक (ँ)	III. न स्वर का योग वहन करे, न व्यंजन का
D. अयोगवाह	IV. महाप्राण, तत्सम और हकार की अपेक्षा धीमी ध्वनि

(a) A-II, B-IV, C-I, D-III (b) A-IV, B-II, C-I, D-III
(c) A-II, B-I, C-IV, D-III (d) A-III, B-IV, C-I, D-II **[a]**

व्याख्या :-

- **A-II:** अनुस्वार एक अल्पप्राण, घोष, तत्सम और तीव्र ध्वनि है।
- **B-IV:** विसर्ग महाप्राण, तत्सम और हकार की अपेक्षा धीमी ध्वनि है।
- **C-I:** अनुनासिक तद्भव व धीमी ध्वनि है जिसका उच्चारण नाक और मुँह दोनों से होता है।
- **D-III:** अयोगवाह वे वर्ण हैं जो स्वर या व्यंजन किसी का भी योग वहन नहीं करते।

32. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:

कथन (A): 'प्लुत' स्वर का उपयोग हिंदी में नहीं होता है, बल्कि इसे केवल संस्कृत में ही स्वरों का तीसरा भेद माना गया है।

कारण (R): प्लुत शब्द का अर्थ 'उछलता हुआ' है और इसकी पहचान दीर्घ स्वर के आगे '३' (तीन का अंक) लिखकर होती है, जैसे - ओ३म्।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है। **[b]**

व्याख्या :-

- प्लुत संस्कृत में माना जाता है, हिंदी में इसका उपयोग नहीं होता (कथन A सत्य)।
- प्लुत शब्द का अर्थ उछलता हुआ है और इसकी पहचान '३' का अंक लिखकर होती है (कारण R भी सत्य)।
- चूँकि कारण (R) में प्लुत की परिभाषा और अर्थ बताया गया है, जो इस बात की व्याख्या नहीं करता कि हिंदी में इसका उपयोग क्यों बंद हुआ। इसलिए कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता।

33. स्वरों के विभिन्न वर्गीकरणों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

A. ओष्ठाकृति के आधार पर 'उ, ऊ, ओ, औ' वृत्तमुखी या वर्तुलाकार स्वर कहलाते हैं।

B. जिह्वा की स्थिति के आधार पर 'इ, ई, ए' को मध्य स्वर कहा जाता है।

C. आभ्यंतर प्रयत्न (मुख खुलने) के आधार पर 'आ' एक विवृत स्वर है जिसमें मुख अधिक खुला हुआ होता है।

D. समान स्थान और प्रयत्न से उत्पन्न होने वाले स्वर 'सवर्ण या सजातीय स्वर' कहलाते हैं, जैसे - अ, आ।

E. उच्चारण के कालमान के अनुसार 'ए, ऐ, ओ, औ' को लघु या एकमात्रिक स्वर माना गया है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही कथनों वाले विकल्प का चयन कीजिए–

(a) केवल A, B और E (b) केवल A, C और D
(c) केवल B, C और D (d) केवल C, D और E **[b]**

व्याख्या :-

- सही विकल्प (b) है, क्योंकि कथन A, C और D पूर्णतः सही हैं।
- कथन B गलत है: 'इ, ई, ए' अग्र स्वर हैं, जबकि मध्य स्वर केवल 'अ' है। कथन E गलत है: 'ए, ऐ, ओ, औ' गुरु/दीर्घ/द्विमात्रिक स्वर हैं, लघु या एकमात्रिक नहीं।

34. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I(स्वरों का वर्गीकरण)	सूची-II(संबंधित उदाहरण)
A. संवृत स्वर (मुख बहुत कुछ बंद)	I. अ, इ, उ, ऊ, ई (स्थान और प्रयत्न एक जैसे नहीं)
B. अर्ध विवृत (मुख लगभग आधा खुला)	II. इ, ई, उ, ऊ, ऋ
C. पश्च स्वर (जिह्वा का पिछला भाग)	III. अ, ऐ, औ
D. असवर्ण / विजातीय स्वर	IV. आ, उ, ऊ, ओ, औ, ऑ

(a) A-II, B-III, C-IV, D-I (b) A-III, B-II, C-IV, D-I
(c) A-II, B-IV, C-III, D-I (d) A-I, B-III, C-IV, D-II **[a]**

व्याख्या :-

- सही विकल्प (a) है। छवि के आधार पर इनका सही मिलान इस प्रकार है:
- **A-II:** संवृत स्वर के उदाहरण 'इ, ई, उ, ऊ, ऋ' हैं।
- **B-III:** अर्ध विवृत स्वर के उदाहरण 'अ, ऐ, औ' हैं।
- **C-IV:** पश्च स्वर के उदाहरण 'आ, उ, ऊ, ओ, औ, ऑ' हैं।
- **D-I:** असवर्ण स्वर वे हैं जिनके स्थान और प्रयत्न एक जैसे नहीं होते (जैसे: अ, इ)।

♦ ♦ ♦ ♦

हिन्दी शिक्षण विधियाँ

01 हिन्दी भाषा की शिक्षण विधियाँ

विगत वर्षों के प्रश्न

1. हिन्दी भाषा शिक्षण में वर्ण एवं शब्दों का शुद्ध उच्चारण और शब्दों की शुद्ध वर्तनी की शिक्षा किस आयु वर्ग के बच्चों को दी जाती है ?

REET 2024 L-2 (S-2)

(a) 3 से 5 वर्ष (b) 6 से 9 वर्ष
(c) 1 से 3 वर्ष (d) 9 से 15 वर्ष **[b]**

व्याख्या:-
- 6 से 9 वर्ष की आयु में बालकों का भाषा विकास तीव्र गति से होता है।
- इस अवस्था में वर्णों के शुद्ध उच्चारण तथा शब्दों की सही वर्तनी का अभ्यास कराया जाता है।
- यह प्रारम्भिक भाषा शिक्षण की महत्वपूर्ण अवस्था मानी जाती है।

2. किस शिक्षा शास्त्री ने लिखने की शिक्षा को पढ़ने से पूर्व सही माना है ?

REET 2024 L-2 (S-2)

(a) जान डीवी ने (b) मैक्डूगल ने
(c) ड्रेवर ने (d) मॉण्टेसरी ने **[d]**

व्याख्या:-
- मॉण्टेसरी पद्धति में लिखने की शिक्षा को पढ़ने से पहले महत्त्व दिया गया है।
- मॉण्टेसरी के अनुसार बालक पहले हाथों की क्रियाओं द्वारा लिखना सीखता है, बाद में पढ़ना।

3. 'प्ले वे' (Play Way) पुस्तक के लेखक हैं

REET 2024 L-2 (S-3)

(a) डॉ. मॉण्टेसरी (Dr. Montessori)
(b) कुक महोदय (H. Caldwell Cook)
(c) प्लेटो (Plato)
(d) फ्रोबेल (Froebel) **[b]**

व्याख्या:-
- 'प्ले वे' (Play Way) पद्धति का प्रतिपादन एच. कैल्डवेल कुक (H. Caldwell Cook) ने किया। इस पद्धति में खेल के माध्यम से शिक्षण पर बल दिया जाता है। बालक खेलते हुए स्वाभाविक रूप से सीखता है, जिससे अधिगम रोचक, सक्रिय एवं स्थायी बनता है।

4. व्याकरण की शिक्षा प्रारम्भ करना कौन-सी कक्षा से अधिकांशतः भाषा विज्ञानियों ने उचित माना है ?

REET 2024 L-2 (S-3)

(a) कक्षा 8 से
(b) कक्षा 6 से
(c) कक्षा 4 से
(d) कक्षा 7 से **[b]**

व्याख्या:-
- अधिकांश भाषा वैज्ञानिकों एवं शिक्षाशास्त्रियों के अनुसार व्याकरण शिक्षण का व्यवस्थित प्रारम्भ उच्च प्राथमिक स्तर अर्थात लगभग कक्षा 6 से किया जाना उपयुक्त है। इस अवस्था तक विद्यार्थियों में भाषा की मूल समझ विकसित हो जाती है, जिससे वे व्याकरणिक नियमों को सरलता से समझ पाते हैं।

5. भारतवर्ष में 'किंडर गार्टन बॉक्स' का निर्माण किया

REET 2024 L-2 (S-3)

(a) भोलानाथ तिवारी ने (b) एस. के. देशपांडे ने
(c) महात्मा गांधी ने (d) पंडित देवीदत्त ने **[d]**

व्याख्या:-
- भारत में किंडर गार्टन शिक्षा पद्धति के विकास में पंडित देवीदत्त का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। उन्होंने बालकों के लिए शिक्षण सामग्री एवं 'किंडर गार्टन बॉक्स' का निर्माण किया। इसका उद्देश्य खेल एवं गतिविधियों के माध्यम से बालकों के प्रारंभिक शिक्षण को प्रभावी बनाना था।

6. 'बेसिक शिक्षा प्रणाली' देन है

REET 2024 L-2 (S-3)

(a) पार्कहर्स्ट की (b) फ्रोबेल की
(c) महात्मा गाँधी की (d) मारिया मॉण्टेसरी की **[c]**

व्याख्या:-
- बेसिक शिक्षा प्रणाली अथवा 'नई तालीम' का प्रतिपादन महात्मा गाँधी ने किया था। इस प्रणाली में कार्य द्वारा शिक्षा, हस्तशिल्प, स्वावलम्बन तथा जीवनोपयोगी शिक्षण पर बल दिया गया। इसका उद्देश्य शिक्षा को समाज एवं श्रम से जोड़ना था।

7. हिन्दी शिक्षण में विद्यार्थी की साहित्यिक अभिरुचि को बढ़ाने वाली क्रियाओं में निम्नलिखित में से कौन-सी सम्मिलित नहीं है?

REET 2022 L-2 (S-2)

(a) कवि दरबार।
(b) भाषण।
(c) नाटक अभिनय।
(d) क्रीड़ा व्यायाम। **[d]**

व्याख्या:-
- कवि दरबार, भाषण तथा नाटक अभिनय साहित्यिक अभिरुचि विकसित करने वाली गतिविधियाँ हैं।
- क्रीड़ा व्यायाम शारीरिक विकास से सम्बन्धित गतिविधि है।
- अतः यह साहित्यिक अभिरुचि बढ़ाने वाली क्रिया में सम्मिलित नहीं है।

8. प्राथमिक स्तर के पश्चात् पद्य और कविताओं का चयन करते समय ध्यान रखना चाहिए-

REET 2022 L-2 (S-3)

(a) कविता की भाषा क्लिष्ट होनी चाहिए।
(b) कविता जीवन से दूर कृत्रिम हो।
(c) कविता की भाषा कक्षा स्तर के अनुकूल हो
(d) कविता कल्पना जगत में विचरण नहीं करती है। **[c]**

व्याख्या:-
- कविता चयन करते समय विद्यार्थियों की आयु, मानसिक स्तर तथा भाषायी क्षमता का ध्यान रखना आवश्यक है।
- कविता की भाषा सरल, सरस तथा कक्षा स्तर के अनुरूप होनी चाहिए।
- इससे विद्यार्थियों में साहित्यिक रुचि तथा भाषा सौन्दर्य का विकास होता है।

9. निम्न में से भाषा शिक्षण पद्धति में सर्वोपरि स्थान है:

REET 2022 L-2 (S-3)

(a) दैनंदिनी (b) पाठ्य-पुस्तक
(c) ग्रीन बोर्ड (d) झाड़न **[b]**

व्याख्या:-
- पाठ्य-पुस्तक भाषा शिक्षण का प्रमुख आधार है।
- यह शिक्षण प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं उद्देश्यपूर्ण बनाती है।
- विद्यार्थियों को विषयवस्तु का क्रमबद्ध ज्ञान पाठ्य-पुस्तक से प्राप्त होता है।

10. 'किण्डर गार्टन' जर्मन भाषा का शब्द है, जिसका सही अभिप्राय है

REET 2022 L-2 (S-3)

(a) बच्चों का बाग। (b) खेल का मैदान।
(c) बाग का माली। (d) बच्चों की पाठशाला। **[a]**

व्याख्या:-
- 'किण्डर गार्टन' (Kindergarten) जर्मन भाषा का शब्द है।
- इसका अर्थ 'बच्चों का बाग' होता है।
- इस शिक्षण पद्धति का प्रतिपादन फ्रॉबेल (Friedrich Froebel) ने किया था।
- फ्रॉबेल के अनुसार विद्यालय एक उद्यान है तथा शिक्षक माली के समान होता है।

11. बच्चों के लिए भाषा सीखने का सर्वोत्तम समय होता है -

REET 2022 L-2 (S-4)

(a) 6 से 9 वर्ष आयु वर्ग (b) 12 से 15 वर्ष आयु वर्ग
(c) 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग (d) 21 से 24 वर्ष आयु वर्ग **[a]**

व्याख्या:-
- बाल्यावस्था भाषा अधिगम के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मानी जाती है।
- 6 से 9 वर्ष की आयु में बालक अनुकरण एवं अभ्यास द्वारा भाषा शीघ्र सीखते हैं।

12. प्रोफेसर किलपैट्रिक किसके शिष्य थे?

REET 2022 L-2 (S-4)

(a) पारकर (b) जॉन डी.वी.
(c) मेरियन (d) पार्क हर्स्ट **[b]**

व्याख्या:-
- विलियम एच. किलपैट्रिक (William H. Kilpatrick) प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री जॉन डीवी (John Dewey) के शिष्य थे।
- किलपैट्रिक ने प्रयोजना विधि (Project Method) का विकास किया।

13. जीवन के आरंभिक दौर में मातृभाषा सीखने का सबसे प्रमुख स्रोत है-

REET L-2 2021

(a) पुस्तक (b) विद्यालय
(c) परिवार (d) संचार साधन **[c]**

व्याख्या:-
- बालक प्रारंभिक अवस्था में परिवार के माध्यम से श्रवण, अनुकरण एवं निरीक्षण द्वारा मातृभाषा सीखता है।

14. भाषिक सामग्री है–

REET L-2 2017

(a) मूल विषयवस्तु
(b) प्रत्यय
(c) शब्दावली
(d) मूल विषय-वस्तु एवं प्रत्यय **[c]**

व्याख्या:-
- भाषिक सामग्री का मुख्य आधार शब्दावली (Vocabulary) होती है।
- शब्दावली भाषा की अभिव्यक्ति शक्ति तथा भाषा ज्ञान को विकसित करती है।

15. किस शिक्षाशास्त्री के अनुसार स्कूल एक बाग है, अध्यापक एक माली है और बच्चे पौधों के समान हैं?

REET L-2 2017

(a) फ्रॉबेल (Froebel) (b) मॉण्टेसरी (Montessori)
(c) मॉरीसन (Morrison) (d) बेलार्ड (Ballard) **[a]**

व्याख्या:-
- फ्रॉबेल (Froebel) के अनुसार "विद्यालय एक बाग है, अध्यापक एक माली है तथा बच्चे पौधों के समान हैं।"
- फ्रॉबेल ने बालक के स्वाभाविक विकास पर बल दिया तथा किंडरगार्टन पद्धति का प्रतिपादन किया।

16. "जिस प्रकार चित्रकार के लिए तूलिका और फलक वांछनीय है, उसी प्रकार अध्यापक के लिए श्यामपट्ट तथा खड़िया का महत्व है।" यह कथन किसका है?

REET L-2 2017

(a) पं. सीताराम चतुर्वेदी (b) एम. पी. मफात
(c) ई. बी. वेस्ले (d) रायबर्न **[a]**

व्याख्या:-
- यह कथन पं. सीताराम चतुर्वेदी का है।
- उन्होंने श्यामपट्ट को अध्यापक का अत्यंत उपयोगी एवं आवश्यक शिक्षण साधन माना है।

17. भाषा शिक्षण के सिद्धान्त हैं-

REET 2015 L-2

(a) प्रेरणा का सिद्धान्त
(b) क्रिया द्वारा सीखने का सिद्धान्त
(c) जीवन से जोड़ने का सिद्धान्त
(d) उक्त सभी **[d]**

व्याख्या:-
- भाषा शिक्षण के प्रमुख सिद्धान्तों में प्रेरणा का सिद्धान्त, रुचि जागरण का सिद्धान्त, क्रिया द्वारा सीखने का सिद्धान्त तथा जीवन से जोड़ने का सिद्धान्त सम्मिलित हैं।
- इन सिद्धान्तों के माध्यम से भाषा शिक्षण को सरल, व्यावहारिक एवं प्रभावी बनाया जाता है।

18. वाक्य की पूर्णता के लिए आवश्यक है

REET 2015 L-2

(a) योग्यता (b) आकांक्षा
(c) आसक्ति (d) उक्त सभी **[d]**

व्याख्या:-
- वाक्य वह शब्द-समूह है जो पूर्ण अर्थ व्यक्त करता है।
- वाक्य की पूर्णता के लिए योग्यता, आकांक्षा तथा आसक्ति तीनों आवश्यक माने जाते हैं।
- योग्यता से अर्थ की उपयुक्तता, आकांक्षा से परस्पर अपेक्षा तथा आसक्ति से शब्दों का उचित सम्बन्ध स्पष्ट होता है।

19. शिक्षण में सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य है

REET 2015 L-2

(a) विषय निर्धारण (b) उद्देश्य निर्धारण
(c) बिन्दु निर्धारण (d) समय निर्धारण **[b]**

व्याख्या:-

- शिक्षण प्रक्रिया में उद्देश्य निर्धारण सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य माना जाता है।
- यदि शिक्षण के उद्देश्य स्पष्ट नहीं हों, तो शिक्षण प्रभावी नहीं हो सकता।
- उद्देश्य शिक्षण को दिशा प्रदान करते हैं तथा शिक्षक और विद्यार्थी दोनों को लक्ष्य तक पहुँचने में सहायता करते हैं।

20. भाषा की शिक्षा दी जाती है-

REET 2012 L-2

(a) अर्थग्रहण और अभिव्यक्ति के लिए
(b) विद्वान बनाने के लिए
(c) मनोरंजन के लिए
(d) साहित्यकार बनाने के लिए। **[a]**

व्याख्या:-

- भाषा शिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में अर्थ ग्रहण करने तथा अपने विचारों की प्रभावी अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना होता है। भाषा के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं एवं अनुभवों को दूसरों तक पहुँचाता है। अतः भाषा की शिक्षा संप्रेषण कौशल के विकास के लिए दी जाती है।

21. 'भाषा-शिक्षण' के लिए उचित कथन है[REET 2024 L-1]

(a) 'भाषा-शिक्षण' के लिए 'अमूर्त से मूर्त' सूत्र उपयोगी है।
(b) 'भाषा-शिक्षण' के लिए 'जटिल से सरल' का अनुसरण आवश्यक होता है ।
(c) 'भाषा-शिक्षण' में 'आगमन से निगमन' सूत्र विशेष उपयोगी होता है।
(d) 'भाषा-शिक्षण' 'खण्ड से पूर्ण' सूत्र के आधार पर कराया जाता है। **[c]**

व्याख्या:-

- भाषा-शिक्षण के अंतर्गत **'आगमन से निगमन की ओर'** सूत्र को सबसे अधिक वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक माना जाता है। इस सूत्र के अनुसार शिक्षक पहले छात्रों के सामने भाषा या व्याकरण के विभिन्न सरल उदाहरण प्रस्तुत करता है (आगमन) और फिर उनके विश्लेषण द्वारा छात्रों से ही सामान्य नियम या सिद्धांत निकलवाता है (निगमन)। अन्य विकल्प पूर्णतः अशुद्ध हैं क्योंकि प्रभावी शिक्षण हमेशा 'मूर्त से अमूर्त', 'सरल से कठिन' तथा 'पूर्ण से अंश' की ओर के सूत्रों पर आधारित होता है, न कि इनके विपरीत।

22. "भाषा शिक्षण का संबंध केवल ज्ञान प्रदान करना है सूचनाएँ प्रदान करना मात्र नहीं, बल्कि भाषा सीखने वाले को इन चारों विविध कौशलों में दक्ष बनाना है; जैसे सुनना, बोलना; पढ़ना और लिखना ।"
उपर्युक्त परिभाषा दी गई है

[REET 2024 L-1]

(a) रॉबर्ट लाडो द्वारा (b) पामर द्वारा
(c) एस. के. देशपांडे द्वारा (d) भोलानाथ तिवारी द्वारा **[c]**

व्याख्या:-

- एस. के. देशपांडे के अनुसार भाषा केवल सैद्धांतिक सूचनाएँ एकत्र करने का माध्यम नहीं है। उनका मानना था कि भाषा शिक्षण का वास्तविक उद्देश्य शिक्षार्थी को व्यावहारिक रूप से भाषाई कौशलों में पारंगत करना है। जब तक कोई छात्र सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने (LSRW) के चारों कौशलों में पूरी तरह से **दक्ष** नहीं हो जाता, तब तक भाषा शिक्षण अधूरा माना जाता है।

23. भाषा-शिक्षण के लिए अध्यापक को

[REET 2024 L-1]

(a) उच्चारण संबंधी त्रुटियों की अवहेलना नहीं करनी चाहिए
(b) विद्यार्थियों द्वारा किए गए अशुद्ध प्रयोग के उचित संशोधन की आवश्यकता नहीं है
(c) स्थानीय बोली के प्रभावों को दूर नहीं करना चाहिए
(d) वाक्य-रचना पर कोई ध्यान नहीं देना चाहिए **[a]**

व्याख्या:-

- भाषा शिक्षण में शुद्धता और प्रभावशीलता बनाए रखने के लिए शिक्षक की सतर्कता अत्यंत आवश्यक है।

24. बेसिक शिक्षा प्रणाली में भाषा की शिक्षा निम्नलिखित में से किस माध्यम से दी जा सकती है?

[REET 2022 L-1]

(a) केवल किताबी ज्ञान से। (b) सामाजिक पर्यावरण से।
(c) प्रगति-सूचक लेखाचित्र से। (d) इनमें से कोई नहीं। **[b]**

व्याख्या:-

- **बेसिक शिक्षा प्रणाली (Wardha Scheme of Education, 1937)** की अवधारणा **महात्मा गांधी** ने दी थी। गांधी जी का मानना था कि शिक्षा वास्तविक जीवन और पर्यावरण से जुड़ी होनी चाहिए। इस प्रणाली के तहत भाषा की शिक्षा केवल किताबी ज्ञान से रटवाकर नहीं, बल्कि बालक के **सामाजिक पर्यावरण (Social Environment)**, प्राकृतिक पर्यावरण और हस्तशिल्प (Craft) के माध्यम से व्यावहारिक रूप से दी जाती है ताकि बच्चा संदर्भ में भाषा सीख सके।

25. भाषा शिक्षण के संदर्भ में वैयक्तिक अनुदेशन प्रणाली की क्या सीमा है?

[REET 2022 L-1]

(a) इसमें विद्यार्थी को भाषा के तत्त्वों का ज्ञान प्रभावी रूप से करवाया जा सकता है।
(b) इसमें विद्यार्थी को भाषायी कौशल में दक्ष किया जा सकता है।
(c) इसमें वैयक्तिक शिक्षण पर अधिक बल दिया जाता है।
(d) यह शिक्षण प्रणाली अधिक विद्यार्थियों वाली बड़ी कक्षा में अध्यापन के लिए उपयोगी नहीं है। **[d]**

व्याख्या:-

- वैयक्तिक अनुदेशन प्रणाली में प्रत्येक छात्र की व्यक्तिगत रुचि, क्षमता और गति के अनुसार अलग से सीखने का अवसर दिया जाता है।
- विकल्प (a), (b) और (c) इसकी **विशेषताएँ या गुण** हैं।
- इसकी सबसे बड़ी **सीमा** यह है कि भारतीय संदर्भों जैसी बड़ी कक्षाओं में, जहाँ छात्रों की संख्या बहुत अधिक होती है, शिक्षक के लिए हर एक बच्चे पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना और अलग से अनुदेशन तैयार करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं होता।

26. इनमें से भाषा शिक्षण के मूल उद्देश्यों में भाषायी दक्षताएँ प्राप्त करने का आधार होती हैं:

[REET 2022 L-1]

(a) समूहवार भाषायी दक्षताएँ।
(b) लैंगिक समूहवार भाषायी दक्षताएँ।
(c) कक्षावार भाषायी दक्षताएँ।
(d) पारिवारिक पृष्ठभूमि की भाषायी दक्षताएँ। **[d]**

व्याख्या:-

- बालक की भाषा सीखने की प्रारंभिक क्षमता उसके परिवार और परिवेश से विकसित होती है। घर का वातावरण, बोलचाल तथा पारिवारिक भाषा उसकी भाषायी दक्षताओं के विकास का आधार बनती है।

27. भाषा शिक्षण में पाठ्य पुस्तक है:
[REET 2022 L-1]

(a) साध्य (b) साधन
(c) विकल्प (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं **[b]**

व्याख्या:-

- भाषा शिक्षण में पाठ्य पुस्तक केवल एक माध्यम या साधन होती है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा सीखने में सहायता देना है, न कि स्वयं अंतिम लक्ष्य बन जाना।

28. भाषा शिक्षण में सबसे कम महत्त्व की अधिगम सामग्री है:
[REET 2022 L-1]

(a) चित्र कथाएँ (b) शब्द पट्टी
(c) मानचित्र (d) वाक्य पट्टी **[c]**

व्याख्या:-

- भाषा शिक्षण में चित्र कथाएँ, शब्द पट्टी और वाक्य पट्टी सीधे भाषा विकास में सहायक होती हैं, जबकि मानचित्र मुख्यतः सामाजिक विज्ञान विषय में अधिक उपयोगी होते हैं। इसलिए भाषा शिक्षण में इसका महत्व अपेक्षाकृत कम है।

29. राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी द्वारा प्रवर्तित 'बेसिक शिक्षा' का एक प्रमुख सिद्धांत है– **[REET 2021 L-1]**

(a) व्यक्तिगत भिन्नता पर बल देना।
(b) कक्षा के स्थान प्रयोगशाला में शिक्षा देना।
(c) मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करना।
(d) खेल के माध्यम से शिक्षा देना। **[c]**

व्याख्या:-

- राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी द्वारा प्रवर्तित 'बेसिक शिक्षा' के प्रमुख सिद्धान्त निम्नलिखित हैं-
  (i) सात वर्ष तक की प्राइमरी शिक्षा अनिवार्य एवं नि:शुल्क हो।
  (ii) शिक्षा का माध्यम मातृभाषा हो।
  (iii) उद्योग अथवा हस्तशिल्प द्वारा शिक्षा प्रदान की जाए।

30. ध्वनि, शब्द एवं वाक्य-रचना का ज्ञान देना हिन्दी शिक्षण का कौन-सा उद्देश्य है? **[REET 2021 L-1]**

(a) कौशलात्मक उद्देश्य (b) सृजनात्मक उद्देश्य
(c) रसात्मक उद्देश्य (d) ज्ञानात्मक उद्देश्य **[d]**

व्याख्या:-

ज्ञानात्मक उद्देश्य-

- ध्वनि, शब्द एवं वाक्य-रचना का ज्ञान देना।
- विषय-वस्तु का ज्ञान प्राप्त करना।
- साहित्य की विविध विधाओं का ज्ञान प्राप्त करना।

कौशलात्मक उद्देश्य-

- बोलकर अपने भावों एवं विचारों को व्यक्त करने की योग्यता प्राप्त करना।
- लिखकर अपने भावों एवं विचारों को व्यक्त करने की योग्यता प्राप्त करना।
- रसात्मक उद्देश्य- साहित्य का रसास्वादन करना।
- सृजनात्मक उद्देश्य- रचना कार्य मे मौलिकता लाने की योग्यता प्राप्त करना।

31. भाषा-शिक्षण में उपयोगी श्रव्य-दृश्य साधन है
[REET 2021 L-1]

(a) रेडियो (b) अभिनय
(c) श्यामपटट् (d) पोस्टर **[b]**

व्याख्या:-

- **दृश्य साधन-** चित्र, रेखाचित्र, मानचित्र, पोस्टर, चार्ट, बुलेटिन बोर्ड व फ्लैनल बोर्ड आदि।
- **श्रव्य साधन-** रेडियो, ग्रामोफोन, टेपरिकॉर्डर आदि।
- **दृश्य-श्रव्य साधन-** अभिनय, चलचित्र, टेलीविजन, विद्यालय प्रोजेक्ट आदि।

32. भाषा शिक्षण में 'संरचनात्मक उपागम' का अर्थ है
[REET 2021 L-1]

(a) बालकों को कविता पाठ करवाना
(b) बालकों को श्रुतलेख लिखवाना
(c) भाषा की मूल संरचना का शिक्षण करवाना
(d) भाषा के विकास में प्रौढ़ता लाना **[c]**

व्याख्या:-

संरचनात्मक उपागम-

- संरचनात्मक उपागम भाषा शिक्षण की कोई नवीन विधि न होकर वाक्यों के संरचनात्मक प्रारूप की कठिनाई को प्रकट करने वाला क्रम है।
- भाषा शिक्षण में संरचनात्मक उपागम का अर्थ है उस भाषा की मूल संरचना का शिक्षण करना।
- इसमें वाक्यों की संरचना, शब्दों को विशिष्ट क्रम में व्यवस्थित की जाती है इसलिए इसे 'संरचनात्मक आयाम' कहा जाता है। संरचनात्मक आयाम एक वैज्ञानिक अध्ययन है। जिसमें वाक्यों की मूल संरचनाओं का तार्किक ढंग से विश्लेषण किया जाता है।

33. 'सहसंबंध विधि' का विकास किस मूल अवधारणा पर हुआ है ?
REET 2024 L-2 (S-2)

(a) सम्पूर्ण ज्ञान पूर्ण इकाई है
(b) सीखने-सिखाने की क्रिया एक खेल है
(c) मातृभाषा को बच्चे स्वाभाविक रूप में सीखते हैं
(d) अनुकरण विधि का सिद्धान्त **[a]**

व्याख्या:-

- सहसंबंध विधि (Correlation Method) का आधार यह सिद्धान्त है कि समस्त ज्ञान परस्पर सम्बद्ध एवं एकीकृत होता है।
- इस विधि में विभिन्न विषयों को आपस में जोड़कर शिक्षण कराया जाता है।

34. व्याकरण शिक्षण की प्रचलित विधियाँ कौन-सी हैं ?
REET 2024 L-2 (S-2)

(a) निगमन प्रणाली (b) आगमन प्रणाली
(c) दोनों में से कोई नहीं (d) (a) और (b) दोनों **[d]**

व्याख्या:-

- व्याकरण शिक्षण में मुख्यतः दो विधियाँ प्रचलित हैं– आगमन विधि तथा निगमन विधि।
- आगमन विधि में उदाहरणों से नियम तक पहुँचा जाता है, जबकि निगमन विधि में पहले नियम बताया जाता है।

35. विद्यार्थियों को पुस्तकों के माध्यम से भाषा की मूल ध्वनियों एवं लिपि का ज्ञान कराकर उन्हें पढ़ने लिखने के कौशल में दक्ष किया जाता है। इस विधि को कहा जाता है-
REET 2022 L-2 (S-2)

(a) भाषा प्रयोगशाला विधि (b) भाषा संसर्ग विधि
(c) पाठ्य-पुस्तक विधि (d) खेल विधि **[c]**

व्याख्या:-
- पाठ्य-पुस्तक विधि में विद्यार्थियों को पुस्तकों के माध्यम से भाषा की ध्वनियों, शब्दों तथा लिपि का ज्ञान कराया जाता है।
- इस विधि द्वारा बालकों में पढ़ने एवं लिखने के कौशल का विकास किया जाता है।

36. डाल्टन प्रणाली का आविष्कार किसने किया?
REET 2022 L-2 (S-2)
(a) किलपैट्रिक ने (b) डाल्टन ने
(c) मॉण्टेसरी ने (d) पार्कहर्स्ट ने **[d]**

व्याख्या:-
- डाल्टन प्रणाली (Dalton Plan) का प्रतिपादन हेलेन पार्कहर्स्ट (Helen Parkhurst) ने किया।
- इस प्रणाली में स्वाध्याय, स्वानुशासन तथा व्यक्तिगत कार्य पर विशेष बल दिया जाता है।

37. बिनेटिका शिक्षण पद्धति के बारे में सही कथन है :
REET 2022 L-2 (S-2)
(a) इस पद्धति का प्रयोग कार्लटन वाशबर्न ने किया।
(b) इसका नामकरण अमेरिका के विनेटका शहर में प्रयोग होने से हुआ।
(c) यह पद्धति प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर प्रयुक्त की गई।
(d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं। **[d]**

व्याख्या:-
- विनेटका पद्धति (Winnetka Plan) का प्रतिपादन कार्लटन वाशबर्न (Carleton Washburne) ने किया।
- इसका नाम अमेरिका के विनेटका नगर के आधार पर पड़ा।
- यह पद्धति मुख्यतः प्राथमिक शिक्षा स्तर पर प्रयोग की गई थी।

38. निम्न में से मातृभाषा, राष्ट्रीय जागरण और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को जिस शिक्षण विधि से बल मिला है:
REET 2022 L-2 (S-3)
(a) डाल्टन योजना (b) बेसिक शिक्षा
(c) किण्डर गार्टन विधि (d) प्रोजेक्ट पद्धति **[b]**

व्याख्या:-
- बेसिक शिक्षा (Basic Education) का प्रतिपादन महात्मा गाँधी द्वारा किया गया।
- इस शिक्षा पद्धति में मातृभाषा को शिक्षण का माध्यम बनाया गया।

39. डाल्टन प्रणाली के आविष्कारक हैं- REET 2022 L-2 (S-3)
(a) वाइगोत्स्की (b) स्किनर
(c) जीन पियाजे (d) पार्कहर्स्ट **[d]**

व्याख्या:-
- डाल्टन प्रणाली (Dalton Plan) का प्रतिपादन हेलेन पार्कहर्स्ट (Helen Parkhurst) ने किया।
- इस पद्धति में स्वाध्याय, स्वतंत्र कार्य तथा व्यक्तिगत गति से अधिगम पर बल दिया जाता है।

40. मात्रेतर भाषाओं के शिक्षण की प्राचीन विधियों में से भिन्न विधि है
REET 2022 L-2 (S-4)
(a) भाषा संसर्ग विधि (b) अप्रत्यक्ष विधि
(c) खेल विधि (d) पाठ्य पुस्तक प्रणाली **[b]**

व्याख्या:-
- मात्रेतर भाषा शिक्षण की प्राचीन विधियों में भाषा संसर्ग, खेल विधि तथा पाठ्य-पुस्तक प्रणाली का प्रयोग किया जाता था।
- अप्रत्यक्ष विधि आधुनिक शिक्षण विधियों में मानी जाती है।

41. निम्नलिखित में से रचना शिक्षण का उद्देश्य नहीं है-
REET L-2 2021
(a) साहित्य सृजन की प्रेरणा देना
(b) क्रमबद्धता बनाना
(c) विविध भाषाओं का ज्ञान कराना
(d) व्याकरण सम्मत कार्य करना **[d]**

व्याख्या:-
- रचना का अर्थ है-**"**भावों एवं विचारों को शुद्ध**,** स्पष्ट**,** सुसम्बद्ध एवं अलंकृत भाषा में इस प्रकार व्यक्त करना कि उसमें मौलिकता एवं नवीनता का आभास हो।"
  रचना शिक्षण के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं-
- साहित्य सृजन की प्रेरणा देना।

42. खेल विधि को प्रचलित करने का श्रेय है-
REET L-2 2021
(a) रायबर्न को (b) मॉरीसन को
(c) थॉमस एम. रस्क को (d) हैनरी कोल्डवेल कुक को **[d]**

व्याख्या:-
- खेल विधि को प्रचलित करने का श्रेय **हैनरी** कोल्डवेल कुक को जाता है।
- उन्होंने 'दि प्ले वे' नामक पुस्तक में इस पद्धति का वर्णन किया।

43. व्याकरण शिक्षण की किस प्रणाली को विकृत रूप में 'सुग्गा प्रणाली' भी कहते हैं? **REET L-2 2021**
(a) अव्याकृति प्रणाली (b) सहयोग प्रणाली
(c) पाठ्यपुस्तक प्रणाली (d) निगमन प्रणाली **[d]**

व्याख्या:-
- पाठ्यपुस्तक प्रणाली में व्याकरण के नियम एवं परिभाषाएँ रटवाई जाती हैं।
- इसमें भाषा प्रयोग का अभ्यास कम होता है**,** इसलिए इसे 'सुग्गा प्रणाली' कहा जाता है।

44. उद्बोधन विधि का उपभेद नहीं है– **REET L-2 2017**
(a) दृश्यविधान (b) अभिनय
(c) कहानी (d) अनुवाद **[d]**

व्याख्या:-
- उद्बोधन विधि के प्रमुख उपभेद दृश्यविधान, अभिनय तथा कहानी विधि हैं।
- अनुवाद विधि इसका उपभेद नहीं है, क्योंकि यह व्याकरण शिक्षण से संबंधित विधि मानी जाती है।

45. व्याकरण शिक्षा स्वतन्त्र रूप से किस विधि में नहीं दी जाती है?
REET L-2 2017
(a) भाषा-संसर्ग विधि (b) आगमन विधि
(c) निगमन विधि (d) पाठ्यपुस्तक विधि **[a]**

व्याख्या:-
- भाषा-संसर्ग विधि में व्याकरण का पृथक् शिक्षण नहीं कराया जाता है।
- इस विधि में बालक को वर्णमाला के औपचारिक ज्ञान से पहले प्रत्यक्ष शब्दों एवं वाक्यों का ज्ञान कराया जाता है तथा व्यवहार के माध्यम से भाषा सिखाई जाती है।

46. विश्लेषणात्मक विधि में प्रयोग होता है–
REET L-2 2017
(a) शब्द से वर्ण
(b) वर्ण से शब्द
(c) शब्द से वाक्य
(d) वाक्य से पैराग्राफ **[a]**

ENGLISH LANGUAGE II

01 UNSEEN PROSE PASSAGE

PREVIOUS YEAR QUESTION

Read the following Prose passage carefully and answer the questions that follow: (Q.1 to Q.5)

[Reet L-2(Language-02) 2012]

Many thousands of years ago all men did all types of work. Each man built his own house and made what furniture he needed and grew all his own food. His wife made all the clothes for the family and cooked food.

However, men very soon found that it was much better to divide the work among them, so that one built houses, another made furniture, and another grew corn, and so on. You can easily see that this was a better plan, because by always doing the same kind of work, you can do it far more quickly and easily. So nowadays all work is divided as much as possible. Even such a tiny thing as a pin is not made by one man, but by a dozen or more, each doing his particular bit of the work. One straightens out the wire, another cuts it into lengths, another sharpens the point, another puts the head on, and so forth. That is to say, work is divided among different people.

1. In the third sentence of the second paragraph, "So nowadays all work ..." the word 'so' indicates-

(a) effect (of a cause) (b) cause (of an effect)
(c) similarity (d) comparison **[a]**

Explanation:-

- ‘So’ is used to show the cause, result, or effect of something.
- In the given context, ‘so’ is used to show the effect of a cause.

Example :-

- It was raining heavily, so we stayed indoors.
  Here, staying indoors is the effect of the cause heavy rain.

2. The word 'However' at the beginning of the second paragraph indicates-

(a) a supporting data
(b) an old idea
(c) an idea in the same direction
(d) an idea in the opposite direction. **[d]**

Explanation:-

- ‘However’ is used to introduce an idea or statement that contrasts with or seems to contradict what has been said earlier.
- It shows an idea in the opposite direction or introduces a contrast.

Example :

- He worked very hard; however, he could not succeed.

3. Complete the following sentence with the correct verb form :
All work _____ by all men.

(a) was done (b) were done
(c) has done (d) are done **[a]**

Explanation:-

- The sentence is the passive voice form of “All men did all work.”
- It is in the Simple Past Tense.
  Structure of Simple Past Tense
- Active Voice :
  Subject + Verb (II form) + Object
  Example :
- All men did all work.
- Passive Voice :
  Object + was/were + V^3 (Past Participle) + by + Subject

Example :

- All work was done by all men.

4. Which one of the following would be an appropriate title for the above passage?

(a) All Types of Work (b) Types of People
(c) Division of Labour (d) Life in the Past **[d]**

Explanation:-

- The passage discusses the advantages of division of labour.
- Therefore, ‘Division of Labour’ would be an appropriate title for the passage.
- The title is suitable because it reflects the main idea and subject of the passage clearly.

5. The author of the above passage is of the opinion that the way people worked thousands of years ago was

(a) better than the present
(b) most proper
(c) most efficient
(d) not efficient **[d]**

Explanation:-

- The author is of the opinion that many thousand years ago, people used to do all types of work by themselves.
- This system did not improve their skill, efficiency, or quality of work.
- Therefore, the author believes that the way people worked in ancient times was not efficient.
- The passage highlights that division of labour improved productivity and specialization.

Read the following Prose Unseen Passage carefully and answer the questions that follow: (Q.6 to Q.10).
[Reet L-2(Language-02) 2015]

First of all, I need work, and a decent wage for my work. Aristotle defined happiness, not as a sum of pleasures, but as unimpeded activity. I want work which is hard but intersting. I am exceptionally lucky because I can choose my own work to a large extent. If I want respite from science I can go nad be a war correspondent, or write children's stories, or make political speeches.

I require friendship. Particularly I require friendship of my colleagues and comrades in scientific and political work. I want the societyy of equals who will criticize me, and whom I can criticize.

6. Conjunction in sentence 3 is -
(a) want (b) hard
(c) but (d) interesting **[c]**

Explanation:-
- "I want work which is hard but interesting."
- इस वाक्य में 'but' एक conjunction है, जो दो adjectives – hard तथा interesting – को जोड़ता है।

7. According to Aristotle, happiness is-
(a) a sum of pleasures (b) unimpeded activity
(c) impeded activity (d) hard work **[b]**

Explanation:-
- Aristotle के अनुसार "unimpeded activity" (बाधारहित क्रियाशीलता) को ही happiness (सुख/आनंद) माना गया है।

8. The author requires friendship of -
(a) political leaders (b) teachers
(c) fellow workers (d) young children **[c]**

Explanation:-
- Author (लेखक) अपने उन colleagues (साथियों) से मित्रता करना चाहता है जो उसके साथ वैज्ञानिक (scientific) तथा राजनीतिक (political) कार्य करते हैं।

9. How many connectors are there is sentence 5? "If I want respite.....political speeches."
(a) 2 (b) 3
(c) 4 (d) 5 **[c]**

Explanation:-
Passage के वाक्य –
- "If I want respite from science, I can go and be a war correspondent or write children's stories, or make political speeches."
- में चार connectors का प्रयोग हुआ है:
- if, and, or, or ।

10. Why does the narrator want work?
(a) To get decent wages
(b) To make friends
(c) To get happiness
(d) To write children's stories **[c]**

Explanation:-
- According to the passage, लेखक कठिन किन्तु रुचिकर (hard but interesting) कार्य करके खुशी प्राप्त करना चाहता है।

Read the following Prose passage carefully and answer the questions that follow: (Q.11 to Q.15)
[Reet L-2(Language-02) 2017]

In Spite of rigorous precautions against accidents, many people are injured every year in factories and elsewhere. In addition, some people are born with physical disabilities. They are either blind or deaf or in some way deformed from birth. Upto quite recent times, little planned action was taken to fit handicapped people for employment. A number of charitable organizations tried to help them in cases of hardship; but few seriously held the idea the these people might still have abilities in other direction.

11. Which one of the following is the most appropriate title for the passage?
(a) Rehabilitation of the physically challenged
(b) Physical Disabilities
(c) Accidents
(d) Planned action **[a]**

Explanation:-
- Rehabilitation of the physically challenged
- इस गद्यांश में Physically Challenged लोगों के उत्थान के बारें में बात की गई है।

12. In the above paragraph, 'In addition' indicates-
(a) Emphasis (b) Addition
(c) Sequence (d) Alternative **[b]**

Explanation:-
- "In addition" का अर्थ होता है–अतिरिक्त (additional) या अलावा (besides)।

13. Either those children or my own son_____ picked all the flowers.
(a) have (b) has
(c) is (d) are **[b]**

Explanation:-
- Either...or" का प्रयोग होने पर सामान्यतः singular verb का प्रयोग किया जाता है।
- यह वाक्य Present Perfect Tense में है, इसलिए इसमें "has" का प्रयोग होगा।

14. In the above passage the author wants to convey-
(a) many people in the world suffer from physical disabilities.
(b) precautions are not taken against accidents.
(c) people who are physically challenged are fit for employment.
(d) Physically challenged people have no scope. **[a]**

Explanation:-
- इस पैराग्राफ में दिव्यांग लोगों के संबंध में बात की गई है अत: विकल्प 1 उपयुक्त है।

15. Noisy children are a real headache. Two aspirins will make a headache go away. Therefore two aspirins will make noisy children go away.
Above lines contain-
(a) The fallacy of equivocation.
(b) The fallacy of false analogy.
(c) The fallacy of hasty generalization.
(d) The fallacy of composition. **[a]**

Explanation:-
- Fallacy of Equivocation का अर्थ होता है–किसी शब्द या विचार का अस्पष्ट, दोहरे या गोल-मोल अर्थ में प्रयोग करना।
- इसमें एक ही शब्द को अलग-अलग अर्थों में प्रयोग करके भ्रम (confusion) पैदा किया जाता है।
- उदाहरण में Aspirin की गोली, जो सिरदर्द दूर करने के लिए उपयोग होती है, उसका प्रयोग Noisy children को भगाने के संदर्भ में किया गया है, जो अर्थ का गलत और अस्पष्ट प्रयोग है। इसलिए यह Fallacy of Equivocation का उदाहरण है।

(Q.16-Q.18): Read the following passage and answer the questions:

[Reet L-2(Language-02) 2021]

'Watching television for a long time could lower academic performance. It 'steals' away the reading time. Time management is about self-discipline. Time must be managed between filled and unfilled time.'

16. ..... May be an appropriate title for the given extract.
(a) Discipline (b) Self-respect
(c) Time-management (d) Television **[c]**

Explanation :-
- "Time-management" may be an appropriate title for the given extract because time management is closely related to self-discipline. It teaches a person how to manage both occupied and free time properly and use time effectively for productive work.
- The sentence "His father never starved, but he couldn't cast any doubt on the story. So he had to make an effort to hold his tongue" means that although he did not fully believe the story, he could not openly question it. Therefore, he controlled himself and remained silent.

17. The linking devices used in the above extract belong to
(a) concession and contrast
(b) opinion and purpose
(c) condition and adding ideas
(d) contrast and consequence **[d]**

Explanation :-
- "But" is a conjunction used to introduce an idea that contrasts with or is different from what has just been said. It joins two opposite or contrasting statements in a sentence. In Hindi, it means "किंतु, परंतु, लेकिन." For example, "He is poor, but he is honest" shows a contrast between poverty and honesty.
- "Wind energy" is derived through a process where wind is used to generate mechanical power or electricity. Wind turbines convert the kinetic energy in the wind into mechanical power, which can be used for specific tasks (such as grinding grain or pumping water). A generator converts this mechanical power into electricity.

18. .....may be an appropriate title for the given extract.
(a) Kinetic energy (b) Electricity
(c) Generator (d) Wind energy **[d]**

Explanation:-
- An appropriate title for an extract is chosen based on the main idea or central theme of the passage. Since the options include kinetic energy, electricity, generator, and wind energy, the most specific and meaningful title that generally fits such an extract (related to natural power sources and energy conversion) is wind energy.

Read the following Prose passage and answer the questions: (Q.19-Q.23)

[Reet L-2(Language-02)Shift-03, 2022]

Almost the whole village stopped to watch the big boat being built at sometime or the other. No one owned such a large boat or even worked on one. Perhaps they were jealous and that was why no one had a good word for it. They did not want to believe, it would do well at sea. But, they, in a way, were proud too. Building a big boat like this in their village was an achievement.

19. Do you like to eat a pizza? Do you prefer a hamburger? The two questions can be combined using
(a) and (b) or
(c) but (d) that **[b]**

Explanation:-
- The sentence offers a choice between two options (pizza or hamburger).
- When giving alternatives, we use "or".

20. I am sure. It is true. The two sentences can be combined using
(a) so (b) than
(c) but (d) that **[d]**

Explanation:-
- The sentence becomes: "I am sure that it is true."
- "That" is used to join clauses expressing belief or certainty.

21. Many a man .....done this.
(a) is (b) has
(d) were (c) was **[b]**

Explanation:-
- "Many a man" is grammatically singular in form, so it takes a singular verb.
- Therefore, the correct sentence is: Many a man has done this.

22. Gold and silver .....precious metals.
(a) is (b) has
(c) have (d) are **[d]**

Explanation:-
- When two subjects are joined by "and", they take a plural verb.
- "Gold and silver" = two items, so we use are.

23. ..... no one had a word for it..... The underlined word in the line from the passage stands for
(a) the boat (b) the people
(c) sca (d) achievement **[a]**

Explanation:-
- In the passage, "it" refers to the big boat being built.
- So, "no one had a good word for it" means no one appreciated the boat.

Read the following Prose passage and answer the questions: (Q.24-Q28)

[Reet L-2(Language-02)Shift-04 2022]

Almost the whole village stopped to watch the big boat being built at sometime or the other. No one owned such a large boat or even worked on one. Perhaps they were jealous and that was why no one had a good word for it. They did not want to believe, it would do well at sea. But, they, in a way, were proud too. Building a big boat like this in their village was an achievement.

24. Do you like to eat a pizza? Do you prefer a hamburger? The two questions can be combined using
(a) and (b) or
(c) but (d) that **[b]**

Explanation:-
- The sentence offers a choice between two options (pizza or hamburger).
- When giving alternatives, we use "or".

25. I am sure. It is true. The two sentences can be combined using
(a) so (b) than
(c) but (d) that **[d]**

Explanation:-
- The sentence becomes: "I am sure that it is true."
- "That" is used to join clauses expressing belief or certainty.

26. Many a man .....done this.
(a) is (b) has
(d) were (c) was **[b]**

Explanation:-
- "Many a man" is grammatically singular in form, so it takes a singular verb.
- Therefore, the correct sentence is: Many a man has done this.

27. Gold and silver .....precious metals.
(a) is (b) has
(c) have (d) are **[d]**

Explanation:-
- When two subjects are joined by "and", they take a plural verb.
- "Gold and silver" = two items, so we use are.

28. ..... no one had a word for it..... The underlined word in the line from the passage stands for
(a) the boat (b) the people
(c) sca (d) achievement **[a]**

Explanation:-
- In the passage, "it" refers to the big boat being built.
- So, "no one had a good word for it" means no one appreciated the boat.

Read the following Prose passage and answer the questions: (Q.No.29-34):

[Reet L-2(Language-02)Shift-02, 2024]

To have access of safe water and to avoid water crisis in the near future it is necessary that correct policies and schemes are made. Water conservation and proper management can also be considered as one of the effective steps to avoid water crisis. India has a long tradition of water harvesting. Harvesting rainwater is one of the most effective ways to tackle the water crisis. The basic principle is, to collect the rain water where it falls, use it and let it seep into the ground.

29. Water harvesting _____ an important technique of water conservation.
(a) has (b) are
(c) have (d) is **[d]**

Explanation:-
- Subject "Water harvesting" is singular, so we use "is."

Fill in the blanks with appropriate linking devices which are given below : (for Q.No. 30-31).

30. Water conservation _____ proper management can be considered as one of the effective steps to avoid water crisis.
(a) as well as (b) or
(c) as (d) though **[a]**

Explanation:-
- "Water conservation as well as proper management can be considered as one of the effective steps to avoid water crisis."

31. _____ correct policies _____ schemes are made to avoid water crisis.
(a) As-as (b) Neither nor
(c) Both - and (d) Either or **[c]**

Explanation:-
- "Both correct policies and schemes are made to avoid water crisis."

32. Fill in the blanks with appropriate linking device. Linking devices are given below :
_____ water conservation proper management can also be considered as one of the effective steps to avoid water crisis.
(a) Although- yet (b) Not only- but also
(c) Neither nor (d) As-so **[b]**

Explanation:-
- "Not only water conservation, but also proper management can be considered as one of the effective steps to avoid water crisis."

33. A correct policy as well as schemes required to avoid water crisis.
(a) is (b) are
(c) have (d) were **[a]**

Explanation:-
- When two subjects are joined by "as well as", the verb agrees with the first subject.
  Here, the first subject is "A correct policy" (singular), so the correct verb is "is."

34. An appropriate title for the above passage will be:
(a) Food and water (b) Water in seas
(c) Water for all (d) Water in rivers **[c]**

Explanation:-
- The passage discusses water conservation, management, and avoiding water crisis, so the most suitable title is:

Read the following Prose passage and answer the questions: (Q. 35-Q.39)

[Reet 2024 (Shift-03)]

It is in the small matters of conduct, in the observance of the rule of the road that we pass judgement upon ourselves and declare that we are civilised or uncivilized. The great moments of heroism and sacrifice are rare. It is the little habits of the common place intercourse that make up the great sum of life and sweeten or make bitter the journey.

35. Heroism and not sacrificed _____ rare.
(a) are (b) is
(c) has (d) have **[b]**

Explanation:-
- In English grammar, when two nouns joined by and refer to a single idea, quality, or concept, they take a singular verb.

36. The following can be an appropriate title for this passage. Choose the correct option:
(a) Civilisation (b) Heroism
(c) Journey (d) Being civilized **[d]**

Explanation:-
- The passage explains that a person is judged as civilised or uncivilized by:
- small acts of conduct,
- daily habits,
- behavior in ordinary life.
  So the central idea is about how to be civilised in everyday behavior.

37. 'We are civilized or uncivilized' the type of conjunction used here is
(a) Co-ordinating (b) Co-relative
(c) Subco-ordinating (d) Temporal **[a]**

Explanation:-
- In the sentence:
  "We are civilized or uncivilized"
- the word "or" joins two words:

1. civilized
2. uncivilized

- Or is a co-ordinating conjunction because it joins words or alternatives of equal importance.

38. 'The great moments of heroism and sacrifice are rare', implies
(a) The war is over
(b) We need great moments to prove ourselves
(c) We do not need great moments to prove ourselves
(d) Great time is now **[c]**

Explanation:-
- The passage says that:
- great acts of heroism are rare,
- but everyday behavior and small habits show whether we are civilized.
- So the sentence implies that:
- a person is judged more by daily conduct than by rare heroic moments.

39. People the habit of passing the judgement in small things.
(a) have (b) is
(c) had (d) are **[a]**

Explanation:-
- The subject "People" is plural, so it takes the plural verb have.
- **Correct sentence:** "People have the habit of passing judgement in small things."

ENGLISH TEACHING METHOD

01 BASIC KNOWLEDGE OF ENGLISH SOUND AND THEIR PHONETIC SYMBOLS

PREVIOUS YEAR QUESTION

Direction for Question No. 1-3 : Pick out the correct phonetic transcription of the following words :

[Reet L-2(Language-02) 2011]

1. Like

(a) / laɪk / (b) /IIk/
(c) /lai:k/ (d) /lu : Ik/ **[a]**

Explanation:-
- Like का सही pronunciation होता है: /laɪk/इसमें "i" की sound = "ai" जैसी होती है।

2. Tree

(a) /trl/ (b) /tre/
(c) /tri:/ (d) /treI/r **[c]**

Explanation:-
- Tree का सही pronunciation है: /tri:/ इसमें "ee" की sound लंबी "i" (ee sound) होती है।

3. These

(a) / $^{\partial}$ Is/ (b) /θ_{i}: z/
(c) /$^{\theta}$ Iz/ (d) /δiz/ **[d]**

Explanation:-
- These का सही pronunciation है: /ðiz/
- इसमें "ee" जैसी लंबी sound होती है और अंत में "z" sound आता है।

4. The number of pure vowel sounds and diphthongs in English is-:

[Reet L-2(Language-02) 2012]

(a) 8 pure vowels and 12 diphthongs
(b) 14 pure vowels and 6 diphthongs
(c) 12 pure vowels and 8 diphtongs
(d) 10 pure vowels and 10 diphthongs **[c]**

Explanation:-
- In the English sound system, there are 12 pure vowel sounds, known as monophthongs.
- There are also 8 mixed vowel sounds or vowel glides, known as diphthongs.
- Monophthongs are single and pure vowel sounds, while diphthongs are formed by the combination or glide of two vowel sounds.

5. The first sound in the word 'yes' is transcribed as-

[Reet L-2(Language-02) 2012]

(a) / y / (b) / e /
(c) / aI / (d) / j / **[d]**

Explanation:-
- The first sound in the word 'yes' is transcribed as /j/.
- The correct transcription of the word 'yes' is /jes/.
- Here, /j/ is a consonant sound, also called a semi-vowel sound.

6. Which is the correct transcription of the last sound in the word 'blue'?

[Reet L-2(Language-02) 2012]

(a) / u : / (b) / σ/
(c) / ʊə / (d) / o o / **[a]**

Explanation:-
- / u : / is the correct transcription of the last sound in the word 'blue'.
- The correct transcription of 'blue' is /blu:/.
- Here, /u/ represents a long vowel sound.

7. Pick out the correct transcription of the word 'take': **[Reet L-2(Language-02) 2012]**

(a) / tek / (b) / teɪk /
(c) / taɪk / (d) / teek / **[b]**

Explanation:-
- The correct transcription of 'take' is /teɪk/.
- In this word, /eɪ/ is a diphthong sound (a combination of two vowel sounds).

8. Which of the following is the correct transcription of the word 'know' ?

[Reet L-2(Language-02) 2012]

(a) / nəʊ / (b) / naʊ /
(c) / nσ/ (d) / knoʊ / **[a]**

Explanation:-
- The correct transcription of 'know' is /nəʊ/.
- In the word 'know', the letter 'k' is silent.
- Therefore, the word begins with the consonant sound /n/.

9. Diphthongs are-

[Reet L-2(Language-02) 2015]

(a)pure vowel sounds.
(b)pure consonant sounds.
(c)Semi vowel sounds
(d)combination of two pure vowels **[d]**

Explanation:-
- English में ध्वनियों (sounds) के दो प्रकार होते हैं:

1. Vowel sounds (स्वर ध्वनियाँ)
2. Consonant sounds (व्यंजन ध्वनियाँ)

Vowel sounds (स्वर ध्वनियाँ):
- इनमें Monophthongs और Diphthongs शामिल होते हैं।

Monophthongs:
- ये एकल (single) शुद्ध स्वर ध्वनियाँ होती हैं।

Diphthongs:
- ये दो शुद्ध स्वर ध्वनियों के संयोजन से बनती हैं।
- इन्हें Vowel glides (स्वर का सरकना/मिश्रण) भी कहा जाता है।

10. which of the following does not have /i:/ sound?

[Reet L-2(Language-02) 2015]

(a) Week (b) Bean
(c) Deep (d) Pretty **[d]**

Explanation:-
- ◈ बड़ी 'ई' (Long vowel sound) की ध्वनि /i: / होती है।
- ◈ जबकि शब्द "Pretty" में 'इ' की ध्वनि /i/ (short vowel sound) का प्रयोग होता है

11. Pick-out the incorrect transcription.

[Reet L-2(Language-02) 2015]

(a) pool /pu:I/ (b) fool /fu:l/
(c) tool/tu:l/ (d) foot/ fʊt / **[d]**

Explanation:-
- ◈ "Foot" शब्द का phonetic transcription में 'उ' (short vowel sound) की ध्वनि /ʊ/ होती है।
- ◈ इसलिए इसका सही transcription है: /fʊt/ (na ki /fut/)

12. How many fricative sounds are there is English?

[Reet L-2(Language-02) 2015]

(a) 8 (b) 7
(c) 9 (d) 6 **[c]**

Explanation:-
- ◈ Phonetics (ध्वनिविज्ञान) में Fricative sounds (उष्म/घर्ष ध्वनियाँ) वे ध्वनियाँ होती हैं जिनका उच्चारण करते समय हवा को संकीर्ण (narrow) मार्ग से रगड़/घर्षण के साथ बाहर निकाला जाता है, जिससे एक तरह की "hissing" या "buzzing" ध्वनि उत्पन्न होती है।

  Fricative sounds के उदाहरण:
- ◈ /f/, /v/, /θ/, /ð/, /s/, /z/, /ʃ/, /ʒ/, /h/
- ◈ ये सभी ध्वनियाँ Fricative sounds के अंतर्गत आती हैं।

13. The Correct transcription of 'thick' is-

[Reet L-2(Language-02) 2015]

(a) /θlk/ (b) /0ick/
(c) / θək/ (d) /0ɔ:k/ **[a]**

Explanation:-
- ◈ "Thick" शब्द का सही Phonetic Transcription:
- ◈ /θlk/
- ◈ इसमें:
- ◈ /ध/ = 'th' की ध्वनि
- ◈ /i/ = छोटी 'i' (short vowel sound)
- ◈ /k/ = अंतिम consonant sound
- ◈ इसलिए सही रूप है: /Θɪk/ (ना कि /Ik/)

14. Identify the word in which the end sound is different from the other words. -

[Reet L-2(Language-02) 2017]

(a) Concept (b) Percept
(c) Sect (d) Conceit **[d]**

Explanation:-
- ◈ Concept, Percept तथा Sect के अंतिम भाग का उच्चारण समान होता है, जबकि Conceit का उच्चारण इनसे भिन्न होता है।

15. Pick out the correct transcription of the word 'generic.'-

[Reet L-2(Language-02) 2017]

(a) /znrik (b) /genrik
(c) /dginrik (d) /dza'nerik **[*]**

Explanation:-
- ◈ Generic शब्द का सही Phonetic Transcription है:
- ◈ /dʒə'nerɪk/
- ◈ इस शब्द का उच्चारण "जनेरिक" के समान होता है।

16. /beri/is the correct transcription of-

[Reet L-2(Language-02) 2021]

(a) beri (b) berry
(c) bury (d) beary **[*]**

Explanation :-
- ◈ The given transcription /'beri/ for "berry" is not fully correct.
- ◈ The correct phonetic transcription is: /'beri/

17. 'Exist' is transcribed as-

[Reet L-2(Language-02) 2021]

(a) /egjhist/ (b) /egziest/
(c) /eg'zist/ (d) /Ig'zist/ **[d]**

Explanation :-
- ◈ The word "exist" is correctly transcribed as /Ig'zist/ in phonetics.
- ◈ In simple form, it may also be written as /igzist/for easy understanding. The word is pronounced with stress on the second syllable: eg-ZIST.

18. The correct transcription of 'virtue' is-

[Reet L-2(Language-02) 2021]

(a) /w^chu:/ (b) /vɜːtʃuː/
(c) /vərt ʃᵘ :/ (d) /wɜ:t ʃuː/ **[b]**

Explanation :-
- ◈ The correct phonetic transcription of "virtue" is /vɜːtʃuː/ (British English) or /vɜːtʃuː/ (American English).
- ◈ It is pronounced as "vur-choo".

19. 'Adjust' is transcribed as-

[Reet L-2(Language-02)2021]

(a) / əgʌst/ (b) /ad ʃ ust /
(c) /ədjust/ (d) / ɔ'czʌst/ **[a]**

Explanation :-
- ◈ The word "adjust" is correctly transcribed in phonetics as /əˈdʒʌst/.
- ◈ In simple form, it may be written as /adzʌst/ for easier understanding. The word is pronounced as uh-JUST, with stress on the second syllable.

20. 'Velar' is the sound formed by
[Reet L-2(Language-02) 2021]
(a) the front of the tongue and the hard palate
(b) the lower lip and the upper teeth
(c) the blade of the tongue and teeth ridge
(d) the back of the tongue and the soft palate **[d]**

Explanation :-
- A velar sound is produced by raising the back part of the tongue close to, or in contact with, the soft palate (velum).
- In English, there are three main velar consonant sounds: /k/, which is voiceless; /g/, which is voiced; and /ŋ/, which is also voiced. These sounds are produced at the back of the mouth with the help of the soft palate.

21. Sounds ' f ', ' v ', '0', 'r' etc. are.
[Reet L-2(Language-02) 2021]
(a) semi-vowels (b) lateral
(c) fricatives (d) nasals **[c]**

Explanation :-
- Fricatives are consonant sounds produced by bringing the speech organs close enough to partially block the flow of air, but not completely stopping it. As the air passes through the narrow opening in the mouth, it creates audible friction. Fricatives are also known as "spirants."
- These sounds can be produced at different places of articulation such as bilabial, labiodental, dental, alveolar, palatal, velar, and uvular positions. Examples of fricative sounds in English include /f/, /v/, /s/, /z/, /ʃ/, and /h/.

22. Plosives consonants are:
[Reet L-2(Language-02)Shift-02, 2022]
(a) /p, b, t, d/ (b) /t, d3/
(c) /m, n, n/ (d) $/f, v, 0, a/$ **[a]**

Explanation:-
- Plosive consonants are sounds produced by completely stopping the airflow and then releasing it suddenly. In English, the main plosives are:
/p, b/ (bilabial plosives)
/t, d/ (alveolar plosives)
/k, g/ (velar plosives)

23. Which is palatal consonant? :
[Reet L-2(Language-02)Shift-02, 2022]
(a) /h/ (b) / θ /
(c) /j/ (d) /1/ **[c]**

Explanation:-
- A palatal consonant is produced by raising the middle part of the tongue towards the hard palate. In English phonetics, the sound /j/ (as in yes) is a palatal (semi-vowel/approximant).
- /h/ = glottal sound
- /ʚ/ (written as 0 in option) = dental fricative
- // (written as 1 in option) = alveolar lateral

24. The phonetic symbol for underlined letter in the word 'tile' is:
[Reet L-2(Language-02)Shift-02, 2022]
(a) /el/ (b) /AI/
(c) /cI/ (d) /aI/ **[d]**

Explanation:-
- In the word "tile", the vowel sound is a diphthong /aɪ/ (as in time, line, mine). The underlined vowel "i" is pronounced as /aɪ/.

25. Phonetic transcription for the word 'hang' is:
[Reet L-2(Language-02)Shift-02, 2022]
(a) /heing/ (b) /hæn/
(c) /heng/ (d) /heIn/ **[b]**

Explanation:-
- The word "hang" is pronounced with:
- vowel sound /æ/ as in cat
- final consonant sound / η / (velar nasal)
- So, the correct phonetic transcription is /hæŋ/.

26. Phonetic transcription for the word 'jester' is:
[Reet L-2(Language-02)Shift-02, 2022]
(a) /'dʒestə(r)/ (b) jestə(r) |
(c) dzeista(r) (d) jestə(r) | **[a]**

Explanation:-
- The word "jester" is pronounced as:
- /dʒ/ like "j" in jam
- /e/ as in bed
- /st/ cluster
- /ə(r) weak ending sound
So, the correct phonetic transcription is /'dʒestə(r)/.

27. The twenty-six letters of alphabet have..... sound symbols. :
[Reet L-2(Language-02)Shift-03, 2022]
(a) 20 (b) 24
(c) 44 (d) 45 **[c]**

Explanation:-
- English has 26 letters but about 44 speech sounds (phonemes).
- These include vowel and consonant sounds.

28. The phonetic symbol of the underlined letter in the word 'thin' is:
[Reet L-2(Language-02)Shift-03, 2022]
(a) /ø/ (b) /θ/
(c) /3/ (d) /d3/ **[b]**

Explanation:-
- In the word "thin", the underlined sound "th" is a voiceless dental fricative.
- Its phonetic symbol is / θ/ (shown as ⊟ in options).

29. The phonetic transcription of 'lung' is:
[Reet L-2(Language-02)Shift-03, 2022]
(a) /lʌŋ/ (b) /long/
(c) /long/ (d) /le:n/ **[a]**

Explanation:-
- "I" = /I/
- vowel sound = /ʌ/ (as in "cup")
- "ng" = / ŋ/ (nasal sound)

30. The word having the sound of 'e' is:
[Reet L-2(Language-02)Shift-03, 2022]
(a) pear (b) hire
(c) moor (d) roar [a]

Explanation:-
- In pear, the vowel sound is /eə/ which contains the "e" sound quality.
- The other options have different vowel sounds (/aɪ/, /ʊə/, /ɔ/).

31. 'h' is a ___ sound. :
[Reet L-2(Language-02)Shift-03, 2022]
(a) voiceless (b) voiced
(c) palatal (d) velar **[a]**

Explanation:-
- The sound /h/ is produced without vibration of the vocal cords.
- Sounds produced without vocal cord vibration are called voiceless sounds.

32. The twenty-six letters of alphabet have ___ sound symbols. :
[Reet L-2(Language-02)Shift-04, 2022]
(a) 20 (b) 24
(c) 44 (d) 45 **[c]**

Explanation:-
- English has 26 letters but about 44 speech sounds (phonemes).
- These include vowel and consonant sounds.

33. The phonetic symbol of the underlined letter in the word '<u>th</u>in' is
[Reet L-2(Language-02)Shift-04, 2022]
(a) /ø/ (b) /θ/
(c) /ʒ/ (d) /d3/ **[b]**

Explanation:-
- In the word "thin", the underlined sound "th" is a voiceless dental fricative.
- Its phonetic symbol is / θ/ (shown as θ in options).

34. The phonetic transcription of 'lung' is
[Reet L-2(Language-02)Shift-04, 2022]
(a) /lʌŋ/ (b) /long/
(c) /long/ (d) /le:n/ **[a]**

Explanation:-
- "I" = /I/
- vowel sound = /ʌ/ (as in "cup")
- "ng" = /ŋ/ (nasal sound)

35. The word having the sound of 'e' is
[Reet L-2(Language-02)Shift-04, 2022]
(a) pear (b) hire
(c) moor (d) roar **[a]**

Explanation:-
- In pear, the vowel sound is /eə/ which contains the "e" sound quality.
- The other options have different vowel sounds (/aɪ/, /ʊə/, /ɔ/).

36. 'h' is a ___ sound.
[Reet L-2(Language-02)Shift-04, 2022]
(a) voiceless (b) voiced
(c) palatal (d) velar **[a]**

Explanation:-
- The sound /h/ is produced without vibration of the vocal cords.
- Sounds produced without vocal cord vibration are called voiceless sounds.

37. Phonetic symbols of 'cloth' is: .
[Reet L-2(Language-02)Shift-02, 2024]
(a) /kləʊð/ (b) /kləðz/
(c) /clθ/ (d) /klɒ θ / **[d]**

Explanation:-
- The correct phonetic transcription of "cloth" is: /klɒ θ /

38. Vowel sound of 'hear' will be :
[Reet L-2(Language-02)Shift-02, 2024]
(a) /ɪə/ (b) /eə/
(c) /e3:/ (d) /ae/ **[a]**

Explanation:-
- The vowel sound in "hear" is the diphthong /ɪə/ (often written as iə).

39. Phonetic symbols for 'clumsy' is:
[Reet L-2(Language-02)Shift-02, 2024]
(a) /kl^mzi/ (b) /kl3:msi/
(c) /kəmsl:/ (d) /kl3mzi/ **[a]**

Explanation:-
- The word clumsy is pronounced as:
- kl → /kl/
- u sound → /ʌ/ (as in cup)
- mzy → /mzi/
- So the complete phonetic transcription becomes:
- /klʌmzi/

40. The correct pronunciation of the word 'stone' is
[Reet L-2(Language-02)Shift-03, 2024]
(a) /stɔ:n/ (b) /staun/
(c) /stʊən/ (d) /stəʊn/ **[d]**

Explanation:-
- The correct pronunciation of "stone" in phonetics is:
- British English → /stəʊn/
- American English → /stoʊn/

41. Short monophthongs are in numbers.
[Reet L-2(Language-02)Shift-02, 2024]
(a) 5 (b) 6
(c) 7 (d) 8 **[c]**

Explanation:-
- In English phonetics, there are 7 short monophthongs: /ɪ, e, æ, ʌ, d, ʊ, ə/

42. ___ is an example of / ∂ʊ/ sound
[Reet L-2(Language-02)Shift-03, 2024]
(a) toil (b) boy
(c) home (d) poor **[c]**

Explanation:-
- The phonetic symbol /əʊ/ (shown here as / □ ʊ/) represents the vowel sound heard in words like:
- go
- home
- show
- stone

43. The list of semi-vowels comprise
[Reet L-2(Language-02)Shift-03, 2024]
(a) s, z (b) j, w
(c) h, 1 (d) m, n **[b]**

Explanation:-
- In English phonetics, the semi-vowels (or glide sounds) are:
- /j/ and /w/

Examples:-
- /j/ → yes
- /w/ → water

44. The correct transcription of 'soon' is
[Reet L-1(Language-02)2024]
(a) / ʃ un / (b) /su:n/
(c) /sɔn/ (d) /s^:n/ **[b]**

Explanation:-
- The word "soon" is pronounced with a long /ur/ sound.
- Correct phonetic transcription: /su:n/

45. ___ is an example of velar sound.
[Reet L-1(Language-02)2024]
(a) /z/ (b) /ð/
(c) /h/ (d) /ŋ/ **[d]**

Explanation:-
- A velar sound is produced when the back part of the tongue touches the soft palate (velum).
- /ŋ/ sound (as in sing) is a velar sound.

46. According to the nature of obstruction, the following are the fricative sounds
[Reet L-1(Language-02)2024]
(a) p, b, t (b) m, n
(c) f, r, s (d) t^f, d3, ʃ **[*]**

Explanation:-
- Fricative sounds are produced when air passes through a narrow passage, creating friction.
- Sounds like /f/ and /s/ are fricatives.

47. ___ is an example of cluster-sound.
[Reet L-1(Language-02)2024]
(a) L (b) sk
(c) s (d) k **[b]**

Explanation:-
- A cluster sound is a group of two or more consonant sounds spoken together without a vowel between them.
- "sk" is a consonant cluster sound.

48. Choose the correct phonetic transcription for the given word: 'Thin'
[Reet L-1(Language-02)2022]
(a) /ti:/ (b) /θɪn/
(c) /an/ (d) /dei/ **[b]**

Explanation:-
- Thin" का सही pronunciation होता है / θɪn/ लेकिन दिए गए विकल्पों में सही phonetic symbol पूरी तरह दिया ही नहीं गया है।

49. Which of the following contains the same vowel sound?
[Reet L-1(Language-02)2022]
(a) tell-bell-cell (b) know-now-bow
(c) put-cut-cute (d) All of these **[a]**

Explanation:-
- इन तीनों शब्दों में एक ही vowel sound /e/ (जैसे "e" in tell) आता है।
- इसलिए ये same vowel sound वाले शब्द हैं।

50. Find out the word which begins with different sound from other given words:
[Reet L-1(Language-02)2022]
(a) High (b) Hike
(c) Hire (d) Beat **[d]**

Explanation:-
- High, Hike, Hire → इन तीनों में "H" silent होता है और pronunciation /h/ sound से शुरू होता है।
- Beat → इसमें "B" sound (/b/) से शुरुआत होती है।

51. Choose the correct phonetic transcription for the underlined sound of the word: Call
[Reet L-1(Language-02)2022]
(a) /KAM/ (b) /kɔ:l/
(c) /kæl/ (d) /kæml/ **[b]**

Explanation:-
- "Call" का सही pronunciation होता है /kɔ:l/
- इसमें "a" का sound "aw" जैसा (कॉल) होता है।

52. The number of pure vowels is
[Reet L-1(Language-02)2021]
(a) 9 (b) 10
(c) 11 (d) 12 **[d]**

संस्कृत
भाषा प्रथम एवं द्वितीय

01 माहेश्वरसूत्राणि

विगत वर्षों के प्रश्न

1. माहेश्वरसूत्रेषु अक्-प्रत्याहारस्य वर्णाः भवन्ति -
REET 2024 L-2 (S-2)
REET 2022 L-2 (S-4)
(a) अ इ उ ऋ लृ (b) अ उ ऋ लृ इ
(c) अ ऋ उ लृ इ (d) अ लृ उ ऋ इ **[a]**

व्याख्या:-
- "अक्" प्रत्याहारे ह्रस्वस्वराः गण्यन्ते।
- ते सन्ति – अ, इ, उ, ऋ, लृ।

2. माहेश्वरसूत्रेषु "यण्" प्रत्याहारे वर्णाः भवन्ति
REET 2024 L-2 (S-3)
REET 2024 L-1
(a) य व ह प (b) य व र ल
(c) य र ष ल (d) य ल ञ म **[b]**

व्याख्या:-
- पाणिनीयव्याकरणे "यण्" प्रत्याहारः "य व र ल" एतेषां वर्णानां समूहं सूचयति। एते वर्णाः अन्तःस्थवर्णाः कथ्यन्ते। प्रत्याहारप्रणाली माहेश्वरसूत्राणां आधारपरिणामः अस्ति, या संस्कृतव्याकरणस्य महत्त्वपूर्णा व्यवस्था अस्ति।

3. "इक्" प्रत्याहारस्य वर्णाः भवन्ति ।
REET 2024 L-2 (S-3), REET L-2 2011
(a) इ उ ए ऐ (b) इ उ ऋ लृ
(c) इउलृ ओ (d) इ ओ ऐ औ **[b]**

व्याख्या:-
- पाणिनीयव्याकरणे "इक्" प्रत्याहारः "इ उ ऋ लृ" इत्येतान् वर्णान् बोधयति। एते स्वरवर्णाः माहेश्वरसूत्रेषु निर्दिष्टाः सन्ति। प्रत्याहारप्रणाली संस्कृतव्याकरणस्य विशेषता अस्ति।

4. अन्तःस्थाः वर्णाः भवन्ति
REET 2024 L-2 (S-3),2012 L-2
(a) श ष स ह (b) इ उ ऋ लृ
(c) य व र ल (d) ए ओ ऐ औ **[c]**

व्याख्या:-
- संस्कृतवर्णमालायां "य, व, र, ल" इत्येते अन्तःस्थवर्णाः कथ्यन्ते। एते स्वरव्यञ्जनयोः मध्ये स्थितत्वात् "अन्तःस्थ" इति नाम्ना प्रसिद्धाः सन्ति। पाणिनीयव्याकरणे एषां विशेषमहत्त्वं दृश्यते।

5. माहेश्वरसूत्रेषु प-प्रत्याहारे वर्णाः भवन्ति
REET 2022 L-2 (S-2 & 4)
(a) ग ड ध (b) छ ठ थ
(c) श ष स (d) घ ढ ध **[d]**

व्याख्या:-
- माहेश्वरसूत्रेषु 'प्' प्रत्याहारे 'घ, ढ, ध' इत्येते वर्णाः गण्यन्ते।
- प्रत्याहारः वर्णसमूहस्य सूचकः भवति।

6. माहेश्वरसूत्रेषु को वर्णः द्विरुक्तः?
REET 2022 L-2 (S-3)
(a) ण (b) ल
(c) च (d) ह **[d]**

व्याख्या:-
- माहेश्वरसूत्रेषु 'ह' वर्णः द्विवारं प्रयुक्तः अस्ति।
- सः "हयवरट्" तथा "हल्" इत्यत्र दृश्यते।
- अतः 'ह' वर्णः द्विरुक्तः भवति।

7. माहेश्वरसूत्राणि केषां संज्ञार्थानि भवन्ति?
REET 2022 L-2 (S-4)
(a) उणादि (b) अणादि
(c) कणादि (d) भ्वादि **[b]**

व्याख्या:-
- माहेश्वरसूत्राणि प्रत्याहारनिर्माणाय प्रयुज्यन्ते।
- अत्र 'अण्' इत्यादयः प्रत्याहाराः निर्मीयन्ते।

8. लृ वर्णस्य कति भेदाः सिद्धान्तकौमुद्यानुसारं सन्ति?
REET 2022 L-2 (S-4)
(a) विंशतिः (b) अष्टादश
(c) द्वादश (d) पञ्चदश **[c]**

व्याख्या:-
- सिद्धान्तकौमुद्यां लृ-वर्णस्य द्वादश भेदाः स्वीकृताः सन्ति।
- अतः 'द्वादश' इति सम्यक् उत्तरम् अस्ति।

9. चतुर्दशमाहेश्वरसूत्रेषु स्वरवर्णानां संख्या अस्ति-
REET 2021 L-2, REET 2022 L-1
(a) नव (b) सप्त
(c) दश (d) एकादश **[a]**

व्याख्या:-
- चतुर्दशमाहेश्वरसूत्रेषु स्वरवर्णानां संख्या नव अस्ति।
- माहेश्वरसूत्राणि चतुर्दश सन्ति।
- प्रथमेषु चतुर्षु सूत्रेषु स्वरवर्णानां समावेशः भवति, शेषेषु सूत्रेषु व्यञ्जनवर्णानां वर्णनं क्रियते।

10. उष्मवर्णानाम् क्रमः कः?
REET L-2 2015
(a) श् ष् स् ह् (b) ष् श् स् ह्
(c) स् ष् श् ह् (d) ह् ष् स् श् **[a]**

व्याख्या:-
- संस्कृतभाषायां उष्मवर्णाः चत्वारः सन्ति- श्, ष्, स्, ह्।
- माहेश्वरसूत्रेषु अपि एषः क्रमः निर्दिष्टः अस्ति।
- एते वर्णाः उच्चारणकाले उष्णवायोः निर्गमनात् "उष्मवर्णाः" इति कथ्यन्ते।

11. कात्यायनस्य काः सन्ति ?
REET L-2 2015
(a) सूत्राणि (b) वार्तिकानि
(c) मन्त्राणि (d) परिभाषासूत्राणि **[b]**

व्याख्या:-
- व्याकरणशास्त्रे प्रसिद्धाः "मुनित्रयः" सन्ति –
  1. पाणिनिः – सूत्रकारः 2. पतञ्जलिः – महाभाष्यकारः
  3. कात्यायनः – वार्तिककारः
- कात्यायनेन वार्तिकानां रचना कृता।

12. पाणिनीयशिक्षायाम् वर्णानाम् संख्या वर्तते-
REET L-2 2015
(a) 63 या 64 (b) 40 या 50
(c) 32 या 33 (d) 26 या 27 **[a]**

व्याख्या:-
- पाणिनीयशिक्षायां वर्णानां संख्या "त्रिषष्टिश्चतुःषष्टिर्वा वर्णाः" इति उक्ता अस्ति।
- अतः पाणिनीयशिक्षायां 63 अथवा 64 वर्णाः स्वीक्रियन्ते।
- एतेषां वर्णानां वर्गीकरणं उच्चारणस्थानस्य प्रयत्नस्य च आधार परं कृतम् अस्ति।

13. व्याकरणे लोपस्य तात्पर्यम् अस्ति-

REET L-2 2015

(a) विस्मरणं लोपः (b) अदृश्यं लोपः
(c) अश्रवणं लोपः (d) अदर्शनं लोपः **[d]**

व्याख्या:-
- ◈ व्याकरणे "लोप" शब्दस्य अर्थः "अदर्शनम्" इति भवति।
- ◈ "अदर्शनं लोपः" इति प्रसिद्धं सूत्रम् अस्ति।

14. शिक्षणशब्दे मूलधातु वर्तते-

REET L-2 2015

(a) शिक्ष् (b) शिस्
(c) शास् (d) शिक्षा **[a]**

व्याख्या:-
- ◈ "शिक्षणम्" इति शब्दः "शिक्ष्" धातोः निष्पन्नः अस्ति।
- ◈ शिक्ष् + ल्युट् = शिक्षणम्।

15. आभ्यान्तरप्रयत्नाः सन्ति-

REET L-2 2015

(a) पञ्च (b) सप्त
(c) एकादश (d) चत्वारः **[a,d]**

व्याख्या:-
- ◈ आभ्यान्तरप्रयत्नाः वर्णोच्चारणसमये मुखान्तः क्रियमाणाः प्रयत्नाः भवन्ति। ते पञ्च प्रकाराः सन्ति-
- ◈ स्पृष्ट, ईषत्स्पृष्ट, ईषद्विवृत, विवृत तथा संवृत।
- ◈ नोट :- माध्यमिक शिक्षा बोर्डेन अस्मिन् प्रश्ने (a) तथा (d) उभौ विकल्पौ स्वीकृतौ।

16. पाणिनीयव्याकरणे स्वराः सन्ति-

REET L-2 2015

(a) दीर्घप्लुतौ (b) अनुनासिकाः
(c) उदात्तानुदात्तस्वरिताः (d) उदात्तानुदात्तौ **[c]**

व्याख्या:-
- ◈ पाणिनीयव्याकरणे स्वराणां त्रयः भेदाः स्वीकृताः सन्ति-
- ◈ उदात्तः, अनुदात्तः, स्वरितः च।
- ◈ एते स्वरभेदाः उच्चारणभेदं सूचयन्ति।

17. महाभाष्यकारः कः अस्ति?

REET L-2 2015

(a) पाणिनिः (b) पतञ्जलिः
(c) कात्यायनः (d) भट्टोजी दीक्षितः **[b]**

व्याख्या:-
- ◈ महाभाष्यस्य रचनाकारः महर्षिः पतञ्जलिः (Patañjali) अस्ति।
- ◈ सः पाणिनेः अष्टाध्याय्याः सूत्राणां विस्तृतं भाष्यं लिखितवान्।
- ◈ संस्कृतव्याकरणे पतञ्जलेः स्थानं अत्यन्तं महत्त्वपूर्णम् अस्ति।

18. "शल्" इति प्रत्याहारस्य वर्णाः भवन्ति

REET 2024 L-1

(a) श् घ् ध् ढ् (b) श् स् य् व्
(c) श् ष् स् ह् (d) श् ष् य् ल् **[c]**

व्याख्या:-
- ◈ हयवरट्' तः 'हल्' यावत् सूत्रेषु 'शल्' प्रत्याहारस्य निर्माणं भवति, यस्य अन्तर्गतं **श्, ष्, स्, ह्** इति चत्वारः ऊष्मवर्णाः आगच्छन्ति।

19. माहेश्वरसूत्रेषु "एच्' प्रत्याहारस्य उचितक्रमः वर्तते –

REET 2022 L-1

(a) ए, ओ, ऐ, औ (b) ए, ऐ, ओ, औ
(c) ए, ओ, औ, ऐ (d) ए, औ, ऐ, ओ **[a]**

व्याख्या:-
- ◈ पाणिनीयव्याकरणे माहेश्वरसूत्राणि वर्णानां समूहविभाजनार्थं प्रयुज्यन्ते। "एच्" प्रत्याहारः दीर्घस्वराणां समूहं बोधयति। अस्मिन् "ए, ओ, ऐ, औ" इति वर्णानां समावेशः भवति।

20. माहेश्वर सूत्राणि सन्ति-

REET 2021 L-1

(a) पञ्चदश (b) चतुर्दश
(c) सप्तदश (d) द्वादश **[b]**

व्याख्या–
- ◈ पाणिनि कृत अष्टाध्यायी में 14 माहेश्वर सूत्र है, जिनका उपयोग करके व्याकरण के नियमों को अत्यन्त लघु रूप देने में पाणिनि ने सफलता पाई है।
- ◈ पहले चार सूत्रों में स्वरों की गणना की गई है। इसे अच् प्रत्याहार कहते हैं।

21. बाह्यप्रयत्नानि सन्ति-

REET 2015 L-1

(a) पञ्च (b) एकादश
(c) सप्त (d) चत्वारि **[b]**

व्याख्या:-
- ◈ बाह्यप्रयत्न एकादश हैं-

1. विवार	7. अल्पप्राण
2. संवार	8. महाप्राण
3. श्वास	9. उदात्त
4. नाद	10. अनुदात्त
5. घोष	11. स्वरित।
6. अघोष	

22. 'अष्टाध्यायी' इति पाणिनीयग्रन्थे अध्यायाः सन्ति-

REET 2015 L-1

(a) सप्त (b) सपादसप्त
(c) दश (d) अष्ट **[d]**

व्याख्या:-
- ◈ 'अष्टाध्यायी' नामक व्याकरण ग्रन्थ में आठ अध्याय हैं।

अभ्यास प्रश्न

1. माहेश्वरसूत्रेषु 'अच्' प्रत्याहारः कस्य संज्ञा अस्ति?

(a) अन्तःस्थानाम् (b) स्वराणाम्
(c) ऊष्मवर्णानाम् (d) स्पर्शवर्णानाम् **[b]**

व्याख्या:-
- ◈ पाणिनिना माहेश्वरसूत्रेषु **"अच्"** इति प्रत्याहारः **स्वरवर्णानां** संज्ञारूपेण निर्दिष्टः।
- ◈ अयं **अ** इत्यारभ्य **च्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्तान् सर्वान् स्वरान् गृह्णाति।

2. 'हल्' प्रत्याहारे कति वर्णाः अन्तर्भवन्ति?

(a) 25 (b) 33
(c) 34 (d) सर्वे व्यञ्जनवर्णाः **[d]**

व्याख्या:-
- ◈ **"हल्"** इति प्रत्याहारः **ह** इत्यारभ्य **ल्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्तान् सर्वान् व्यञ्जनवर्णान् गृह्णाति।
- ◈ अस्मिन् स्पर्शवर्णाः, अन्तःस्थवर्णाः तथा ऊष्मवर्णाः सर्वे समाविष्टाः भवन्ति।

3. 'अण्' प्रत्याहारः किमर्थं प्रसिद्धः?
(a) सर्वेषां स्वराणाम् (b) प्रथमचतुर्णां स्वराणाम्
(c) ह्रस्वस्वराणाम् (d) प्रत्याहारनिर्माणस्य आधाररूपेण **[d]**

व्याख्या:-
- प्रत्याहारप्रणाल्याः निर्माणे प्रत्येकः प्रत्याहारः माहेश्वरसूत्राणाम् आधारेण निर्मीयते।
- **"अण्"** इति प्रत्याहारः प्रत्याहारनिर्माणस्य पद्धतिं ज्ञापयति तथा इत्संज्ञायाः प्रयोगस्य उदाहरणम् अपि भवति।

4. प्रत्याहारनिर्माणे 'इत्' संज्ञकवर्णस्य कार्यं किम्?
(a) वर्णसमूहस्य आरम्भः
(b) वर्णसमूहस्य समाप्तिसूचनम्
(c) स्वरनिर्देशः
(d) व्यञ्जननिर्देशः **[b]**

व्याख्या:-
- प्रत्याहारनिर्माणे अन्तिमः वर्णः **इत्संज्ञकः** भवति।
- सः स्वयम् अग्राह्यः भवति, केवलं वर्णसमूहस्य समाप्तिं सूचयति।

5. 'अच्' प्रत्याहारे 'ए' वर्णः अन्तर्भवति, यतः–
(a) सः ह्रस्वः अस्ति। (b) सः दीर्घः अस्ति।
(c) सः स्वरः अस्ति। (d) सः अन्तःस्थः अस्ति। **[c]**

व्याख्या:-
- **"अच्"** प्रत्याहारे सर्वे स्वराः अन्तर्भवन्ति।
- **"ए"** अपि स्वरः एव अस्ति, न तु व्यञ्जनः।

6. 'यण्' प्रत्याहारस्य अन्तिमः वर्णः कः?
(a) व् (b) र्
(c) ल् (d) य् **[c]**

व्याख्या:-
- **"यण्"** प्रत्याहारः **य्** इत्यारभ्य **ण्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्तं गृह्यते।
- तस्मिन् **य, व, र, ल्** इति वर्णाः अन्तर्भवन्ति।

7. 'इक्' प्रत्याहारे कः वर्णः न अन्तर्भवति?
(a) इ (b) ऋ
(c) ए (d) ऌ **[c]**

व्याख्या:-
- **"इक्"** प्रत्याहारे **इ, उ, ऋ, ऌ** इति स्वराः भवन्ति।
- **"ए"** तु **एच्** प्रत्याहारे अन्तर्भवति, न तु इक्-प्रत्याहारे।

8. 'एच्' प्रत्याहारः केषां स्वराणां समूहः अस्ति?
(a) अ इ उ ऋ (b) ए ओ ऐ औ
(c) अ आ इ ई (d) ऋ ऌ ए ओ **[b]**

व्याख्या:-
- **"एच्"** प्रत्याहारे **ए, ओ, ऐ, औ** इति चत्वारः संयुक्तस्वराः समाविष्टाः भवन्ति।
- एते गुण-वृद्धि-विधानादिषु विशेषमहत्त्वं वहन्ति।

9. 'अक्' प्रत्याहारे दीर्घस्वराः–
(a) अन्तर्भवन्ति। (b) न अन्तर्भवन्ति।
(c) केवलम् आ अन्तर्भवति। (d) केवलम् ई अन्तर्भवति। **[b]**

व्याख्या:-
- **"अक्"** प्रत्याहारे केवलं **अ, इ, उ, ऋ, ऌ** इत्येते ह्रस्वस्वराः गृह्यन्ते।
- दीर्घस्वराः अस्मिन् प्रत्याहारे न समाविष्टाः भवन्ति।

10. 'यण्' प्रत्याहारस्य वर्णाः केषां संज्ञया अपि प्रसिद्धाः?
(a) ऊष्मवर्णाः (b) अन्तःस्थवर्णाः
(c) स्पर्शवर्णाः (d) अयोगवाहाः **[b]**

व्याख्या:-
- **य, व, र, ल्** इति वर्णाः **यण्** प्रत्याहारे समाविष्टाः भवन्ति।
- एते स्वरव्यञ्जनयोः मध्ये स्थितत्वात् **अन्तःस्थवर्णाः** अथवा **अर्धस्वराः** इति कथ्यन्ते।

11. 'शल्' प्रत्याहारे कति वर्णाः भवन्ति?
(a) 3 (b) 4
(c) 5 (d) 6 **[b]**

व्याख्या:-
- **"शल्"** प्रत्याहारः पाणिनीयव्याकरणे **श, ष, स, ह** इत्येतान् चत्वारः ऊष्मवर्णान् गृह्णाति।
- अयं **श्** इत्यारभ्य **ल्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्तः निर्मीयते।

12. 'अच्' प्रत्याहारस्य निर्माणे अन्तिमम् इत्संज्ञकवर्णं किम्?
(a) ण् (b) क्
(c) च् (d) ल् **[c]**

व्याख्या:-
- **"अच्"** प्रत्याहारः **अ** इत्यारभ्य **च्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्तः निर्मीयते।
- अत्र **च्** इत्संज्ञकः वर्णः अस्ति, सः केवलं प्रत्याहारस्य समाप्तिं सूचयति, स्वयम् अग्राह्यः भवति।

13. 'झष्' प्रत्याहारे प्रथमः वर्णः कः?
(a) घ् (b) झ्
(c) ढ् (d) ध् **[b]**

व्याख्या:-
- **"झष्"** प्रत्याहारस्य आरम्भः **झ्** वर्णात् भवति।
- प्रत्याहारनिर्माणे आद्यः वर्णः सदैव ग्राह्यः भवति।

14. 'झष्' प्रत्याहारस्य अन्तिमः ग्राह्यवर्णः कः?
(a) ध् (b) ष्
(c) ढ् (d) भ् **[a]**

व्याख्या:-
- **"झष्"** प्रत्याहारे **झ्** आरभ्य **ष्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्ताः वर्णाः गृह्यन्ते।
- इत्संज्ञकः **ष्** ग्राह्यः न भवति, तस्मात् तस्य पूर्ववर्ती **ध्** अन्तिमः ग्राह्यवर्णः भवति।

15. 'अल्' प्रत्याहारः किम् बोधयति?
(a) केवलान् स्वरान् (b) केवलान् व्यञ्जनान्
(c) सम्पूर्णान् वर्णान् (d) ऊष्मवर्णान् **[c]**

व्याख्या:-
- **"अल्"** प्रत्याहारः **अ** इत्यारभ्य **ल्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्तः सर्वान् वर्णान् 'गृह्यति।
- अस्मिन् स्वराः तथा व्यञ्जनानि उभयमपि अन्तर्भवन्ति।

16. माहेश्वरसूत्रेषु कति इत्संज्ञकवर्णाः सन्ति?
(a) 12 (b) 13
(c) 14 (d) 15 **[c]**

व्याख्या:-
- माहेश्वरसूत्रेषु प्रत्येकसूत्रस्य अन्ते एकः **इत्संज्ञकवर्णः** निर्दिष्टः अस्ति।
- सूत्राणां संख्या चतुर्दश (१४) अस्ति, अतः इत्संज्ञकवर्णानामपि संख्या **चतुर्दश** एव भवति।

17. 'हयवरट्' इत्यस्मिन् सूत्रे इत्संज्ञकवर्णः कः?
(a) ट् (b) र्
(c) व् (d) ह् **[a]**

व्याख्या:-
- **"हयवरट्"** इति माहेश्वरसूत्रे अन्तिमः **"ट्"** वर्णः इत्संज्ञकः अस्ति।
- अयं ग्राह्यः न भवति, केवलं प्रत्याहारस्य समाप्तिं बोधयति।

18. 'लण्' सूत्रस्य इत्संज्ञकवर्णः कः?
(a) ल् (b) ण्
(c) न् (d) ट् **[b]**

व्याख्या:-
- **"लण्"** इति माहेश्वरसूत्रे अन्तिमः **"ण्"** वर्णः इत्संज्ञां प्राप्नोति।
- प्रत्याहारनिर्माणे अस्य प्रयोगः केवलं सीमासूचनार्थं भवति।

19. 'अच्' प्रत्याहारनिर्माणे आरम्भवर्णः कः?
(a) अ (b) इ
(c) उ (d) ऋ **[a]**

व्याख्या:-
- **"अच्"** प्रत्याहारस्य आरम्भः माहेश्वरसूत्रस्य प्रथमवर्णात् अर्थात् **"अ"** इत्यस्मात् भवति।
- ततः **च्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्तं सर्वे स्वराः गृह्यन्ते।

20. 'हल्' प्रत्याहारनिर्माणे अन्तिमम् इत्संज्ञकवर्णम् अस्ति–
(a) ण् (b) ट्
(c) ल् (d) च् **[c]**

व्याख्या:-
- **"हल्"** प्रत्याहारः **ह** इत्यारभ्य अन्तिमसूत्रस्थित **ल्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्तः निर्मीयते।
- अत्र **ल्** इत्संज्ञकः अस्ति, अतः सः ग्राह्यः न भवति।
- तस्मात् **"ल्"** एव हल्-प्रत्याहारस्य अन्तिमः इत्संज्ञकवर्णः इति सिद्धम्।

21. 'इण्' प्रत्याहारे कः स्वरः न भवति?
(a) इ (b) उ
(c) अ (d) ऋ **[c]**

व्याख्या:-
- **"इण्"** प्रत्याहारः **इ** इत्यारभ्य **ण्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्तः निर्मीयते।
- अस्मिन् **इ, उ, ऋ, ऌ** इत्येते स्वराः अन्तर्भवन्ति, **अ** तु न गृह्यते।

22. 'अच्' प्रत्याहारे ऌ-वर्णः–
(a) अन्तर्भवति। (b) न अन्तर्भवति।
(c) केवलं विकल्पेन भवति। (d) केवलं सिद्धान्तकौमुद्याम्। **[a]**

व्याख्या:-
- **"अच्"** प्रत्याहारः सर्वान् स्वरान् गृह्णाति।
- तेषु **अ, इ, उ, ऋ, ऌ, ए, ओ, ऐ, औ** इत्येते सर्वे समाविष्टाः भवन्ति।

23. 'हल्' प्रत्याहारस्य उपयोगः मुख्यतया कुत्र भवति?
(a) स्वरविधौ (b) व्यञ्जनविधौ
(c) समासे (d) तद्धिते **[b]**

व्याख्या:-
- **"हल्"** प्रत्याहारः सर्वेषां व्यञ्जनानां वाचकः अस्ति।
- पाणिनीयव्याकरणे यत्र व्यञ्जनसम्बद्धाः नियमाः भवन्ति, तत्र **हल्** इति प्रत्याहारस्य प्रयोगः क्रियते।

24. प्रत्याहारप्रणाली कस्य व्याकरणस्य वैशिष्ट्यम् अस्ति?
(a) कातन्त्रस्य (b) पाणिनीयव्याकरणस्य
(c) सारस्वतस्य (d) जैनेन्द्रस्य **[b]**

व्याख्या:-
- प्रत्याहारप्रणाली पाणिनेः अद्वितीया वैज्ञानिकव्यवस्था अस्ति।
- सा **माहेश्वरसूत्राणाम्** आधारेण निर्मिता अस्ति तथा सूत्राणां संक्षिप्ततां सरलतां च साधयति।

25. 'अच्' इति शब्दः व्याकरणे किं सूचयति?
(a) स्वरसमूहम् (b) व्यञ्जनसमूहम्
(c) वर्णमालाम् (d) धातून् **[a]**

व्याख्या:-
- व्याकरणशास्त्रे **"अच्"** इति शब्दः स्वरसमूहस्य संज्ञा अस्ति।
- यदा सूत्रेषु **अच्** इति पदं दृश्यते, तदा सर्वे स्वराः विवक्षिताः भवन्ति।

26. 'हल्' इति शब्दः व्याकरणे किं सूचयति?
(a) स्वरान् (b) व्यञ्जनान्
(c) अयोगवाहान् (d) मात्राः **[b]**

व्याख्या:-
- **"हल्"** इति प्रत्याहारः सर्वेषां व्यञ्जनवर्णानां संज्ञारूपेण व्यवह्रियते।
- स्पर्शवर्णाः, अन्तःस्थवर्णाः, ऊष्मवर्णाश्च अस्मिन् अन्तर्भवन्ति।

27. प्रत्याहारनिर्माणस्य मूलाधारः कः?
(a) धातुपाठः (b) माहेश्वरसूत्राणि
(c) गणपाठः (d) उणादिसूत्राणि **[b]**

व्याख्या:-
- प्रत्याहारनिर्माणस्य सम्पूर्णा व्यवस्था **माहेश्वरसूत्राणि** आधृत्य एव निर्मिता अस्ति।
- पाणिनिः एतानि सूत्राणि प्रयुज्य अल्पाक्षरैः विशालान् वर्णसमूहान् निर्दिशति।

28. 'अच्' प्रत्याहारस्य प्रयोगः मुख्यतया कस्मिन् क्षेत्रे भवति?
(a) स्वरविधानेषु (b) समासेषु
(c) तद्धितेषु (d) छन्दसि **[a]**

व्याख्या:-
- **"अच्"** प्रत्याहारः स्वराणां बोधकः अस्ति।
- अतः गुणः, वृद्धिः, सन्धिः, स्वरादेशः इत्यादिषु स्वरसम्बद्धेषु विधिषु अस्य प्रयोगः भवति।
- तस्मात् अच्-प्रत्याहारस्य मुख्यः प्रयोगः **स्वरविधानेषु** एव दृश्यते।

29. 'यण्' प्रत्याहारः कस्य सूत्रस्य आरम्भवर्णेन प्रारभ्यते?
(a) हयवरट् (b) लण्
(c) झभञ् (d) कपय् **[a]**

व्याख्या:-
- **"यण्"** प्रत्याहारः **"हयवरट्"** इति माहेश्वरसूत्रे स्थितेन **"य्"** वर्णेन आरभ्यते।
- ततः **लण्** सूत्रस्थ **ण्** इत्संज्ञकवर्णपर्यन्तं ग्राह्यवर्णाः भवन्ति।

30. 'हल्' प्रत्याहारस्य अन्तर्गतः 'ह' वर्णः–
(a) एकवारम् एव गृह्यते। (b) द्विवारं गृह्यते।
(c) न गृह्यते। (d) विकल्पेन गृह्यते। **[a]**

व्याख्या:-
- **"हल्"** प्रत्याहारे आदौ स्थितः **"ह"** वर्णः एकवारमेव ग्राह्यः भवति।
- प्रत्याहारनिर्माणे ग्राह्यवर्णस्य पुनर्ग्रहणस्य आवश्यकता न भवति।

31. प्रत्याहारेषु 'इत्' वर्णाः–
(a) ग्राह्याः भवन्ति। (b) अग्राह्याः भवन्ति।
(c) स्वरत्वेन गृह्यन्ते। (d) अन्तःस्थत्वेन गृह्यन्ते। **[b]**

व्याख्या:-
- प्रत्याहारनिर्माणे यः अन्तिमः वर्णः प्रयुज्यते, सः **इत्संज्ञकः** भवति।
- पाणिनेः **"उपदेशेऽजनुनासिक इत्" (अष्टाध्यायी १।३।२)** इत्यादिसूत्रैः इत्संज्ञा विधीयते।

♦♦♦♦

संस्कृत शिक्षण विधियाँ

01 संस्कृतशिक्षण विधि परिचय,विभिन्न आयोग एवं समितियाँ

विगत वर्षो के प्रश्न

1. शैक्षिक – अनुसन्धान – प्रशिक्षण – परिषदा कतमे वर्षे आन्तरिकमूल्यांकनस्योपरि बलं दत्तम्?

REET L-2 2017

(a) 1965 तमे वर्षे (b) 1947 तमे वर्षे
(c) 1975 तमे वर्षे (d) 1967 तमे वर्षे **[c]**

व्याख्या:-
- शैक्षिक-अनुसन्धान-प्रशिक्षण-परिषदा 1975 तमे वर्षे आन्तरिकमूल्यांकनस्य महत्त्वं प्रतिपादितम्।
- अस्य उद्देश्यं शिक्षणस्य गुणवृद्धिः आसीत्।

2. राष्ट्रियशिक्षानीतिकार्ययोजना कदा संगठिता अभवत्?

REET L-2 2017

(a) 1948 तमे वर्षे (b) 1950 तमे वर्षे
(c) 1966 तमे वर्षे (d) 1968 तमे वर्षे **[d]**

व्याख्या:-
- राष्ट्रीयशिक्षानीतिकार्ययोजना 1968 तमे वर्षे संगठिता अभवत्।
- अस्याः योजनायाः मुख्योद्देश्यः शिक्षायाः स्तरस्य उन्नयनम् आसीत्।

3. 'बुनियादी शिक्षा' केन प्रवर्तिता?

REET L-2 2015

(a) राजेन्द्रप्रसादमहोदयेन
(b) एन. गोपालस्वामिमहोदयेन
(c) डॉ. सुनीतिकुमारचटर्जीमहोदयेन
(d) महात्मागान्धिमहोदयेन **[d]**

व्याख्या:-
- 'बुनियादी शिक्षा' इति शिक्षाव्यवस्था महात्मागान्धिमहोदयेन प्रवर्तिता। अस्याः शिक्षायाः मुख्योद्देश्यः स्वावलम्बनस्य विकासः आसीत्।

4. संस्कृतशिक्षणे प्रस्तावना, विषयोपस्थापनम्, तुलना, सामान्यीकरणम्, प्रयोगश्च कस्य विधेः सोपानानि सन्ति?

REET 2022 L-2 (S-3),2021,2017,2015

(a) पामरविधेः (b) भण्डारकरविधेः
(c) व्याख्याविधेः (d) हरबार्टीयविधेः **[d]**

व्याख्या:-
- हरबर्टीयविधौ शिक्षणस्य पञ्च सोपानानि निर्दिष्टानि सन्ति।
- तानि – प्रस्तावना, प्रस्तुतीकरणम्, तुलना, सामान्यीकरणम्, प्रयोगः च।
- अतः एतानि हरबार्टीयविधेः सोपानानि सन्ति।

5. पाठयोजनाया आविर्भावः अभवत्-

REET L-2 2015

(a) समाजशास्त्रेण (b) संस्कृतेन
(c) गेस्टाल्टमनोविज्ञानेन (d) अर्थशास्त्रेण **[c]**

व्याख्या:-
- दैनिकपाठयोजनाया आधारः गेस्टाल्टमनोविज्ञानम् (Gestalt Psychology) अस्ति।
- अस्य सिद्धान्तस्य अनुसारं शिक्षणं समग्ररूपेण भवेत्, न तु खण्डशः।
- अतः पाठयोजनाया विकासे गेस्टाल्टमनोविज्ञानस्य महत्त्वपूर्णं योगदानम् अस्ति।

6. पाठशालाविधेरनुसारं शिक्षारम्भः कस्मात् संस्कारात् परं भवति स्म?

REET 2022 L-1

(a) उपनयनसंस्कारात्परम् (b) केशान्तसंस्कारात्परम्
(c) विवाहकारात्परम (d) समावर्तनसंस्कारात परम **[a]**

व्याख्या:-
- प्राचीनभारतीयशिक्षाव्यवस्थायां बालकस्य औपचारिकशिक्षा उपनयनसंस्कारानन्तरं आरभ्यते स्म। उपनयनसंस्कारः विद्याध्ययनस्य प्रवेशद्वाररूपेण मान्यः आसीत्। ततः बालकः गुरुकुलं गत्वा अध्ययनं करोति स्म।

7. सम्प्रेषणाय किं कर्त्तव्यम्?

REET 2012 L-2

(a) पूर्णसज्जा (b) सहायकसामग्री
(c) भ्रमणम् (d) भाषणम् **[a]**

व्याख्या:-
- सम्प्रेषणस्य सफलतायै पूर्णसज्जा अत्यावश्यकी भवति। यदा वक्ता विचारान् सम्यक् रूपेण व्यवस्थित्य प्रस्तुतिं करोति तदा सम्प्रेषणं प्रभावी भवति। सम्प्रेषणप्रक्रियायां विचारः, माध्यमम्, सन्देशः, प्रापकः, प्रतिपुष्टिः इत्यादयः प्रमुखतत्त्वानि भवन्ति।

8. भट्टमथुरानाथशास्त्रिणः काव्यं विद्यते -

REET 2024 L-2 (S-2)

(a) साहित्यवैभवम् (b) तत्त्वशतकम्
(c) प्रतिवेशिनी (d) स्वराज्यम् **[a]**

व्याख्या:-
- "साहित्यवैभवम्" इति काव्यं भट्टमथुरानाथशास्त्रिणा विरचितम् अस्ति।

9. "जीवनस्य पृष्ठद्वयम्" कस्य रचना विद्यते ?

REET 2024 L-2 (S-2)

(a) देवर्षि-कलानाथशास्त्रिणः (b) पं. अम्बिकादत्तव्यासस्य
(c) पं. कल्याणदत्तशर्मणः (d) पं. श्रीकृष्णरामभट्टस्य **[a]**

व्याख्या:-
- "जीवनस्य पृष्ठद्वयम्" इति रचना देवर्षि-कलानाथशास्त्रिणः अस्ति।

10. त्रयाणां कौशलानां मूलाधारं कौशलं किम् ?

REET 2024 L-2 (S-3)

(a) पठनम् (b) श्रवणम्
(c) भाषणम् (d) लेखनम् **[b]**

व्याख्या:-
- भाषाशिक्षणे श्रवणकौशलं मूलाधारः मन्यते। बालकः प्रथमं श्रवणेन भाषां अधिगच्छति, ततः भाषणं, पठनं, लेखनं च विकसितानि भवन्ति। अतः श्रवणकौशलं अन्येषां कौशलानां आधाररूपेण स्वीकृतम् अस्ति।

11. "हरनामामृतं" महाकाव्यस्य लेखकः कः ?

REET 2024 L-2 (S-3)

(a) पं. सूर्य नारायण शास्त्री (b) आचार्य मधुकर शास्त्री
(c) श्री कृष्णारामभट्टः (d) पं. विद्याधर शास्त्री **[d]**

व्याख्या:-
- "हरनामामृतं" इति महाकाव्यं पण्डित विद्याधर शास्त्रिणा विरचितम्। अयं ग्रन्थः संस्कृतसाहित्यस्य महत्त्वपूर्णेषु महाकाव्येषु गणितः भवति तथा साहित्यिकदृष्ट्या प्रशंसनीयः अस्ति।

12. संस्कृतशिक्षणस्य उद्देश्यानि सन्ति –
REET L-2 2015
(a) भारतीयसंस्कृतेः ज्ञानम् (b) शुद्धोच्चारणम्
(c) स्मरणशक्तेः वर्धनम् (d) सर्वाणि **[d]**

व्याख्या:-
- संस्कृतभाषा भारतीयसंस्कृतेः आधारभूता भाषा अस्ति।
- अस्याः अध्ययनद्वारा छात्राः भारतीयसंस्कृतेः ज्ञानं प्राप्नुवन्ति।
- संस्कृतभाषायां शुद्धोच्चारणस्य अत्यधिकमहत्त्वम् अस्ति।
- तथा सूत्रात्मकतया एषा भाषा स्मरणशक्तिवर्धनेऽपि सहायकत्वं करोति।
- अतः उपर्युक्तानि सर्वाणि उद्देश्यानि सम्यक् सन्ति।

13. त्रिभाषासूत्रे संस्कृतस्य स्थानम् वर्तते-
REET L-2 2015
(a) वैकल्पिकम् (b) अनिवार्यम्
(c) आवश्यकम् (d) नास्त्येव **[a]**

व्याख्या:-
- त्रिभाषासूत्रे त्रयः भाषाः अध्यापनार्थं निर्दिष्टाः सन्ति- मातृभाषा, हिन्दीभाषा तथा अंग्रेजी/संस्कृतभाषा।
- अत्र संस्कृतभाषा सामान्यतया वैकल्पिकविषयरूपेण अध्याप्यते।
- उच्चप्राथमिकस्तरे तथा माध्यमिकस्तरे संस्कृतस्य अध्ययनम् विकल्परूपेण भवति।

14. संस्कृतशिक्षणं प्रति छात्रेसु रुच्युत्पादनार्थं शिक्षकेण करणीयम्-
REET 2022 L-1
(a) पाठ्यपुस्तकस्य श्लोकानां वाचनम्
(b) विविध साहित्यिक गतिविधीनामायोजनम्
(c) संस्कृततः हिन्दीभाषायामनुवादकरणम्
(d) कठिनशब्दानामर्थलेखनम् **[b]**

व्याख्या:-
- संस्कृतभाषायां छात्रेषु रुचिवर्धनार्थं नाटकानि, श्लोकपाठः, भाषणप्रतियोगिताः, गीतानि, संवादाः इत्यादीनां साहित्यिकक्रियाणाम् आयोजनं अत्यन्तोपयोगि भवति। एतेषां माध्यमेन छात्राः आनन्दपूर्वकं संस्कृतभाषां अधीयते।

15. स्वातन्त्र्यात्परम् आचार्यनरेन्द्रदेवसमितिः बहुविधमूल्यांकननिमित्तं सर्वप्रथमं कदा अनुशंसितवती?
REET L-2 2017
(a) 1948 तमे वर्षे
(b) 1947 तमे वर्षे
(c) 1949 तमे वर्षे
(d) 1950 तमे वर्षे **[*]**

व्याख्या:-
- अस्य प्रश्नस्य सम्बन्धे माध्यमिकशिक्षामण्डलेन बोनसाङ्काः प्रदत्ताः आसन्।

अभ्यास प्रश्न

1. कवितापाठनस्य प्रमुखम् उद्देश्यम् किम्?
(a) नवीनशब्दज्ञानार्थम्
(b) वर्तन्याः व्याकरणस्य च ज्ञानार्थम्
(c) छन्दोबद्धरचनायाः ज्ञानार्थम्
(d) विचारबोधाय आनन्दानुभूतये च **[d]**

व्याख्या:-
- कवितापाठनस्य प्रमुखोद्देश्यः केवलं शब्दज्ञानं, व्याकरणज्ञानं वा न भवति। तस्य मूलप्रयोजनं कवेः भावानां, विचाराणां, कल्पनायाः च सम्यग् अवगमनं तथा रसास्वादद्वारा आनन्दानुभूतिः अस्ति। एतेन छात्राणां संवेदनशीलता, कल्पनाशक्तिः, साहित्यरुचिः च वर्धते। अतः विचारबोधाय आनन्दानुभूतये च इति सम्यगुत्तरम्।

2. कक्षायां छात्राणां कृते कवितावाचनस्य प्रमुखं प्रयोजनं किम्?
(a) कवेः ऐतिहासिकपृष्ठभूमेः परिज्ञानम्
(b) बिम्बचित्रस्य अन्त्यानुप्रासस्य च अवगमनम्
(c) कवितायाः विषये स्वप्रतिक्रियायाः प्रदर्शनम्
(d) साहित्यिकविचाराणाम् अवगमनम् **[c]**

व्याख्या:-
- कक्षायां कवितावाचनस्य प्रमुखं प्रयोजनं छात्राणां स्वविचाराणां, भावानां, अनुभवानां च अभिव्यक्तेः अवसरप्रदानम् अस्ति। एतेन ते कवितायाः विषये स्वकीयां प्रतिक्रियां स्पष्टतया प्रकाशयन्ति तथा साहित्यबोधः अधिकः सुदृढः भवति। अतः कवितायाः विषये स्वप्रतिक्रियायाः प्रदर्शनम् इति सम्यगुत्तरम्।

3. छात्राणां कृते बालसाहित्यस्य चयनसमये किम् अनावश्यकम्?
(a) छात्राणां वयः तथा रुचिः (b) मुद्रणगुणवत्ता
(c) विषयवस्तु (d) चित्राणि **[b]**

व्याख्या:-
- बालसाहित्यस्य चयनसमये छात्राणां वयः, रुचिः, विषयवस्तु तथा आकर्षकचित्राणि विशेषतया विचारणीयानि भवन्ति। एते गुणाः बालानां अधिगमे रुचिं जनयन्ति तथा साहित्यबोधं सुलभं कुर्वन्ति। मुद्रणगुणवत्ता महत्त्वपूर्णा सति अपि चयनस्य प्रमुखमापदण्डः न भवति। अतः मुद्रणगुणवत्ता इति सम्यगुत्तरम्।

4. मानवः वस्तुतः केन मानवः भवति?
(a) शिक्षया (b) भाषया
(c) बुद्ध्या (d) आत्मना **[b]**

व्याख्या:-
- भाषा मनुष्यस्य सामाजिकजीवनस्य मूलाधारः अस्ति। भाषया एव ज्ञानस्य अर्जनं, विचारविनिमयः, संस्कृतेः संरक्षणं, सम्बन्धस्थापनं च सम्भवति। भाषाविहीनः मानवः स्वविचारान् सम्यक् न प्रकटयितुं शक्नोति। अतः **भाषया** एव मानवः वस्तुतः सामाजिकः, सुसंस्कृतः, पूर्णमानवश्च भवति।

5. प्राथमिकस्तरे भाषाशिक्षणस्य प्रमुखम् उद्देश्यम् किम्?
(a) भाषापरिचयः (b) भाषातत्त्वज्ञानम्
(c) साहित्यसमालोचना (d) व्याकरणविश्लेषणम् **[a]**

व्याख्या:-
- प्राथमिकस्तरे भाषाशिक्षणस्य प्रमुखोद्देश्यः बालकेषु भाषायाः सहजपरिचयः, श्रवण-भाषण-कौशलयोः विकासः, भाषायां रुच्युत्पादनं च भवति। अस्मिन् स्तरे गम्भीरव्याकरणाध्ययनं वा साहित्यसमालोचना वा मुख्यं लक्ष्यं न भवति। अतः **भाषापरिचयः** एव प्राथमिकस्तरस्य प्रधानोद्देश्यः इति स्वीक्रियते।

6. भाषायाः विशेषता का नास्ति?
(a) अर्जिता सम्पत्तिः (b) परिवर्तनशीलता
(c) अनुकरणेन अधिगम्यता (d) जन्मजातता **[d]**

व्याख्या:-
- भाषा जन्मतः न लभ्यते, अपितु परिवारे, समाजे, विद्यालये च श्रवणेन, अनुकरणेन, अभ्यासेन च अधिगम्यते। भाषा परिवर्तनशीला अस्ति तथा अर्जिता सम्पत्तिरपि मन्यते। अतः **जन्मजातता** भाषायाः विशेषता नास्ति, किन्तु अर्जितत्वमेव तस्याः प्रमुखगुणः अस्ति।

7. 'शिक्षणम्' इति पदे कः प्रत्ययः प्रयुक्तः?
(a) ल्युट् (b) ण्वुल्
(c) क्तः (d) शानच् **[a]**

व्याख्या:-

◈ शिक्षणम् इति पदं **ल्युट्** प्रत्ययेन निष्पन्नं भवति। अयं प्रत्ययः सामान्यतया भाववाचकशब्दनिर्माणार्थं प्रयुज्यते। शिक्ष् धातोः ल्युट् प्रत्ययस्य योगेन शिक्षणम् इति शब्दः सिद्धयति। अतः अस्मिन् पदे **ल्युट्** प्रत्ययस्य प्रयोगः व्याकरणसम्मतः अस्ति।

8. 'शिक्षणम्' इति शब्दस्य व्युत्पत्तिः का?

(a) शिक्ष्यते अनेन इति शिक्षणम्
(b) शिक्ष्यते अस्मिन् इति शिक्षणम्
(c) शिक्ष्यते अस्मै इति शिक्षणम्
(d) शिक्ष्यते अनया इति शिक्षणम् **[a]**

व्याख्या:-

◈ शिक्ष्यते अनेन इति शिक्षणम् इति अस्य पदस्य व्युत्पत्तिः स्वीकृता अस्ति। शिक्षणम् इति तादृशी प्रक्रिया अस्ति, यस्य माध्यमेन ज्ञानं, कौशलं, मूल्यं, व्यवहारः च विद्यार्थिभ्यः प्रदीयते। अतः **"शिक्ष्यते अनेन इति शिक्षणम्"** इति व्युत्पत्तिः सम्यग् अस्ति।

9. शिक्षणप्रक्रिया केषां प्रभावेण सञ्चाल्यते?

(a) शासनप्रणाल्याः
(b) संस्कृतेः
(c) सामाजिकदार्शनिकमूल्यानाम्
(d) उपर्युक्तेषां सर्वेषाम् **[d]**

व्याख्या:-

◈ शिक्षणप्रक्रिया केवलं कक्षायां न सीमिता भवति। सा शासनस्य शिक्षानीतिभिः, समाजस्य सांस्कृतिकपरम्पराभिः, दार्शनिकमूल्यैः, सामाजिकावश्यकताभिः च प्रभावितभवति। एते सर्वे घटकाः शिक्षणस्य स्वरूपं, उद्देश्यं, पद्धतिं च निर्धारयन्ति। अतः **उपर्युक्तेषां सर्वेषाम्** प्रभावः शिक्षणप्रक्रियायां दृश्यते।

10. शिक्षणप्रक्रियायाः प्रमुखम् उद्देश्यम् किम्?

(a) व्यवस्थितव्यवहारपरिवर्तनम् (b) केवलं ज्ञानप्रदानम्
(c) केवलं परीक्षासफलता (d) केवलं पाठ्यक्रमसमापनम् **[a]**

व्याख्या:-

◈ शिक्षणस्य परमं लक्ष्यं विद्यार्थिनः व्यवहारे ज्ञाने, कौशले, दृष्टिकोणे, मूल्येषु च अपेक्षितं सकारात्मकं परिवर्तनम् आनयितुम् अस्ति। केवलं ज्ञानदानं, परीक्षासफलता अथवा पाठ्यक्रमसमापनम् एव शिक्षणस्य मुख्योद्देश्यः न भवति। अतः **व्यवस्थितव्यवहारपरिवर्तनम्** इति शिक्षणप्रक्रियायाः प्रमुखोद्देश्यः स्वीक्रियते।

11. संस्कृतभाषाशिक्षणस्य प्रमुखम् उद्देश्यम् किम्?

(a) मानवजीवनस्य सर्वाङ्गीणविकासः
(b) शुद्धवाचनलेखनयोः दक्षताविकासः
(c) संस्कृतभाषायां साहित्ये च रुच्युत्पादनम्
(d) उपर्युक्तानि सर्वाणि **[d]**

व्याख्या:-

◈ संस्कृतभाषाशिक्षणस्य प्रमुखोद्देश्यः केवलं भाषाज्ञानप्रदानं नास्ति, अपितु मानवजीवनस्य सर्वाङ्गीणविकासः, शुद्धवाचनलेखनयोः दक्षताविकासः तथा संस्कृतभाषायां साहित्ये च रुच्युत्पादनम् अपि अस्ति। एते सर्वे उद्देशाः परस्परं पूरकाः सन्ति। अतः **उपर्युक्तानि सर्वाणि** इति विकल्पः सम्यक् अस्ति।

12. आदर्शः संस्कृतशिक्षकः कीदृशः भवेत्?

(a) जिज्ञासुः, आशावादी, संयमी च
(b) बालकेन्द्रितशिक्षायां विश्वासवान्
(c) संस्कृतभाषासाहित्ययोः प्रेरकः
(d) उपर्युक्तगुणैः सम्पन्नः **[d]**

व्याख्या:-

◈ आदर्शः संस्कृतशिक्षकः जिज्ञासुः, आशावादी, संयमी, बालकेन्द्रितशिक्षणस्य समर्थकः, संस्कृतभाषासाहित्ययोः गहनज्ञानसम्पन्नः तथा विद्यार्थीन् प्रेरयितुं समर्थः भवेत्। एते सर्वे गुणाः प्रभाविशिक्षणस्य आधारभूताः भवन्ति। अतः **उपर्युक्तगुणैः सम्पन्नः** इति विकल्पः यथार्थः अस्ति।

13. प्रभाविशिक्षणस्य प्रमुखं लक्षणं किम्?

(a) छात्रकेन्द्रितता (b) केवलं व्याख्यानपद्धतिः
(c) केवलं गृहकार्यप्रदानम् (d) केवलं पाठ्यपुस्तकाध्यापनम् **[a]**

व्याख्या:-

◈ प्रभाविशिक्षणे विद्यार्थी अधिगमप्रक्रियायाः केन्द्रे भवति। शिक्षकः मार्गदर्शकरूपेण कार्यं करोति तथा विद्यार्थीनां सहभागिता, चिन्तनम्, स्वानुभवः च प्रोत्साह्यते। केवलं व्याख्यानपद्धतिः वा पाठ्यपुस्तकाधारितशिक्षणं प्रभाविशिक्षणस्य लक्षणं न भवति। अतः **छात्रकेन्द्रितता** इति सम्यगुत्तरम्।

14. भाषणकौशलस्य विकासाय सर्वोत्तमः उपायः कः?

(a) कथाश्रवणम् (b) निरन्तराभ्यासः
(c) मौनपालनम् (d) केवलं पठनम् **[b]**

व्याख्या:-

◈ भाषणकौशलस्य विकासः नियमिताभ्यासेन, शुद्धोच्चारणेन, संवादेन, वाचनाभ्यासेन च भवति। निरन्तराभ्यासः आत्मविश्वासं वर्धयति तथा भाषाप्रवाहमपि सुदृढं करोति। केवलं श्रवणेन अथवा पठनमात्रेण भाषणदक्षता न विकसितुं शक्यते। अतः **निरन्तराभ्यासः** सर्वोत्तमः उपायः अस्ति।

15. मानवस्य प्रथमं शिक्षाप्रतिष्ठानं किम्?

(a) विद्यालयः (b) परिवारः
(c) समाजः (d) महाविद्यालयः **[b]**

व्याख्या:-

◈ परिवारः बालकस्य प्रथमं शिक्षाप्रतिष्ठानम् अस्ति। अत्र एव सः भाषां, संस्कारान्, आचारं, सामाजिकव्यवहारं, नैतिकमूल्यानि च प्रथमवारम् अधिगच्छति। विद्यालयः तदनन्तरं औपचारिकशिक्षां प्रददाति। अतः **परिवारः** एव मानवस्य प्रथमं शिक्षाकेन्द्रम् इति

16. छात्रेषु स्वाध्यायप्रवृत्तिः कथं वर्धयितुं शक्यते?

(a) शिक्षाप्रदस्य रोचकसाहित्यस्य प्रदानेन
(b) दण्डप्रदानेन
(c) अत्यधिकगृहकार्यप्रदानेन
(d) केवलं परीक्षाभिः **[a]**

व्याख्या:-

◈ छात्रेषु स्वाध्यायप्रवृत्तेः विकासाय रोचकं, ज्ञानवर्धकं, शिक्षाप्रदं च साहित्यं प्रदातव्यम्। एतेन तेषां जिज्ञासा वर्धते, स्वयम् अध्ययनस्य रुचिः च उत्पद्यते। दण्डः अथवा अत्यधिकगृहकार्यं स्वाध्याये उत्साहं न जनयति। अतः **शिक्षाप्रदस्य रोचकसाहित्यस्य प्रदानेन** इति उत्तरं सम्यक् अस्ति।

17. भावाभिव्यक्तेः सर्वोत्तमं साधनं किम्?

(a) व्याकरणम् (b) सूत्रम्
(c) भाषा (d) श्लोकः **[c]**

व्याख्या:-

◈ भाषा मनुष्यस्य भावानां, विचाराणां, अनुभवानां, कल्पनानां च स्वाभाविकाभिव्यक्तेः श्रेष्ठतमं साधनम् अस्ति। भाषया एव सामाजिकसम्बन्धाः दृढाः भवन्ति तथा ज्ञानस्य आदानप्रदानम् अपि सुलभं भवति।

18. 'बुनियादीशिक्षा'योजनायाः प्रवर्तकः कः आसीत्?
(a) डॉ.राजेन्द्रप्रसादः (b) डॉ.सुनीतिकुमारचटर्जी
(c) महात्मा गान्धी (d) डॉ.सर्वपल्लीराधाकृष्णन् **[c]**

व्याख्या:-
◈ बुनियादीशिक्षा योजनायाः प्रवर्तकः **महात्मा गान्धी** आसीत्। अस्याः योजनायाः प्रमुखोद्देश्यं श्रमप्रधानं, स्वावलम्बनमूलकं, जीवनोपयोगिशिक्षणं च आसीत्। अस्यां शिक्षाव्यवस्थायां कार्यानुभवेन ज्ञानार्जनस्य सिद्धान्तः स्वीकृतः।

19. प्रथमसंस्कृत-आयोगस्य अध्यक्षः कः आसीत्?
(a) डॉ.सर्वपल्लीराधाकृष्णन् (b) डॉ.सुनीतिकुमारचटर्जी
(c) डॉ.डी.एस.कोठारी (d) श्रीराममूर्तिः **[b]**

व्याख्या:-
◈ प्रथमसंस्कृत-आयोगस्य अध्यक्षः **डा. सुनीतिकुमारचटर्जी** आसीत्। आयोगस्य प्रमुखोद्देश्यं संस्कृतभाषायाः संरक्षणम्, संवर्धनम्, प्रचारः, अध्यापनस्य उन्नयनं च आसीत्। आयोगेन संस्कृतशिक्षायाः विकासाय बह्व्यः महत्त्वपूर्णाः अनुशंसाः प्रस्तुताः।

20. स्वतन्त्रभारतस्य प्रथमा राष्ट्रीयशिक्षानीतिः कस्मिन् वर्षे प्रवर्तिता?
(a) 1948 (b) 1966
(c) 1968 (d) 1986 **[c]**

व्याख्या:-
◈ स्वतन्त्रभारतस्य प्रथमा राष्ट्रीयशिक्षानीतिः **1968** तमे वर्षे प्रवर्तिता। एषा नीति कोठारी-आयोगस्य अनुशंसानाम् आधारेण निर्मिता आसीत्। अस्यां गुणवत्तायुक्तशिक्षा, समानावसरः, राष्ट्रियैक्यं तथा त्रिभाषासूत्रस्य कार्यान्वयनम् इत्यादिषु विशेषः बलः दत्तः।

21. विश्वविद्यालयस्तरे इण्डोलॉजीरूपेण संस्कृताध्यापनस्य अनुशंसा केन कृता?
(a) संस्कृत-आयोगेन (b) प्रथमराष्ट्रीयशिक्षानीत्या
(c) राममूर्ति-आयोगेन (d) कोठारी-आयोगेन **[b]**

व्याख्या:-
◈ विश्वविद्यालयस्तरे संस्कृतस्य इण्डोलॉजी रूपेण अध्यापनस्य अनुशंसा **प्रथमराष्ट्रीयशिक्षानीत्या** कृता। अस्याः अनुशंसायाः उद्देश्यं भारतीयसंस्कृतेः, दर्शनस्य, इतिहासस्य, ज्ञानपरम्परायाः च गम्भीराध्ययनं प्रोत्साहयितुम् आसीत्।

22. संस्कृतसाहित्यस्य स्वर्णकालः कः मन्यते?
(a) वैदिककालः (b) मौर्यकालः
(c) गुप्तकालः (d) कुषाणकालः **[c]**

व्याख्या:-
◈ संस्कृतसाहित्यस्य **गुप्तकालः** स्वर्णकालः इति प्रसिद्धः अस्ति। अस्मिन् काले कालिदासः, भारविः, विशाखदत्तः इत्यादयः महाकवयः उत्कृष्टानि साहित्यकृतयः अरचयन्। काव्ये, नाटके, व्याकरणे, दर्शने च अभूतपूर्वः विकासः अभवत्। अतः **गुप्तकालः** इति सम्यगुत्तरम्।

23. मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयस्य नाम 'शिक्षामन्त्रालयम्' इति कस्याः शिक्षानीतेः अन्तर्गतं परिवर्तितम्?
(a) राष्ट्रीयशिक्षानीतेः 2020 (b) राष्ट्रीयशिक्षानीतेः 1986
(c) राष्ट्रीयशिक्षानीतेः 1968 (d) संस्कृत-आयोगस्य अनुशंसया **[a]**

व्याख्या:-
◈ मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयम् इति नाम **राष्ट्रीयशिक्षानीतेः 2020** अन्तर्गतं परिवर्त्य शिक्षामन्त्रालयम् इति कृतम्। एतेन परिवर्तनेन शिक्षाक्षेत्रस्य व्यापकविकासः तथा समग्रशिक्षादृष्टिः अधिकं सुदृढा अभवत्। अतः **राष्ट्रीयशिक्षानीतेः 2020** इति उत्तरं सम्यक् अस्ति।

24. 'टोल' इति नाम्ना प्रसिद्धाः शिक्षाकेन्द्राः मुख्यतया कस्मिन् काले आसन्?
(a) उपनिषद्काले (b) मौर्यकाले
(c) गुप्तकाले (d) मध्यकाले **[a]**

व्याख्या:-
◈ टोल इति नाम्ना प्रसिद्धाः शिक्षाकेन्द्राः मुख्यतया **उपनिषद्काले** प्रचलिताः आसन्। एतेषु गुरोः सन्निधौ वेदाः, उपनिषदः, व्याकरणम्, दर्शनम्, न्यायः इत्यादयः विषयाः अध्यापिताः। एषा गुरुकुलपरम्परायाः महत्त्वपूर्णा शिक्षापद्धतिः आसीत्।

25. त्रिभाषासूत्रानुसारम् उच्चमाध्यमिकस्तरे संस्कृतभाषायाः स्थानं किम्?
(a) अनिवार्यम् (b) वैकल्पिकम्
(c) प्रमुखम् (d) न विद्यते **[b]**

व्याख्या:-
◈ त्रिभाषासूत्रानुसारम् उच्चमाध्यमिकस्तरे संस्कृतभाषायाः स्थानं **वैकल्पिकम्** इति स्वीकृतम्। विद्यार्थी स्वस्य रुच्यनुसारं संस्कृतभाषां तृतीयभाषारूपेण अथवा वैकल्पिकविषयरूपेण अधीतुं शक्नुवन्ति। एषा व्यवस्था भारतीयभाषानां संरक्षणं तथा भाषिकविविधतां प्रोत्साहयति। अतः **वैकल्पिकम्** इति सम्यगुत्तरम्।

26. जगद्गुरुरामानन्दाचार्यराजस्थानसंस्कृतविश्वविद्यालयः कस्मिन् वर्षे स्थापितः?
(a) 2000 (b) 2001
(c) 2002 (d) 2004 **[b]**

व्याख्या:-
◈ शिक्षायाः अधिकारः अधिनियमः प्रारम्भिकशिक्षायां मातृभाषाया अथवा गृहभाषाया माध्यमस्य प्रोत्साहनं करोति।
◈ शिशुः मातृभाषामाध्यमेन विषयान् सरलतया अवगच्छति, तेन तस्य बौद्धिकविकासः प्रभावकरः भवति।

27. राष्ट्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः 'केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः' इति नाम्ना कस्मिन् वर्षे अधिसूचितः?
(a) 2019 (b) 2020
(c) 2021 (d) 2022 **[b]**

व्याख्या:-
◈ लेखनकाले यः शिशुः स्वेच्छया रेखाः, आकृतयः, चिह्नानि च निर्माति, तत् **आविष्कारिकलेखनम्** इति कथ्यते।
◈ एषा लेखनस्य प्रारम्भिकावस्था अस्ति, यस्यां शिशुः लेखनकौशलस्य अभ्यासं स्वाभाविकरूपेण करोति।

28. केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य जयपुरपरिसरः कुत्र स्थितः अस्ति?
(a) जोधपुरे (b) कोटायाम्
(c) उदयपुरे (d) जयपुरे **[c]**

व्याख्या:-
◈ पाठ्यवस्तुनः अध्ययनसमये 'मूल्यम्' इति शब्दः केवलं शब्दार्थं न बोधयति।
◈ अपितु सन्दर्भानुसारं शब्दस्य यः अभिप्रायः अथवा अर्थाभिव्यक्तिः भवति, स एव 'मूल्यम्' इति कथ्यते।
◈ अतः **शब्दस्य सन्दर्भगत-अर्थ-अभिव्यञ्जना** इति विकल्पः सम्यक् अस्ति।

♦♦♦♦

अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन

सफलता की सही तैयारी

AKSHANSH PUBLICATION



Anil Sir
Maths / Reasoning



Rahul Sir
Science



Kunal Sir
Psychology,
Teaching Methods



Marwadi Sir
हिन्दी



Manish Mangal Sir
English



Nagvendra Sir
Polity & Indian History



RS Sir
Art & Culture/History



S.K. Sir
Geography

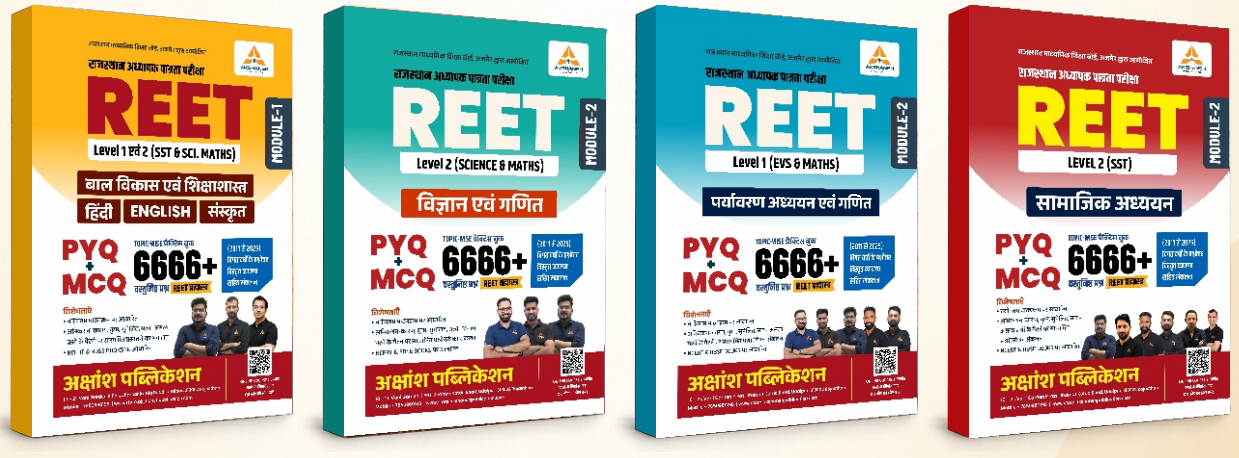


Pankaj Sir
Art & Culture



Irfan Sir
RAS

REET पात्रता परीक्षा हेतु अक्षांश प्रकाशन द्वारा प्रकाशित महत्वपूर्ण पुस्तकें



MRP : ₹420

CODE : APDO(35) NRT

S.No.AP0154

अक्षांश पब्लिकेशन

10 - 21, Vani Garden K Pas, Jhamar Kotda Road, Udaipur, 313002 Rajasthan
Mobile - 7850960198 | www.store.akshanshpublication.com

DOWNLOAD THE APPLICATION
ONLINE COURSE प्राप्त करने
के लिए QR CODE SCAN करें